राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

झामुमो केंद्रीय समिति की बैठक में भाग लेते सीएम हेमंत सोरेन एवं पार्टी के अन्य नेतागण

• बोकारो, शुक्रवार 21 अगस्त 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 95 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

झामुमो केंद्रीय समिति की बैठक में मुख्यमंत्री ने केंद्र पर साधा निशाना

एमएमडीआर बिल के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेगा झारखंड : हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झामुमो केंद्रीय समिति की बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने देश में मौजूदा कई ज्वलंत मुद्दों पर गंभीर चिंता जतायी। उन्होंने केंद्र सरकार के फैसलों को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि बिना पर्याप्त सूचना और राज्यों को विश्वास में लिये अचानक बिल लाये जा रहे हैं, जिससे राज्यों के हित प्रभावित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने एमएमडीआर, परिसीमन और एसआइआर जैसे मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि एमएमडीआर बिल का झारखंड पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसका सबसे ज्यादा असर गरीब, मजदूर और पिछड़े वर्ग के लोगों पर पड़ने की आशंका है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ऐसे महत्वपूर्ण फैसले लेने से पहले केंद्र

सरकार को राज्य सरकार को विश्वास में लेने की जरूरत नहीं थी। हेमंत सोरेन ने कहा कि एमएमडीआर कानून के जरिये झारखंड के हितों पर कुठाराघात हुआ है। इससे राज्य के अधिकार प्रभावित होंगे और इसका असर झारखंड के भविष्य पर भी पड़ सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि झारखंड सरकार एमएमडीआर के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेगी। मुख्यमंत्री ने झारखंड के खनन क्षेत्रों से जुड़े करीब 1.36 लाख करोड़ रुपये के बकाये का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार झारखंड को उसका बकाया देने से बचने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के अधिकारों और हिस्से से जुड़े मामलों को लेकर झामुमो चुप नहीं बैठेगा। हेमंत सोरेन ने कहा कि पिछड़े, गरीब और दलित वर्ग के हितों पर केंद्र सरकार पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र के फैसलों का असर समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ रहा है, इसलिए इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। झामुमो केंद्रीय समिति की बैठक में इन मुद्दों के खिलाफ आगे की रणनीति पर भी चर्चा हुई। पार्टी अब एमएमडीआर समेत अन्य मुद्दों को लेकर राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तरों पर आंदोलन की रणनीति तैयार करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के अधिकारों की हकमारी के खिलाफ पार्टी मजबूती से आवाज उठायेगी।

बंदगांव थाना प्रभारी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव थाना में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी मनीष कुमार को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारी पर आरोप है कि वह थाने में दर्ज एक मुकदमे में मदद करने के नाम पर शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग कर रहा था। एसीबी की कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार बंदगांव थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने थाना प्रभारी द्वारा रिश्वत मांगे जाने की शिकायत एसीबी से की थी। शिकायतकर्ता का आरोप था कि थाने में दर्ज एक मुकदमे में मदद करने के बदले उससे पैसे की मांग की जा रही है। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन किया। शिकायत सही पाए जाने के बाद ब्यूरो की टीम ने आरोपी पुलिस अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ने के लिए ट्रैप की योजना बनाई। तय योजना के तहत शिकायतकर्ता को रिश्वत की रकम लेकर आरोपी अधिकारी के पास भेजा गया। गुरुवार को करीब दोपहर 1:30 बजे जैसे ही थाना प्रभारी ने 15 हजार रुपये की रिश्वत की रकम ली, पहले से घात लगाए एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। टीम ने आरोपी के पास से 15 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी पुलिस अधिकारी को हिरासत में लेकर आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी स्तर के पुलिस अधिकारी की रिश्वत लेते गिरफ्तारी की खबर सामने आने के बाद पश्चिमी सिंहभूम पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एसीबी की कार्रवाई ने एक बार फिर सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही कार्रवाई को लेकर चर्चा तेज कर दी है। मामले को लेकर पश्चिमी सिंहभूम के एसपी अमित रेणु ने कहा कि उन्हें एसीबी की कार्रवाई की सूचना मिली है और मामले की जानकारी ली जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि एसीबी की कार्रवाई हुई है और आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। एसीबी की ओर से की गई कार्रवाई के बाद अब मामले में आगे की जांच और कानूनी प्रक्रिया पर नजर है। आरोपों की पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के दौरान होगी।

रिम्स जमीन मामले में डेवलपर को जमानत

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स से जुड़े कथित जमीन और भ्रष्टाचार मामले में गुरुवार को हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान बड़ा घटनाक्रम सामने आया। अदालत ने गिरफ्तार डेवलपर शुभम साबू की जमानत याचिका मंजूर कर ली। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जांच पर कई गंभीर सवाल उठाते हुए पूछा कि मामले में केवल निजी व्यक्तियों की गिरफ्तारी क्यों हुई जबकि कथित तौर पर भूमिका निभाने वाले सरकारी अधिकारियों के खिलाफ अब तक कोई समान कार्रवाई नहीं की गई। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि मामले को करीब आठ महीने बीत चुके हैं लेकिन कथित भ्रष्टाचार से जुड़े किसी भी सरकारी कर्मचारी या अधिकारी की गिरफ्तारी नहीं हुई। कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि जिन अधिकारियों पर अपने आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान भूमिका निभाने का आरोप है, वे अब भी सेवा में बने हुए हैं जबकि निजी व्यक्तियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। अदालत की इन टिप्पणियों ने जांच की निष्पक्षता और उसके दायरे को लेकर महत्वपूर्ण प्रश्न खड़े कर दिए।

संक्षिप्त समाचार

पाथरडीह कोल वाशरी में वेल्डिंग मशीन फटी

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिले के पाथरडीह कोल वाशरी में गुरुवार को मेंटेनेंस कार्य के दौरान एक वेल्डिंग मशीन फटने से तीन मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। इस घटना के बाद वाशरी परिसर में हड़कंप मच गया। घायलों में जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के डिगवाडीह दस नंबर निवासी अमर महतो और सुदामडीह निवासी दिलीप यादव शामिल हैं। तीसरे मजदूर की पहचान अभी नहीं हो पाई है। तीनों मजदूर आउटसोर्स एजेंसी आरके कंस्ट्रक्शन के लिए पाथरडीह कोल वाशरी में मेंटेनेंस का काम कर रहे थे।

सर्पदंश से गयी महिला की जान

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बैरा बस्ती दुग्ध में सांप के काटने से 65 वर्षीय विधि देवी की मृत्यु हो गई। यह घटना गुरुवार सुबह उस समय हुई जब वह खेत से घर लौट रही थीं। परिजन विनोद टुडू के अनुसार विधि देवी सुबह खेत की ओर गई थीं। खेत के आसपास जंगली इलाका है। घर लौटते समय उनके पैर में सांप ने काट लिया। शुरुआत में उन्हें लगा कि किसी लकड़ी से चोट लगी है इसलिए वे सांप के काटने का पता नहीं लगा पाईं।

दो बाइकों की टक्कर में युवक की मौत

जामताड़ा(नबिटा ब्यूरो)। जामताड़ा-मिहिजाम मुख्य मार्ग पर बेवा फाटक के पास गुरुवार को दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को जामताड़ा सदर अस्पताल पहुंचाया। बताया जाता है कि मिहिजाम थाना क्षेत्र के गौराईनाला गांव निवासी उत्पल मंडल जामताड़ा से अपने घर लौट रहे थे तभी हादसे का शिकार हो गये। सदर अस्पताल में डॉ अताउल ने उनका उपचार शुरू किया लेकिन इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में चार दोषियों को उम्रकैद

भभुआ(नबिटा ब्यूरो)। कैमूर जिला व्यवहार न्यायालय के एडीजे षष्टम सह पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रमोद कुमार पांडेय की अदालत ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने 16 वर्षीय छात्रा के अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म के मामले में चार अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही प्रत्येक दोषी पर 46-46 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। सजा पाने वाले अभियुक्तों में चैनपुर थाना क्षेत्र के मोती कुमार मूर्ति, मोहन कुमार, सुखु बिंद और विकास कुमार शामिल हैं।

11वीं-13वीं जेपीएससी और फूड सेफ्टी परीक्षा रद्द करने पर रोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 11वीं-13वीं परीक्षा को सरकार की ओर से रद्द किए जाने के मामले पर गुरुवार को हाई कोर्ट में सुनवाई की गई। हाई कोर्ट में सौरभ सिंह और सोनम कुमारी की ओर से सरकार के फ़ैसले के विरुद्ध याचिका दायर की गई थी। जस्टिस दीपक रोशन की बेंच ने याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार की ओर से 11वीं से 13वीं और फूड सेफ़्टी ऑफिसर परीक्षा को रद्द करने के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने सरकार से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि अगर जेपरएससी की परीक्षा देने के बाद 70 प्रतिशत लोग भी अगर गलत तरीके से आए हैं तो भी सरकार उन्हें नहीं निकाल सकती। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने इस मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 11वीं से 13वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रतियोगिता परीक्षा रद्द होने से सेवामुक्त हुईं डिप्टी कलेक्टर सोनम कुमारी (हजारीबाग जिले में पदस्थापित थीं) ने झारखंड सरकार की अधिसूचना को चुनौती दी है। उनकी ओर से अधिवक्ता ने झारखंड हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की। याचिका में कहा गया है कि जेपीएससी की विज्ञापन संख्या-01/2024 को राज्य सरकार ने मेमो नंबर 5404/18।8।2026 के माध्यम से रद्द कर दिया है। 11वीं से 13वीं जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा प्रतियोगिता परीक्षा में चयनित होने के बाद उन्होंने बिहार के गया जिले में शिक्षक की नौकरी छोड़ कर झारखंड में योगदान दिया था। चयन होने के बाद राज्य सरकार ने उनकी नियुक्ति की। उन्हें 24 नवंबर 2025 को नियुक्ति पत्र मिला था। उन्होंने डिप्टी कलेक्टर पद पर योगदान दिया था और अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही थीं। प्रार्थी सोनम कुमारी ने हाईकोर्ट से राज्य सरकार की अधिसूचना को निरस्त करने की मांग की है। राज्य सरकार द्वारा जेपीएससी 11वीं, 12वीं व 13वीं सिविल सेवा परीक्षा रद्द करने के कारण इन परीक्षाओं से नियुक्त हुए करीब 200 उप समाहर्ताओं की ट्रेनिंग बीच में ही रुक गयी है। हाल ही में श्रीकृष्ण लोक प्रशासन प्रशिक्षण संस्थान से ट्रेनिंग लेकर उन्हें जिलों में प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था। अभी वे जिलों में प्रोबेशन पीरियड में हैं। उनकी परीक्षा रद्द कर दिये जाने के बाद तकनीकी रूप से उनकी नौकरी चली गयी है। ऐसे में सारे उप समाहर्ता संशय की स्थिति में हैं। वे रांची पहुंचने लगे हैं। उधर देवघर स्थित बाबा धाम में विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए इनमें से 40 प्रोबेशन उप समाहर्ताओं को प्रतिनियुक्त किया गया था। इसके साथ ही दुमका जिला स्थित बासुकीनाथ में 23 प्रोबेशन उप समाहर्ताओं को दंडाधिकारी बनाया गया था। अब क्योंकि सभी सेवा में नहीं रहे, इसलिए उन्हें ड्यूटी से हटा दिया गया है।

जमीन के नाम पर दो करोड़ की ठगी का आरोप

पूर्व जेएससीए अध्यक्ष अमिताभ चौधरी के बेटे ने दर्ज कराई प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। पूर्व आईपीएस अधिकारी और झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के पूर्व अध्यक्ष अमिताभ चौधरी के बेटे अभिषेक चौधरी ने जमीन के नाम पर करीब दो करोड़ रुपये की कथित ठगी का आरोप लगाते हुए हिंदपीढ़ी थाने में पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। एफआईआर में शाहनवाज शेख, उनके भाई आफताब शेख और सफदर शेख तथा बहन तबस्सुम इसरार और शबनम शेख को आरोपी बनाया गया है। अभिषेक चौधरी के मुताबिक वर्ष 2021 में हिंदपीढ़ी के शेख मेंशन निवासी शाहनवाज शेख और उनके भाई-बहनों ने अमिताभ चौधरी के सामने खलारी और चान्हो अंचल के केदल एवं रामदगा गांव में स्थित 736 डिसमिल जमीन बेचने का प्रस्ताव रखा था। जमीन की कीमत 20 हजार रुपये प्रति डिसमिल बताई गई थी। एफआईआर के अनुसार अमिताभ चौधरी ने जमीन खरीदने के लिए कई किस्तों में करीब दो करोड़ रुपये दिए थे। यह रकम दरभंगा और मधुबनी स्थित उनकी पैतृक करीब 150 कट्ठा जमीन बेचकर जुटाई गई थी। आरोप है कि शाहनवाज शेख ने 9 सितंबर 2021 को अमिताभ चौधरी के ई-मेल पर जमीन का एकरारनामा भी भेजा था। इसके बाद अंतिम किस्त के तौर पर 21 लाख रुपये का चेक 20 जुलाई 2022 को दिया गया। अभिषेक के अनुसार इसके कुछ दिनों बाद 28 अगस्त को जब उन्होंने शाहनवाज शेख से मुलाकात की तो उन्होंने जमीन का सौदा 25 हजार रुपये प्रति डिसमिल तय होने की बात कही और करीब 1.32 करोड़ रुपये प्राप्त करने की बात स्वीकार की। अभिषेक का आरोप है कि रकम वापस मांगने पर शाहनवाज शेख लगातार टाल-मटोल करने लगे। बाद में जमीन की कीमत 50 हजार रुपये प्रति डिसमिल बताते हुए कथित तौर पर एक करोड़ रुपये और मांगने लगे। 17 अगस्त 2023 को दोबारा मुलाकात के दौरान शाहनवाज ने जमीन बैंक के पास गिरवी रखे जाने की बात बताई। अब इस मामले में हिंदपीढ़ी थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बोकारो स्टील सिटी में एक फ्लैट से मां-बेटे का शव बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। बीएस सिटी थाना क्षेत्र के कोऑपरेटिव कॉलोनी स्थित आवास संख्या 67 में आज देर शाम मां और बेटे का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घर से दुर्गंध आने के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घर की जांच की। पुलिस ने ग्राउंड फ्लोर के बाथरूम से महिला अनीता देवी का सड़ा-गला शव बरामद किया जबकि पहली मंजिल से उनके बेटे नीतेश का शव मिला। दोनों की मौत की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस ने एफएसएल की टीम को सूचना दे दी है, एफएसएल टीम आने के बाद जांच से मौत के कारणों का खुलासा की संभावना है। जानकारी के मुताबिक मां-बेटे का किसी

से ज्यादा संपर्क नहीं था। सिटी डीएसपी राजीव रंजन ने बताया कि महिला का शव पूरी तरह डीकंपोज हो चुका है और प्रथम दृष्टया गिरने से मौत होने की आशंका है। वहीं, बेटे के शव पर किसी तरह के जख्म के निशान नहीं मिले हैं। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम और आगे की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

विधानसभा की याचिका समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। विधानसभा की याचिका समिति की बैठक गुरूवार को परिसदन भवन के सभागार में समिति के सदस्य सह बगोदर विधायक नागेन्द्र महतो व मांडू विधायक निर्मल महतो की अध्यक्षता में हुई। बैठक के दौरान समिति के सदस्यों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित याचिकाकर्ताओं की शिकायतों व मामलों की जानकारी ली। समिति ने स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास, पशुपालन, मत्स्य, विद्युत, भवन प्रमंडल, पेयजल एवं स्वच्छता, राजस्व, खनन, कृषि, आपूर्ति सहित अन्य विभागों अंतर्गत संचालित सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने समीक्षा के दौरान सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन का निर्देश पदाधिकारियों को दिया। समीक्षा बैठक में जिला स्तरीय पदाधिकारियों से उनके अपने विभागों की जानकारी ली। समिति ने योजनाओं के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन, आमजन से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता तथा समयबद्ध निष्पादन पर विशेष जोर दिया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने समिति को जिले में संचालित

विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा सुशासन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी विभागों द्वारा नियमानुसार कार्य किया जा रहा है। समिति के सदस्यों ने सभी मामलों में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रवेश अग्रवाल, उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, आईटीडीए निदेशक सरोजिनी तिर्की, अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो, डीएलओ, अनुमंडल पदाधिकारी दिनेश कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, महुआडां, जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रवण राम, जिला खनन पदाधिकारी नदीम सफी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

केंद्रीय टीम ने एचइसी के तीनों प्लांट का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। भारी वित्तीय संकट से जूझ रहे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) के पुनरुद्धार को लेकर केंद्र सरकार की सक्रियता बढ़ती दिख रही है। एचईसी को फिर से पटरी पर लाने के लिए छह सदस्यीय संसदीय समिति की टीम रांची पहुंची है। टीम ने गुरुवार को एचईसी के तीनों प्लांटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कंपनी की उत्पादन क्षमता, मशीनरी, कार्यप्रणाली और मौजूदा स्थिति का जायजा लिया गया। केंद्रीय टीम के निरीक्षण को एचईसी के रिवाइवल की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। टीम के निरीक्षण के बाद सरकार के साथ बैठक भी प्रस्तावित है। इस बैठक में एचईसी की वर्तमान स्थिति और कंपनी को आर्थिक संकट से बाहर निकालने के उपायों पर

चर्चा होगी। साथ ही एचईसी में उत्पादन को दोबारा गति देने, लंबित ऑर्डर पूरे करने और कंपनी को आवश्यक कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराने जैसे मुद्दों पर भी विचार किए जाने की संभावना है। भारतीय मजदूर संघ से जुड़े रमाशंकर प्रसाद ने कहा कि केंद्रीय टीम एचईसी के तीनों प्लांट का निरीक्षण कर रही है। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के बाद सरकार के साथ एक बैठक भी होगी। इस बैठक में एचईसी से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। श्रमिक संगठनों को उम्मीद है कि निरीक्षण और बैठक के बाद एचईसी के पुनरुद्धार को लेकर ठोस पहल सामने आएगी। एचईसी के पुनरुद्धार के लिए करीब 500 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी उपलब्ध कराने की मांग भी प्रमुखता से उठाई जा रही है। श्रमिक संगठनों का कहना है कि बैंक गारंटी मिलने से एचईसी को कच्चा माल खरीदने, उत्पादन चक्र शुरू करने और बड़े ऑर्डर समय पर पूरा करने में मदद मिल सकती है। लंबे समय से आर्थिक संकट के कारण कंपनी की कार्यशील पूंजी प्रभावित हुई है, जिसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ा है। श्रमिक संगठनों के मुताबिक वर्ष 2017 से एचईसी के लिए बैंक गारंटी की सुविधा बंद है। इसके कारण कंपनी को कामकाजी पूंजी जुटाने और बड़े ऑर्डर हासिल करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संगठनों का कहना है कि केवल पुरानी देनदारियों के भुगतान में सहायता करने से एचईसी का स्थायी पुनरुद्धार संभव नहीं होगा। कंपनी को उत्पादन शुरू करने के लिए पर्याप्त कार्यशील पूंजी की जरूरत है।

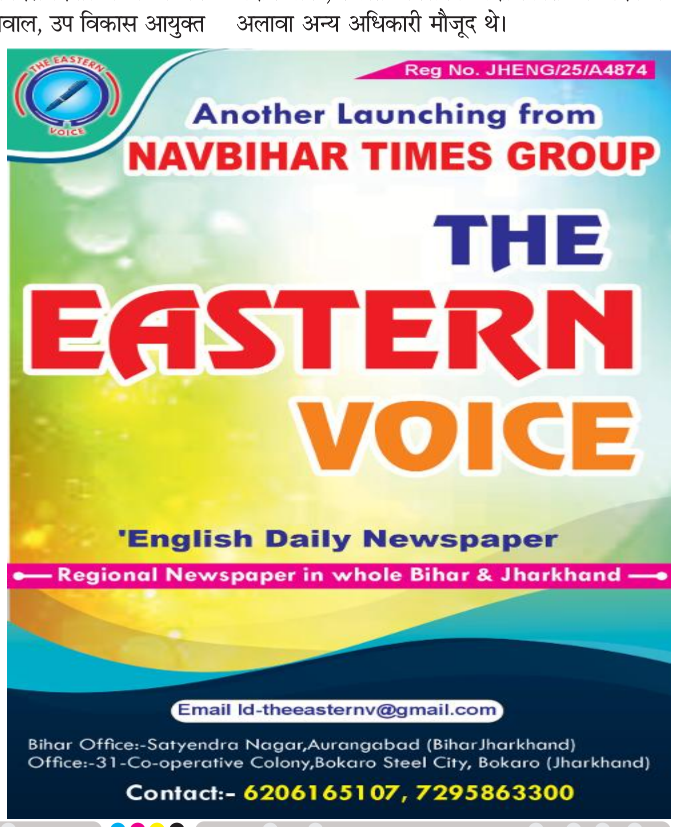

CMYK

उपायुक्त की अध्यक्षता में बिजली विभाग की समीक्षा बैठक

बिजली आपूर्ति में सुधार, झुके बिजली पोलों को दुरुस्त करने एवं ट्रांसफार्मर लोड असेसमेंट का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । उपायुक्त श्री हेमंत सती की अध्यक्षता में बिजली विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में विद्युत आपूर्ति की वर्तमान स्थिति, ट्रांसमिशन लाइन, स्मार्ट मीटर अधिष्ठापन, ग्रामीण विद्युतीकरण, ट्रांसफार्मर एवं बिजली व्यवस्था से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिले में वर्तमान में कम बिजली आपूर्ति होने के संबंध में उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करते हुए इसके कारणों की जानकारी ली तथा विद्युत आपूर्ति में सुधार के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि रात के समय विद्युत आपूर्ति बाधित होने से कई क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट नहीं जल पाती हैं, जिससे अंधेरा रहने के कारण

दुर्घटना एवं अन्य समस्याओं की संभावना बनी रहती है। उन्होंने विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने जिले में नए ट्रांसमिशन लाइन के कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। साथ ही मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आच्छादन की प्रगति की भी समीक्षा की। स्मार्ट मीटर के अधिष्ठापन की समीक्षा के क्रम में कार्यपालक अभियंता, विद्युत विभाग द्वारा बताया गया कि जिले में लगभग 60 प्रतिशत घरों में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा शेष घरों में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य प्रगति पर है। उपायुक्त ने शेष कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में नए ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता एवं अधिष्ठापन की स्थिति की भी जानकारी ली गई। उपायुक्त ने कहा कि सड़क किनारे कई स्थानों पर बिजली के पोल झुके हुए हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। उन्होंने ऐसे सभी पोलों का तत्काल निरीक्षण कर उन्हें दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने ट्रांसफार्मरों के लोड असेसमेंट को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि इससे ट्रांसफार्मरों पर पड़ने वाले अतिरिक्त भार की पहचान की जा सकेगी और ट्रांसफार्मर बर्निंग रेशियो को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने आवश्यकतानुसार ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने एवं उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने को कहा। हजारीबाग-बरही रोड पर ट्रांसमिशन लाइन बिछाने के क्रम में वन्यजीव अभ्यारण्य क्षेत्र में पड़ने वाले पेड़ों की छंटाई के लिए आवश्यक अनापत्ति प्राप्त करने हेतु उपायुक्त ने डीएफओ, वाइल्ड लाइफ से पत्राचार एवं आवश्यक वार्ता करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। उपायुक्त ने बरसात के दौरान विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए नियमित रूप से विद्युत लाइनों, पोलों, ट्रांसफार्मरों एवं अन्य उपकरणों का निरीक्षण करने तथा खराबी की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने आगामी रामनवमी पर्व से पूर्व एबी केबलिंग का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती रिया सिंह, सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्री आदित्य पांडेय एवं विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारी एवं अभियंता उपस्थित रहे।

हजारीबाग यूथ विंग ने 275 शिवभक्तों के बीच बांटे रेनकोट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। सावन के पावन महीने में बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर की ओर आस्था और भक्ति के साथ प्रस्थान कर रहे शिवभक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हजारीबाग यूथ विंग ने सराहनीय सेवा अभियान चलाया। संस्था की ओर से भारत माता चौक एवं बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर में 275 शिवभक्तों के शिवभक्त आस्था, विश्वास और संकल्प के साथ लंबी यात्रा पर निकलते हैं। ऐसे समय में उनकी जरूरत को समझते हुए सहयोग के लिए आगे बढ़ना संस्था का सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि ह्लजहां जरूरत दिखे, वहां सहयोग के लिए आगे बढ़ना ही हमारी संस्था की पहचान और सेवा का संकल्प है। उन्होंने बताया कि

बीच रेनकोट का वितरण किया गया। बारिश के मौसम में कांवड़ यात्रा पर निकल रहे श्रद्धालुओं को मौसम की परेशानी से बचाने और उनकी यात्रा को सुगम बनाने के उद्देश्य से संस्था के सदस्यों ने यह पहल की। इस दौरान हर-हर महादेव और ॐ नमः शिवाय के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। रेनकोट मिलने पर शिवभक्तों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संस्था के सेवा कार्य की सराहना की। संस्था के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन ने कहा कि सावन के पवित्र महीने में बाबा भोलेनाथ के भक्तों की सेवा करने का अवसर मिलना अपने आप में सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि, ह्लशिवभक्तों की यात्रा में थोड़ी भी सुविधा दे पाना हमारे लिए केवल सेवा नहीं, बल्कि बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद है। वहीं संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग का प्रयास केवल एक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचाना संस्था की निरंतर कार्यशैली का हिस्सा है। आने वाले समय में भी सेवा, मानवता और समाजहित से जुड़े कार्यों को पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। रेनकोट प्राप्त करने वाले श्रद्धालुओं ने हजारीबाग यूथ विंग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बारिश के बीच देवघर की यात्रा के दौरान संस्था की ओर से मिला यह सहयोग उनके लिए काफी उपयोगी और राहत देने वाला है। मौके पर संस्था के उपाध्यक्ष विकास तिवारी, सचिव रितेश खंडेलवाल, सह सचिव अभिषेक पांडेय, संस्था के मार्गदर्शक जयप्रकाश खंडेलवाल, कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद ताजुद्दीन, प्रणीत जैन सहित कई लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बेंगाबाद में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान यातायात नियमों के पालन की अपील

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बेंगाबाद में गुरुवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान लोगों को ट्रैफिक नियमों रोड मार्किंग संकेत बोर्ड और नियमों का उल्लंघन करने पर होने वाली कार्रवाई की जानकारी दी गई लोगों को सरकार की गुड समैरिटन योजना तथा सड़क दुर्घटना में पीड़ित परिवारों को मिलने वाले मुआवजे के संबंध में भी जानकारी दी गई अभियान में लोगों से अपील की गई कि वे अपने घर विद्यालय गांव और समाज से यातायात नियमों के पालन की शुरूआत करें जागरूकता कार्यक्रम में तेज रफ्तार नशे का सेवन कर वाहन चलाना हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना तथा यातायात नियमों का उल्लंघन दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण बताए गए लोगों से नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने और दूसरों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की अपील की गई अभियान के दौरान लोगों को छोटी छोटी जिम्मेदारियां निभाकर सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में सहयोग देने के लिए प्रेरित किया गया।

वीणा स्वीट्स का उद्घाटन

दारू/हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। हजारीबाग जिले के दारू प्रखंड अंतर्गत झुमरा बाजार में गुरुवार को नवीन प्रतिष्ठान वीणा स्वीट्स का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतिष्ठान का उद्घाटन हजारीबाग के पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष ब्रजकिशोर जायसवाल उर्फ.बादल बाबू ने व्हीलचेयर पर बैठकर फीता काटकर किया। यह प्रतिष्ठान उनके सेवक निरंजन साव के सुपुत्र गोपाल कुमार साव द्वारा शुरू किया गया है। उद्घाटन से पूर्व प्रतिष्ठान पहुंचे पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष ब्रजकिशोर जायसवाल, हजारीबाग

लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि रंजन चौधरी एवं दारू प्रखंड के सांसद प्रतिनिधि बलदेव बाबू का स्थानीय लोगों ने फूल-माला पहनाकर गर्मजोशी से अभिनंदन किया। ह्यवीणा स्वीट्सह्न में ग्राहकों के लिए मिठाइयों की विभिन्न किस्मों के साथ स्नैक्स, साउथ इंडियन, चाइनीज एवं इंडियन फूड की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। ऐसे में यह प्रतिष्ठान झुमरा बाजार एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए स्वादिष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण खान-पान का एक नया विकल्प बनेगा। इस अवसर पर ब्रजकिशोर जायसवाल ने कहा कि झुमरा बाजार हजारीबाग जिले का ही नहीं बल्कि जिले से बाहर भी अपने बड़े ग्रामीण हटिया बाजार के लिए प्रसिद्ध है। ऐसे महत्वपूर्ण बाजार में उन्नत गुणवत्ता वाली मिठाइयों, स्नैक्स एवं विभिन्न प्रकार के भोजन का प्रतिष्ठान शुरू होना निश्चित रूप से अच्छी पहल है। उन्होंने प्रतिष्ठान के संचालक गोपाल कुमार साव को शुभकामनाएं देते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उद्घाटन समारोह में विशेष रूप से सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, दारू प्रखंड सांसद प्रतिनिधि बलदेव बाबू, स्थानीय जिला परिषद सदस्य गीता देवी, कांग्रेस नेता देवकुमार राज, भाजपा नेता विनोद राणा, समाजसेवी सोनू साव सहित संचालक परिवार के सदस्य एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

तीन दुकानों में लगी भीषण आग, 25 लाख के नुकसान का अनुमान

आजमनगर/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के चौलहर पंचायत के पैकवाहन चौक स्थित कपड़ा, कॉस्मेटिक एवं इलेक्ट्रॉनिक की दुकानों में बुधवार की मध्य रात्रि अचानक आग लगने से भारी नुकसान हुआ है । आग की चपेट में आने से तीन दुकानें जलकर पूरी तरह राख हो गईं। घटना के बाद इलाके में अफरा-

तफरी का माहौल बन गया। पीड़ित दुकानदारों के अनुसार अगलगी में करीब 25 लाख रुपये की संपत्ति के नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। आग की चपेट में मनोवर आलम की कपड़े की दुकान, शाहनवाज की कॉस्मेटिक की दुकान तथा अनवर की पंखे एवं इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकान आ गई। दुकानों में रखा कपड़ा, कॉस्मेटिक सामान, पंखे, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सहित अन्य सामग्री जलकर नष्ट हो गई। आग कैसे लगी, इसका स्पष्ट कारण अब तक सामने नहीं आया है। आग लगने की जानकारी दमकल बारसोई को दे दी गई, लेकिन देर से दमकल पहुंचने से दुकान के पूरे सामान जलकर राख हो गया। वहीं ग्रामीणों ने आजमनगर मुख्यालय में दमकल देने की मांग जिला प्रशासन से कर रहे हैं। मरबतपुर पंचायत के पूर्व मुखिया मोहम्मद मुजम्मिल ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में करीब 12 बजे एक युवक दिखाई दे रहा है, जिसके हाथ में डिब्बेनुमा कुछ सामान नजर आ रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि संभव है इसी युवक द्वारा आग लगाई गई हो। हालांकि आगजनी की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। इस संबंध में अंचलाधिकारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि सरकारी प्रावधान के अनुसार आवासीय घर में आग लगने पर सहायता राशि दी जाती है, जबकि दुकान जलने की स्थिति में मुआवजे का प्रावधान नहीं है।

उपायुक्त ने निर्माण कार्यों में तेजी और योजनाओं में शत-प्रतिशत उपलब्धि के दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने को लेकर गुरुवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक हुई बैठक में पीएम अभिम 15वें वित्त आयोग अस्पताल प्रबंधन स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण सहित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई उपायुक्त ने निमार्णाधीन सीएचसी एचएससी एवं अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के कार्यों में तेजी लाने तथा गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित स्थल

निरीक्षण कर कार्यों की निगरानी करने और अनावश्यक देरी पर जिम्मेदारी तय करने को कहा अस्पतालों में चिकित्सकों की उपस्थिति पर जोर उपायुक्त ने सभी अस्पतालों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया मरीजों को समय पर उपचार, जांच और दवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही को गंभीरता से लेने की बात कही बैठक में नियमित टीकाकरण एएनसी रजिस्ट्रेशन संस्थागत प्रसव टीबी उन्मूलन ई संजीवनी और एनीमिया मुक्त भारत अभियान की भी समीक्षा हुई उपायुक्त ने कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे यह सुनिश्चित करने तथा टीबी मरीजों की पहचान उपचार और फॉलोअप को प्रभावी बनाने का निर्देश दिया उन्होंने कहा कि सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है इसके लिए सभी स्वास्थ्य पदाधिकारी और कर्मी जवाबदेही एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

22 और 23 को सभी मतदान केंद्रों पर लगेगा विशेष कैंप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत जिले के सभी मतदान केंद्रों पर 22 और 23 अगस्त को द्वितीय विशेष कैंप आयोजित किया जाएगा कैंप में आम नागरिक प्रारूप मतदाता सूची में अपने नाम पता एवं अन्य विवरणों का सत्यापन कर सकेंगे तथा जरूरत पड़ने पर दावा एवं आपत्ति दर्ज करा सकेंगे जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर आयोजित इस कैंप को लेकर प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 5 अगस्त को हो चुका है और दावा-आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित है। उपायुक्त ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे अपने संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदाता सूची की जांच जरूर करे पात्र व्यक्ति का नाम सूची में नहीं होने या किसी विवरण में त्रुटि पाए जाने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा प्रस्तुत किया जा सकता है वहीं मृत अथवा अपात्र व्यक्ति के नाम जैसी गलत प्रविष्टियों के संबंध में आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है विशेष कैंप के दौरान सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं संबंधित कर्मी मौजूद रहेंगे और नागरिकों को दावा आपत्ति दर्ज कराने में आवश्यक सहयोग देंगे प्रशासन ने युवा नए एवं महिला मतदाताओं सहित सभी पात्र नागरिकों से इस अभियान का लाभ उठाने की अपील की है।

आईआईडब्लू वाईस प्रेसिडेंट सरिता लुनानी ने दिया नेतृत्व का मंत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन द्वारा होटल अशोका इंटरनेशनल में लीडरशिप बियॉन्ड बौडारीज लीडस् विथ हार्ट विषय पर प्रेरणादायी सत्र का आयोजन किया गया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं वक्ता आईआईडब्लू वाईस प्रेसिडेंट सरिता लुनानी जी थीं विशिष्ट अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन प्रियंका कुमार एवं पास्ट एसोसिएशन ट्रेअसुरेर डॉ. नीना कुमार उपस्थित रही सरिता लुनानी का स्वागत शंखनाद एवं झारखंडी लोकनृत्य के साथ किया गया मंच एवं सभागार की सजावट झारखंड की कला संस्कृति पर आधारित थी कार्यक्रम का शुभारंभ सरिता लुनानी जी सहित विशिष्ट

अतिथियों पीडीसी पूनम सहाय अध्यक्ष राखी झुनझुनवाला सचिव संगीता सिन्हा एवं शिवप्रकाश बगड़िया ने दीप प्रज्वलित कर किया आईएसओ नमिता जमवार ने इनर व्हील प्रार्थना तथा संगीता सिन्हा एवं अमिता छाबड़ा ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया सरिता लुनानी ने प्रभावशाली पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से नेतृत्व के गुणों और एक सच्चे लीडर द्वारा अपनी टीम को साथ लेकर आगे बढ़ने के तरीकों को बेहद सहज रोचक एवं प्रेरक ढंग से समझाया उपस्थित चिकित्सक रोटरी सदस्य प्राचार्य अधिवक्ता व्यवसायी एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उनकी प्रस्तुति से बेहद प्रभावित हुए डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन प्रियंका कुमार एवं पास्ट एसोसिएशन ट्रेअसुरेर डॉ. नीना कुमार ने सरिता लुनानी के व्यक्तित्व उनकी उल्लेखनीय कार्ययात्रा नेतृत्व क्षमता एवं इनर व्हील के प्रति समर्पण पर प्रकाश डाला क्लब सदस्य विभूति रंजना संगीता सिन्ह दीप्ति सिन्हा एवं नमिता जमवार ने नेतृत्व पर संदेशपूर्ण स्किट प्रस्तुत की कार्यक्रम का मंच संचालन सीजीआर सोनाली तारवे ने किया इस अवसर पर आईआईडब्लू वाईस प्रेसिडेंट सरिता लुनानी के माध्यम से क्लब के दो सेवा प्रोजेक्ट कराए गए एक विद्यालय के लिए शुद्ध एवं ठंडे पेयजल की सुविधा हेतु वाटर कूलर फिल्टर प्रोजेक्ट तथा पाँच जरूरतमंद महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने हेतु सिलाई मशीन प्रोजेक्ट अध्यक्ष राखी झुनझुनवाला ने कार्यक्रम की सफलता का श्रेय क्लब के प्रत्येक सदस्य को देते हुए पीडीसी पूनम सहाय के विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया ।

राजीव गांधी की 82वीं जयंती पर कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला कांग्रेस कार्यालय में गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की 82वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई कार्यक्रम की शुरूआत कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ की इस दौरान राजीव तेरा यह बलिदान याद रखेगा हिंदुस्तान और जब तक सूरज चांद रहेगा राजीव तेरा नाम रहेगा जैसे नारों से उन्हें याद किया गया कार्यक्रम में वक्ताओं ने राजीव गांधी के जीवन और उनके कार्यकाल पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज तकनीकी रूप से उन्नत भारत की नींव मजबूत करने में राजीव गांधी की महत्वपूर्ण

भूमिका रही। वे स्वयं तकनीकी सोच रखने वाले व्यक्ति थे और देश के विकास में तकनीक के महत्व को भली-भांति समझते थे वक्ताओं ने उनके कार्यकाल को देश के लिए स्वर्णिम दौर बताते हुए कहा कि उन्होंने युवाओं को आगे लाने के साथ लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी के कार्यकाल में युवाओं को 18 वर्ष की उम्र में मताधिकार देकर उन्हें देश की सरकार चुनने में भागीदारी का अधिकार दिया गया। पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने और सत्ता के विकेंद्रीकरण की दिशा में भी उन्होंने महत्वपूर्ण पहल की पड़ोसी देशों में संकट के समय भारत ने उनके कार्यकाल में एक बड़े भाई की भूमिका निभाई।

तुलसी सप्ताह समारोह के अंतर्गत व्याख्यानमाला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित तुलसी सप्ताह समारोह के अंतर्गत व्याख्यानमाला की पहली कड़ी का आयोजन गुरुवार को हिंदी विभाग में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में के. बी. महिला महाविद्यालय के हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रमिला गुप्ता ने अपना सारगर्भित एवं विचारोत्तेजक वक्तव्य प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में डॉ. प्रमिला गुप्ता ने रामकथा के विविध प्रसंगों के माध्यम से व्यक्ति-निर्माण और जीवन-मूल्यों की प्रेरणा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने वाल्मीकि, कालिदास और भवभूति

की रामकथा-परंपरा में गोस्वामी तुलसीदास के विशिष्ट योगदान को रेखांकित करते हुए रामकथा के विकास-क्रम पर चर्चा की। साथ ही, उन्होंने परवर्ती कवियों, विशेषकर मैथिलीशरण गुप्त, के रामकथा-विषयक साहित्यिक योगदान को भी रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध सिंह शिवगीत ने कहा कि जिस प्रकार हंस नीर-क्षीर का विवेक करता है, उसी प्रकार हमें तुलसीदास और उनके रामचरितमानस से जीवन के लिए उपयोगी एवं सकारात्मक तत्वों को ग्रहण करना चाहिए। उन्होंने तुलसीदास के व्यापक साहित्यिक अवदान और उनकी रचनात्मक दृष्टि पर भी प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा कि यह क्रम इसी प्रकार 25 अगस्त तक चलेगा जिसमें अगल अलग विद्वान तुलसीदास के साहित्यिक अवदान पर अपने विचार रखेंगे।

कटकमसांडी कांड में वर्षों से फरार टीपीसी एरिया कमांडर समेत दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । हजारीबाग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कटकमसांडी थाना कांड संख्या-177/19 में वर्षों से फरार चल रहे टीपीसी के एरिया कमांडर सहित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में बलवंत जी उर्फ छोटू कुमार, जो टीपीसी का एरिया कमांडर बताया जाता है, तथा गिरेन्द्र शामिल हैं। यह मामला कटकमसांडी थाना क्षेत्र के रेलवे साइडिंग में आगजनी तथा हाइवा वाहन में आग लगाने की घटना से संबंधित है। वादी शिव प्रसाद के फर्दबयान के आधार पर कटकमसांडी थाना कांड संख्या-177/19 दर्ज किया गया था। इस मामले में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं एवं सीएलए एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। पुलिस के अनुसार, कांड के अनुसंधान के

क्रम में पूर्व में भी निशांत, कपिल और अविनाश सहित कई अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका था। वहीं, बलवंत जी उर्फ छोटू कुमार और गिरेन्द्र लंबे समय से फरार चल रहे थे। फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक, मुख्यालय के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने बीती रात कार्रवाई करते हुए दोनों फरार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार बलवंत जी उर्फ छोटू कुमार, पिता ननकू यादव, चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत पचमू गांव का निवासी है। पुलिस के अनुसार, उसके विरुद्ध चतरा एवं आसपास के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, रंगदारी, लूट, डकैती, आगजनी, आर्म्स एक्ट, सीएलए एक्ट और यूएपीए एक्ट सहित कई गंभीर मामलों में प्राथमिकी दर्ज है। वहीं गिरफ्तार गिरेन्द्र, पिता लालधारी साह, चतरा जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र अंतर्गत दुआरी गांव का निवासी है। उसके विरुद्ध भी टंडवा, चतरा सदर और गिद्धौर थाना में डकैती, मारपीट, सरकारी कार्य में बाधा, खनिज नियमों के उल्लंघन तथा अन्य मामलों में कांड दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। इस कार्रवाई को कटकमसांडी थाना प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक अनुपम प्रकाश, पुलिस अवर निरीक्षक बिरजा कुजूर, आरक्षी राम स्वरूप दांगी, आरक्षी थानेश्वर रविदास तथा चालक नंदलाल कुमार ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया।

ओठ-तालू कटे मरीजों के लिए निःशुल्क मेडिकल कैंप, 15 मरीजों का पंजीकरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । ओठ एवं तालू कटे मरीजों के निःशुल्क इलाज के लिए एकता परिषद रांची के तत्वावधान में चलाए जा रहे मिशन के तहत गुरुवार को वि. सिटी हॉस्पिटल नया पुल सिहोडीह गिरिडीह में मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया कैंप में कुल 15 मरीजों की जांच की गई और ऑपरेशन के लिए सभी मरीजों का पंजीकरण किया गया मरीजों का ऑपरेशन वर्धमान स्थित ऑपरेशन स्माइल केयर हॉस्पिटल में पूरी तरह निःशुल्क किया जाएगा संस्था का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों एवं मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराकर उन्हें सामान्य जीवन जीने में मदद करना है मौके पर वि. सिटी हॉस्पिटल के एमडी डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि ओठ या तालू कटे होने की समस्या से पीड़ित मरीज किसी भी दिन अस्पताल से संपर्क कर सकते हैं समय पर पंजीकरण और उपचार से मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है। उन्होंने बताया कि वि. सिटी हॉस्पिटल की ओर से समय समय पर इस तरह के निःशुल्क मेडिकल कैंप आयोजित किए जाते हैं जिससे गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को काफी राहत मिलती है वहीं एकता परिषद के संयोजक रामप्रवेश जी ने कहा कि उनकी संस्था हमेशा गरीब और जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए प्रयासरत रही है ऐसे मरीजों को निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराने की दिशा में संस्था लगातार काम कर रही है और भविष्य में भी इसी तरह सहयोग जारी रहेगा कैंप के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क ऑपरेशन की सुविधा मिलने से उनके परिवारों में खुशी का माहौल है।

एक नजर

श्रावणी मेला से चमकी किसानों की किस्मत

देवघर। श्रावणी मेला सिर्फ श्रद्धालुओं और शहर के छोटे-बड़े कारोबारियों के लिए ही कमाई का अवसर लेकर नहीं आया, बल्कि देवघर के ग्रामीण इलाकों के किसानों की आमदनी भी इससे बढ़ी है। बाबा बैद्यनाथ मंदिर और बासुकीनाथ मंदिर में फूलों की बढ़ती मांग ने आसपास के गांवों में फूलों की खेती को कुटीर उद्योग का रूप देना शुरू कर दिया है। रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से फूलों की खपत बढ़ी है, जिसका सीधा लाभ स्थानीय किसानों को मिल रहा है। देवघर जिले के मोहनपुर प्रखंड के कनिया पोखर, मल्हारा और जरिया समेत कई गांवों में सैकड़ों किसान फूलों की खेती कर रहे हैं। इन गांवों के किसान खेतों में फूल उगाने के साथ-साथ घर पर ही छोटे-छोटे फूलों की माला तैयार कर बाजार में बेच रहे हैं। इससे किसानों को खेती के साथ माला बिक्री से भी अतिरिक्त आमदनी हो रही है। किसान प्रमोद पुजहर बताते हैं कि श्रावणी मेला के दौरान फूलों की मांग काफी बढ़ जाती है। ऐसे में किसान परिवार के साथ मिलकर फूलों की खेती कर रहे हैं और तैयार फूलों से माला बनाकर बाजार में बेच रहे हैं। इससे उन्हें अच्छी आमदनी हो रही है। दरअसल, बाबा मंदिर और बासुकीनाथ मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ को फूल अर्पित कर पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसे में फूलों की मांग लगातार बनी हुई है। इस मांग को पूरा करने में देवघर के आसपास के ग्रामीण इलाकों के किसान अहम भूमिका निभा रहे हैं। किसान अपनी खेती में पारंपरिक अनाज की जगह फूलों की खेती पर जोर दे रहे हैं और परिवार के सदस्य भी खेती से लेकर माला बनाने तक के काम में जुटे हैं।

परीक्षा केंद्र के नाम पर कथित वसूली को लेकर छात्रों का हंगामा

बिहारशरीफ। भागनबिगहा स्थित गौतम इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज में गुरुवार को परीक्षा केंद्र के नाम पर कथित अवैध वसूली के आरोप को लेकर छात्रों ने जमकर हंगामा किया। बड़ी संख्या में छात्र कॉलेज परिसर में जुटे और प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस प्रशासन की मदद से छात्रों को नियंत्रित किया गया।छात्रों का आरोप है कि नामांकन के समय बाहरी परीक्षा केंद्र पर परीक्षा संबंधी व्यवस्था कराने के नाम पर उनसे अतिरिक्त राशि ली गई थी। इसके बावजूद प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में करीब 80 प्रतिशत छात्र असफल हो गए। इससे छात्रों में आक्रोश फैल गया।हंगामा कर रहे ऋषिकेश पटेल, धर्मवीर कुमार और नवलेश कुमार ने परीक्षा केंद्र के नाम पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने का आरोप लगाया। फार्मेसी छात्र शशि राज ने दावा किया कि डीआरसीसी के माध्यम से लोन की राशि कॉलेज में जमा होने के बाद भी छात्रों को पावती रसीद नहीं दी जाती है। कुछ छात्रों ने कथित रूप से ली गई राशि वापस करने के लिए कॉलेज प्रबंधन को लिखित आवेदन भी दिया है।छात्रों ने बीएससी नर्सिंग में छात्रों से करीब 7.50 लाख और छात्रों से करीब 8.50 लाख रुपये तक लिए जाने का भी आरोप लगाया है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।छात्रों ने विश्वविद्यालय और संबंधित विभाग के अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। वहीं, मामले में कॉलेज के डिपार्टमेंट ऑफ फार्मेसी के कार्यकारी सचिव से पक्ष जानने के लिए जब नक्षत्र न्यूज के रिपोर्टर पहुंचे तो उन्होंने ऑन कैमरा कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।

पावापुरी मेडिकल कॉलेज की नई परीक्षा, पीपीपी से बदलेगी इलाज की तस्वीर

562 करोड़ के अस्पताल में सुविधाएं तो भरपूर, अब मरीजों तक पहुंचाने की चुनौती

बिहारशरीफ। करोड़ों की लागत, आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं और 500 बेड की क्षमता पावापुरी मेडिकल कॉलेज ने आकार तो उम्मीदों के अनुरूप लिया, लेकिन इलाज की व्यवस्था अब भी कई सवालों के घेरे में है। ऐसे में राज्य सरकार का इसे पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (च्च्च्) मॉडल पर निजी संस्थान को सौंपने का फैसला व्यवस्था के लिए नई शुरुआत के साथ बड़ी अग्निपरीक्षा भी है।नालंदा में भगवान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान एवं पावापुरी मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास 14 अप्रैल 2011 को हुआ था। 20 अगस्त 2015 को ओपीडी भवन का उद्घाटन हुआ और 2017 से आईपीडी सेवा शुरू हुई। 52.51 एकड़ में करीब 562 करोड़ रुपये की लागत से बने इस संस्थान में एमबीबीएस की 120 सीटें हैं। एमआरआई, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, ईसीजी, ईईजी, पीएफटी, ऑक्सीजन प्लांट और क्रायोजेनिक टैंक जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।इसके बावजूद मरीजों की परेशानी पूरी तरह खत्म नहीं हुई। विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी, उपकरणों के खराब रहने और जांच व्यवस्था में रुकावट जैसी शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। गंभीर मरीजों को कई बार बेहतर इलाज या जरूरी जांच के लिए निजी केंद्रों अथवा पटना जाना पड़ा।अब पीपीपी मॉडल से उम्मीद है कि डॉक्टरों की उपलब्धता, मशीनों का नियमित संचालन, जांच व्यवस्था, सफाई और मरीजों की सुविधाओं में सुधार होगा। लेकिन असली सवाल यह है कि निजी प्रबंधन अस्पताल की व्यवस्था बदलने के साथ मरीजों का अनुभव भी बदल पाएगा या नहीं।पावापुरी की सफलता का पैमाना अब भवन या मशीनों की संख्या नहीं, बल्कि समय पर डॉक्टर, चालू जांच मशीन और बिना भटके इलाज होगा। आने वाला समय बताएगा कि पीपीपी मॉडल महज प्रबंधन परिवर्तन है या पावापुरी के मरीजों के लिए सचमुच नई उम्मीद की शुरुआत।

राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

बिहारशरीफ। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर गुरुवार को राजेंद्र आश्रम स्थित कांग्रेस कार्यालय में नालंदा जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विवेक कुमार सिन्हा ने कहा कि राजीव गांधी ने देश को आधुनिक, तकनीकी और वैज्ञानिक सोच के साथ आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्य शक्ति मानते हुए उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया। कंप्यूटर एवं दूरसंचार क्रांति को बढ़ावा देने और भारत को 21वीं सदी की ओर ले जाने में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।उन्होंने कहा कि राजीव गांधी के विचारों और आधुनिक भारत के निर्माण के सपने को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में अजय कुमार पांडेय, नंदू पासवान, पिंटू यादव, डॉ. अवधेश प्रसाद, मंजू कुमारी, राजेश्वर प्रसाद, मुन्ना जी, अनिल, फरहत जमीन, रमेश कुमार, अधिवक्ता इफ्तेखार अहमद, चुनचुन देवी, बिछी टटेरा, इंजीनियर टीपू, अजीत राज समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संत रविदास के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

हसपुरा (औरंगाबाद)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गुरु संत रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को हसपुरा प्रखंड मुख्यालय में कलश यात्रा निकाली गई। यह यात्रा समरसता संकल्प अभियान के तहत आयोजित की गई थी। यात्रा का शुभारंभ प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर से हुआ। इसके बाद यह हसपुरा बाजार के विभिन्न मार्गों से होते हुए हसपुरा डीह पहुंची। इसमें प्रखंड प्रमुख श्रीनिवास सिंह, बीडीओ पंकज कुमार, सीओ सुनील कुमार और प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष चंद्रकांत मुन्ना सहित कई गण्यमान्य लोग शामिल हुए। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष, विकास मित्र, जीविका दीदियां और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के माध्यम से सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे, सामाजिक समानता और सद्भाव का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। उपस्थित लोगों ने संत रविदास जी के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बीडीओ पंकज कुमार ने संत रविदास को नमन करते हुए कहा कि उनके विचार आज भी समाज के लिए बेहद प्रासंगिक हैं। उन्होंने अपने जीवन और विचारों से मानवता, समानता, सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश दिया। सीओ सुनील कुमार ने कहा कि संत रविदास जी के आदर्शों को अपनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। प्रखंड प्रमुख श्रीनिवास सिंह ने लोगों से भेदभाव से ऊपर उठकर मानव कल्याण और सामाजिक एकता के लिए काम करने की अपील की। कल्याण पदाधिकारी प्रीति कुमारी ने लोगों से सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे को मजबूत करने वाले कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने जोर दिया कि संत रविदास जी का जीवन समाज को समानता और मानवता का संदेश देता है, और उनके विचारों को आत्मसात कर आपसी सहयोग, सद्भाव और भाईचारे को और मजबूत किया जा सकता है।

जेएसएससी परीक्षा मामले में एसआइटी की जांच तेज, 37 लोगों से पूछताछ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा में कथित गड़बड़ी के मामले में सीआइडी की जांच तेज हो गई है। इस मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच टीम अब तक 37 लोगों से पूछताछ कर चुकी है। इन सभी को नोटिस जारी कर जांच टीम के समक्ष उपस्थित होने के लिए बुलाया गया था। पूछताछ के दौरान परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी जुटाई गई है।

सीआइडी ने दी जानकारी

सीआइडी के प्रेस रिलीज के अनुसार, पूछताछ के जरिए परीक्षा में कथित अनियमितता की पूरी कड़ी को जोड़ने की कोशिश की जा रही है। इस कड़ी में 37 लोगो को नोटिस देकर सीआईडी कार्यालय में बुलाया गया औए उनसे हर पहलू पर पूछताछ की गई है। जांच टीम यह पता लगाने में जुटी है कि परीक्षा प्रक्रिया में कहीं नियमों का उल्लंघन हुआ या किसी स्तर पर गड़बड़ी की गई।

इसके साथ ही मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जांच के क्रम में सीआईडी की टीम ने नामकुम स्थित जेएसएससी कार्यालय में छापेमारी भी की थी। इस दौरान परीक्षा से संबंधित जरूरी दस्तावेज और डिजिटल एविडेंस जब्त किए गए थे। इन दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। वहीं, जेएसएससी के सचिव से भी मामले को लेकर लंबी पूछताछ हो चुकी है।

जारी है जांच

अधिकारियों के मुताबिक, जांच अभी जारी है। एसआइटी पूछताछ, दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की तह तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। आने वाले दिनों में कुछ और लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। जांच पूरी होने के बाद ही परीक्षा में कथित गड़बड़ी की पूरी तस्वीर साफ हो सकेगी।

आइआइटी आईएसएम की पहल से आदिवासी छात्रों को डिजिटल उड़ान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। तकनीक के दौर में डिजिटल स्किल्स बेहतर शिक्षा और करियर की महत्वपूर्ण जरूरत बन चुकी हैं। इसी दिशा में डिजिटल गैप कम करने के उद्देश्य से आईआईटी आईएसएम धनबाद की ओर से झारखंड के छह एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों के कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के आदिवासी छात्रों को आईटी और कंप्यूटर स्किल्स की ट्रेनिंग दी जा रही है। दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत छात्रों को कंप्यूटर और आधुनिक तकनीक से जुड़ी जानकारी दी जा रही है। इसका उद्देश्य उन्हें भविष्य की पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार की बदलती जरूरतों के लिए तैयार करना है। देश तेजी से डिजिटल इकोनॉमी की ओर बढ़ रहा है। शिक्षा, रोजगार, कारोबार, रिसर्च और सरकारी सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में कंप्यूटर और डिजिटल तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे में दूरदराज और आदिवासी इलाकों के छात्रों के लिए डिजिटल कौशल तक पहुंच महत्वपूर्ण हो गई है। आईआईटी आईएसएम की यह पहल ऐसे छात्रों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और उनकी डिजिटल क्षमताओं को विकसित करने की दिशा में प्रयास है।

रांची में बिजली के खंभों से अवैध केबल हटाने की कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) ने राजधानी के विभिन्न इलाकों में बिजली के खंभों पर लगे अनाधिकृत केबल हटाने का अभियान शुरू किया है। इस कार्रवाई के चलते शहर के कई हिस्सों में इंटरनेट सेवाएं प्रभावित हुई हैं। जेबीवीएनएल ने बीएसएनएल और एयरटेल सहित अन्य टेलीकॉम कंपनियों व केबल ऑपरेटरों को कम ऊंचाई तथा असुरक्षित तरीके से बंधे तारों को हटाने के लिए कई बार नोटिस जारी किए थे। कंपनियों को सुरक्षा मानकों के अनुरूप केबल व्यवस्थित करने के लिए 16 अगस्त तक की अंतिम समय-सीमा दी गई थी। मियाद खत्म होने के बाद भी स्थिति न सुधरने पर विभाग ने यह कदम उठाया है। रांची प्रक्षेत्र के अधीक्षण अभियंता डीएन साहू ने बताया कि यह कार्रवाई झारखंड हाईकोर्ट के निर्देशानुसार की जा रही है। कंपनियों को पिछले एक साल से केबल और उपकरण व्यवस्थित करने का अवसर दिया जा रहा था। इसके बावजूद खंभों पर तारों का जाल बना रहा। पहले चरण के तहत कई इलाकों से अवैध केबल हटा दिए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

लगातार 14वीं बार सेमीफाइनल में पहुंचा हॉकी झारखंड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। महाराष्ट्र के पुणे में चल रही 16वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप 2026 में हॉकी झारखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार 14वीं बार सेमीफाइनल में जगह बना ली है। 12 से 23 अगस्त तक आयोजित प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में झारखंड ने पड़ोसी राज्य की हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा की टीम को पेनाल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल मुकाबला शुरू से ही रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा। दोनों टीमों ने शुरुआती मिनटों में एक-दूसरे के डिफेंस को परखने की कोशिश की। दूसरे क्वार्टर में 24वें मिनट में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने फील्ड गोल कर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद झारखंड की खिलाड़ियों ने बराबरी के लिए लगातार आक्रमण किए लेकिन मध्यांतर तक स्कोर 1-0 ही रहा।

बिहार में कानून का राज खत्म, लगे राष्ट्रपति शासन : रणविजय साहू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। गुरुवार को सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक के बाद राजद विधायक सह पार्टी के प्रदेश महासचिव एवं प्राक्कलन समिति के सदस्य रणविजय साहू ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला है। श्री साहू ने कहा कि बिहार में कानून का राज खत्म हो गया है। प्रदेश अपराधियों के आगोश में चला गया है। अपराधियों को सरकार के स्तर से संरक्षण मिल रहा है और लगातार आपराधिक घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि राजधानी पटना में दिनदहाड़े हत्या हो रही है। गोलू यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बंटी यादव की हत्या हुई, जबकि शुभम कुमार जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। मधुबनी के बेनीपट्टी में रोशन यादव की पुलिस संरक्षण में पिटाई कर हत्या किए जाने का आरोप है। उन्होंने कहा कि बिहार के अलग-अलग हिस्सों में लगातार हत्या, दुष्कर्म, चोरी और डकैती की घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसी परिस्थिति में कानून-व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने बिहार में तत्काल राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की। श्री साहू ने तेजस्वी यादव के नेतृत्व में युवाओं के राजभवन मार्च को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इसमें युवाओं का जबरदस्त समर्थन मिला। उन्होंने दावा किया कि मार्च की सफलता से भाजपा में बौखलाहट है। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती आंदोलनों की जननी रही है। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में भी यहीं से आंदोलन की शुरुआत हुई थी। आने वाले समय में बिहार के युवा अपनी ताकत दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि लंबे समय से भाजपा सत्ता में है, लेकिन युवाओं को पर्याप्त रोजगार नहीं मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवाओं की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने रोजगार, पढ़ाई और दवाई को प्रमुख मुद्दा बनाया है। प्रशांत किशोर द्वारा तेजस्वी यादव की आलोचना पर उन्होंने कहा कि तेजस्वी युवाओं के आइकॉन हैं और उनके नेतृत्व में युवाओं के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। प्रेस वार्ता में पूर्व जिलाध्यक्ष कालेश्वर प्रसाद यादव, ई. सुबोध कुमार सिंह, युसूफ आजाद अंसारी, सत्येंद्र यादव, संजय यादव, पूर्व जिला परिषद मनोरमा पासवान सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राशन, आवास और आंगनबाड़ी में अनियमितता पर बीस सूत्री सदस्यों ने जताई नाराजगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा (औरंगाबाद)। प्रखंड कार्यालय के सभागार में गुरुवार को बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता बीस सूत्री अध्यक्ष चंद्रकांत मुन्ना ने की। संचालन बीडीओ पंकज कुमार एवं सीओ सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से किया। बैठक की शुरुआत दीप प्रज्वलन, वंदे मातरम् और राष्ट्रगान के साथ हुई। इस दौरान जनवितरण प्रणाली, प्रधानमंत्री आवास योजना, बाल विकास परियोजना और अन्य सरकारी योजनाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर सदस्यों ने जमकर सवाल उठाए। बैठक में जनवितरण प्रणाली कार्यालय में बिचौलियों के दखल, डीलरों से कथित कमीशन वसूली तथा लाभुकों को प्रति राशन कार्ड एक किलो कम अनाज दिए जाने का मुद्दा प्रमुखता से उठा। बताया गया कि प्रखंड में राशन कार्ड के 3,248 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिसमें 2900 आवेदन पत्र को अपलोड किया जा चुका है। उपाध्यक्ष चंद्रेश पटेल ने आधार कार्ड निर्माण में कथित अनियमितता का मामला भी उठाया।

प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर सदस्य कौशल शर्मा ने मजदूरों को मजदूरी भुगतान नहीं होने तथा कुछ आवास सहायकों पर लाभुकों के एटीएम कार्ड अपने पास रखने का आरोप लगाया। वहीं बाल विकास परियोजना में सक्षम केंद्रों के लिए निर्धारित 35 की जगह 20 कुर्सियां उपलब्ध कराए जाने और योजना राशि के कथित दुरुपयोग का मामला उठाया गया। सतीश चंद्रवंशी ने रघुनाथपुर और बिरहारा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 85 और 126 के जर्जर भवनों के पुनर्निर्माण की मांग की। एमडीएम की नियमित जांच नहीं होने पर भी सदस्यों ने सवाल उठाए। गर्ल्स हाई स्कूल के आसपास गांजा, शराब और कफ सिरप की कथित बिक्री व सेवन का मुद्दा अमन कुशवाहा और चंद्रेश पटेल ने उठाया। सदस्यों ने पुलिस पर निर्दोष लोगों को पकड़ने और कथित तस्करों के खिलाफ पर्याप्त कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। इस पर एसआई सूर्यदेव सिंह ने कहा कि नशाखुरानी और चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए पुलिस सतर्क है। डॉ. फैज ने पुरानी थाना रोड की बदहाल स्थिति का मामला उठाया। श्रीकांत वर्मा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वैक्सीन की मुद्दा उठाया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉ. चंदन कुमार ने बताया कि अस्पताल में 46 प्रकार की जांच की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने सर्पदंश की स्थिति में घबराने के बजाय समय पर अस्पताल पहुंचने की अपील की। बैठक में उपाध्यक्ष चंद्रेश पटेल, देवकुंड थानाध्यक्ष निरंजन कुमार, एसआई सूर्यदेव सिंह, बीईओ रंजीत कुमार, पीओ राजेश चौधरी, एमओ अविनीत कुमार, जेई प्रकाश कुमार, डॉ. चंदन कुमार, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर देवेंद्र कुमार नयन, बैंक सहित बीस सूत्री समिति के सदस्य मौजूद रहे।

नशामुक्ति के लिए जागरूक करने वाले नाटक की प्रस्तुति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। दाउदनगर महाविद्यालय के प्राचार्य एम.एस.इस्लाम द्वारा आरंभ किये गए 'सात दिवसीय विशेष शिविर' के चौथे दिन अंकोढ़ा के सिपहां में कई जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाविद्यालय की सेवा इकाई राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजन किया जा रहा है। करीब पांच दर्जन छात्र-छात्रा के स्वयं सेवक समुह इस विशेष शिविर में प्रतिभागी हैं। ये सभी प्रतिदिन प्रातः नौ बजे कार्यक्रम की शुरुआत लक्ष्यगीत, प्रेरक उद्बोधन एवं योगाभ्यास से करते हैं। इसके बाद गांव भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद करते हैं और उनके बीच जन-जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते हैं। आज भी गांव स्थित सामुदायिक भवन मंच पर नशामुक्ति से जुड़ा नाटक प्रस्तुत किया गया। नशे की आदतों से स्कूली युवा पीढ़ी एवं घर-परिवार के उजड़ने की स्थिति का नाटक में मार्मिक प्रस्तुति पेश की गई, जिसमें सुत्रधार के रूप गुड़िया कुमारी, मां-बेटा की भूमिका में सौम्या राज - राज अमन एवं नशे की लत की भूमिका में मुन्ना कुमार, मनु कुमार,पुनम कुमारी, आरती कुमारी, श्वेता कुमारी, शिवानी, अंकिता कुमारी थे, गीतकार रंजय कुमार एवं बुद्धिमान पात्र के रूप में सुमित पांडे, शंभू कुमार का अभिनय बेहद प्रभावशाली रहा। मौके पर मौजूद कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ देव प्रकाश ने सफल प्रस्तुति के लिए स्वयंसेवकों का हौसला अफजाई किया। दूसरे सत्र में बौद्धिक परिचर्चा हुआ। विषय था 'शारिरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य'। इसका मुख्य उद्देश्य दिनों-दिन बढ़ती जा रही मानसिक एवं गंभीर शारिरिक रोग की चपेट से बचने के लिए ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाना था। इस विषय के विशेषज्ञ वक्ता दाउदनगर महाविद्यालय के मनोविज्ञान के सहायक प्राध्यापिका डॉ. शाहला बानो ने विस्तृत व्याख्यान दिया। स्वयं सेवकों एवं ग्रामीणों द्वारा मानसिक रोग से जुड़े पुछे गए सवाल का बारी-बारी से जवाब दिया। इस बौद्धिक विमर्श के बाद अगले दिन के 'विशेष स्वास्थ्य शिविर' कार्यक्रम की रुपरेखा पर चर्चा हुई। कार्यक्रम का संचालन दर्शनशास्त्र की सहायक प्राध्यापिका डॉ. रोजी कांत ने की। धन्यवाद ज्ञापन हिंदी के सहायक प्राध्यापक मंजू कुमार सोरेन ने किया। कार्यक्रम में मनोविज्ञान के सहायक प्राध्यापक श्रीनिवास सिंह, दर्शनशास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. वरूण कुमार चौबे एवं मगध विश्वविद्यालय के पूर्व स्वंय सेवक मुकेश कुमार सहित प्राथमिक विद्यालय, सिपहा के छात्र-छात्राएं सहित गांव के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान गाकर किया गया।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

एडमिन यूनिट/जोन: सियालदह मंडल-वाणिज्यिक, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700 014, **ऑक्शन कैटलॉग सं.:** एमपीएस-एसईपी-01, **नीलामी करने वाले अधिकारी:** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सियालदह। **बोली प्रणाली:** सामान्य नीलामी (एकल चरण)। **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** 02.09.2026 को 11.30 बजे। **नीलामी की अंतिम तिथि/समय :** 02.09.2026 को 14.00 बजे। **ऑटो एक्सटेंशन जोन:** 120 सेकंड। **ऑटो एक्सटेंशन अवधि:** 120 सेकंड। **प्रारंभिक कूलिंग ऑफ अवधि:** 30 मिनट। **लगातार लॉट का समापन अंतराल :** 10 मिनट। **अधिकतम ऑटो एक्सटेंशन:** 10 बार। **कैटलॉग प्रकाशित किया गया :** 18.08.2026 को 17.29 बजे। **निर्णय का माध्यम:** ऑटो, **आरपी की प्रदर्शनी की गई**-नहीं। **आरपी से कम परमिट बिड** -हाँ। **क्या राइट ऑफ फर्स्ट रिफ्यूजल (आरओएफआर) लागू है ?**:नहीं। **कैटेगरी:** एमपीएस-मल्टी परपज स्टॉल (क्रम सं. एए/1 से एए/13 के लिए)। **क्रम सं., लॉट सं., विवरण, लॉट की अंतिम तिथि/समय** निम्नानुसार हैं: **एए/1**, एमपीएस-एसडीएएच-जीबीजी-एमपीएस-37-26-1, गोबरडांगा रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 01 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 02.09.2026 को 12.00 बजे। **एए/2**, एमपीएस-एसडीएएच-बीआईआरए-एमपीएस-43-26-1, बीरा रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 02 पर प्लेटफॉर्म शेड के नीचे (सियालदह छोर पर) 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 02.09.2026 को 12.10 बजे। **एए/3**, एमपीएस-एसडीएएच-एसडीएएच-एमपीएस-12-26-1, सियालदह रेलवे स्टेशन में उत्तरी भाग के निकास द्वार पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट x 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 02.09.2026 को 12.20 बजे। **एए/4**, एमपीएस-एसडीएएच-बीक्यूजी-एमपीएस-21-26-1, भगवानगोला रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 1 पर शेड के नीचे प्लेटफॉर्म क्षेत्र के मध्य साइड में 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट x 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 02.09.2026 को 12.30 बजे। **एए/5**, एमपीएस-एसडीएएच-केआरपी-एमपीएस-22-26-1, कृष्णपुर रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 1 पर पैनल रूम के पास मध्य भाग की ओर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट x 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 02.09.2026 को 12.40 बजे। **एए/6**, एमपीएस-एसडीएएच-एसडीएएच-एमपीएस-15-26-1, सियालदह रेलवे स्टेशन में आइलैंड प्लेटफॉर्म 15/16 पर पिलर नं. 3 एवं 4 के बीच 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट x 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 02.09.2026 को 12.50 बजे। **एए/7**, एमपीएस-एसडीएएच-बीएसएचटी-एमपीएस-36-26-1, बसीरहाट रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं.1 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 02.09.2026 को 13.00 बजे। **एए/8**, एमपीएस-एसडीएएच-एसडीएएच-एमपीएस-19-26-1, सियालदह रेलवे स्टेशन में आइलैंड प्लेटफॉर्म 20/21 पर पिलर नं. 5 एवं 6 के बीच 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट x 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 02.09.2026 को 13.10 बजे। **एए/9**, एमपीएस-एसडीएएच-एसजीवी-एमपीएस-29-26-1, सारगाछी रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 1 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट x 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 02.09.2026 को 13.20 बजे। **एए/10**, एमपीएस-एसडीएएच-बीआरपीके-एमपीएस-42-26-1, बिशरपाड़ा कोदालिया रेलवे स्टेशन में सियालदह छोर के प्लेटफॉर्म शेड के पास स्थित प्लेटफॉर्म नं. 02 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) का आवंटन, 02.09.2026 को 13.30 बजे। **एए/11**, एमपीएस-एसडीएएच-बीटी-एमपीएस-34-26-1, बारासात रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 01 पर फुट ओवरब्रिज एस्केलेटर के नीचे सीआईटी/टीआई (एम) कार्यालय के सामने 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 02.09.2026 को 13.40 बजे। **एए/12**, एमपीएस-एसडीएएच-एचएलआर-एमपीएस-38-26-1, हालिशहर रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 2 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (08 फीट x 05 फीट x 08 फीट) का आवंटन, 02.09.2026 को 13.50 बजे। **एए/13**, एमपीएस-एसडीएएच-एमबीबी-एमपीएस-31-26-1, मुर्शिदाबाद रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नं. 1 पर 05 वर्ष की अवधि के लिए मल्टी परपज स्टॉल (एमपीएस) (10 फीट x 06 फीट = 60 वर्गफीट) का आवंटन, 02.09.2026 को 14.00 बजे। **रेट यूनिट:** वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क (प्रत्येक हेतु)। **ट्रिप/दिन:** 1826 (प्रत्येक हेतु)। **न्यूनतम वृद्धि (%):** 0.2 (प्रत्येक हेतु)। **लॉट की स्थिति :** ड्रॉफ्ट कैटलॉग में नया (प्रत्येक हेतु)।

SDAH-183/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सड़क पर उतरीं नर्सिंग की छात्राएं

रिजल्ट में गड़बड़ी का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। जिले के लीडर इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन के छात्रों ने संस्थान प्रबंधन पर परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद फेल किए जाने का आरोप लगाते हुए गुरुवार को जमकर बवाल किया। बीएससी नर्सिंग प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों ने मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के हरपुर एलौथ के पास समस्तीपुर-मुसरीघरारी मुख्य मार्ग जाम कर हंगामा करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्र परिणाम की निष्पक्ष समीक्षा और उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच कराने की मांग कर रहे हैं।

गुरुवार को छात्र बड़ी संख्या में हरपुर एलौथ के पास मुख्य मार्ग पर पहुंच गए। इसके बाद सड़क पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। हाथों में मांगों से जुड़ी तख्तियां लिए छात्रों ने संस्थान प्रबंधन के खिलाफ विरोध जताया। प्रदर्शनकारी छात्र संस्थान के चेयरमैन को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। छात्रों के सड़क पर उतरने से समस्तीपुर-मुसरीघरारी मुख्य मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। छात्रों का कहना था कि उनकी शिकायत का समाधान संस्थान के जिम्मेदार अधिकारी की मौजूदगी में ही होना चाहिए।

प्रदर्शनकारी छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्होंने परीक्षा की तैयारी पूरी मेहनत से की थी। परीक्षा भी बेहतर हुई, लेकिन परिणाम आने पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को फेल कर दिया गया। छात्रों का कहना था कि परिणाम में उन्हें अपेक्षा के अनुरूप अंक नहीं मिले। छात्रों के मुताबिक, संस्थान में दाखिले के समय प्रबंधन की ओर से उन्हें पढ़ाई और परीक्षा को लेकर भरोसा दिलाया गया था। उन्होंने उसी भरोसे के साथ पढ़ाई जारी रखी और परीक्षा दी। लेकिन परिणाम सामने आने के बाद वे खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं।

छात्रों ने मांग की कि परीक्षा परिणाम की निष्पक्ष तरीके से समीक्षा कराई जाए। जिन विद्यार्थियों को गलत तरीके से फेल किए जाने का संदेह है, उनकी उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच कराई जाए। छात्रों का कहना था कि सिर्फ आश्वासन देकर उनकी शिकायत को खत्म नहीं किया जा सकता। उन्हें यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि परिणाम में इतने छात्र फेल क्यों हुए और उनकी शिकायत पर क्या कार्रवाई की जाएगी। इसी मांग को लेकर वे चेयरमैन को मौके पर बुलाने पर अड़े रहे।

वांछित बदमाश धराया

मुजफ्फरपुर। बिहार एसटीएफ की विशेष टीम ने मुजफ्फरपुर जिले के वांछित टॉप-10 बदमाश राजेश भगत को पटना से गिरफ्तार किया है। वह करीब नौ साल पूर्व हुए लूटपाट के मामले में फरार चल रहा था। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ ने उसे पटना रेलवे स्टेशन के समीप से पकड़ा। बताया गया कि राजेश भगत दिल्ली भागने की फिराक में था। इसी दौरान एसटीएफ की टीम ने पटना रेलवे स्टेशन के पास छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक मोबाइल भी जब्त किया गया है।

राजेश भगत मूल रूप से सनाथी, थाना बोचहां, जिला मुजफ्फरपुर का रहने वाला है। कुढ़नी थाना में वर्ष 2017 में दर्ज लूटपाट के मामले में वह वांछित था। लंबे समय से फरार रहने के कारण उसे मुजफ्फरपुर जिले के टॉप-10 वांछित बदमाशों की सूची में शामिल किया गया था। एसटीएफ की पूछताछ में राजेश भगत से अन्य बदमाशों के बारे में भी जानकारी मिली है। पुलिस टीम उसकी निशानदेही पर कई जगहों पर छापेमारी कर रही है।

पीड़ित के परिजन से मिले तेजस्वी, सरकार पर साधा निशाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। जिले के सदर थाना क्षेत्र के दिग्घी कला में चर्चित ठेकेदार रामनरेश राय की सनसनीखेज हत्या के बाद अब मामला सियासी रंग लेता जा रहा है। गुरुवार को बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव हाजीपुर पहुंचे और रामनरेश राय के घर जाकर उनके परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान राजद के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी के साथ पार्टी के कई विधायक और स्थानीय नेता भी मौजूद रहे। तेजस्वी यादव ने परिवार से घटना की जानकारी लेने के साथ उनकी सुरक्षा और पुलिस कार्रवाई का भी जायजा लिया।

रामनरेश राय के आवास पर पहुंचते ही तेजस्वी यादव ने सबसे पहले उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने मृतक की पत्नी और बेटे से अलग से मुलाकात कर पूरी घटना की जानकारी ली।

इस दौरान परिवार की सुरक्षा और अब तक पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई को लेकर भी चर्चा हुई। बताया गया कि रामनरेश राय की पत्नी पहले ही अपनी और अपने परिवार की जान को खतरा बताते हुए सुरक्षा की मांग कर चुकी हैं। ऐसे में तेजस्वी यादव ने परिवार की स्थिति को समझते हुए उनकी सुरक्षा को लेकर भी जानकारी ली।

परिजनों से मुलाकात के बाद तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत की और बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में लगातार अपराध बढ़ रहा है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। आए दिन हत्या जैसी घटनाएं हो रही हैं, लेकिन अपराधियों पर प्रभावी तरीके से लगाम नहीं लग पा रही है।

तेजस्वी यादव ने पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस अपराधियों पर कार्रवाई करने के बजाय दूसरे कामों में व्यस्त है।

उन्होंने रामनरेश राय हत्याकांड के सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। साथ ही उन्होंने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और उनकी सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाने की भी मांग की।

थाली में निकला कीड़ा, बच्चों ने फेंकी थालियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। अरवल जिले में सरकारी स्कूलों में बच्चों को दिए जाने वाले मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। नगर परिषद और सदर प्रखंड क्षेत्र के कई सरकारी स्कूलों में बच्चों की थाली में परोसी गई सब्जी में छोटे-छोटे सफेद कीड़े मिलने से अफरा-तफरी मच गई।

भोजन में कीड़े देखकर बच्चे डर गए और उन्होंने खाना खाने से इनकार करते हुए अपनी थालियां तक फेंक दीं। मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में भी हड़कंप मच गया है।

जानकारी के मुताबिक, नगर परिषद और सदर प्रखंड क्षेत्र के करीब 75 सरकारी स्कूलों में एजेंसी के माध्यम से मध्याह्न भोजन की सप्लाई की गई थी। स्कूलों में भोजन परोसने के दौरान कई जगह सब्जी के अंदर छोटे-छोटे सफेद कीड़े दिखाई दिए। बच्चों और रसोइयों की नजर जैसे ही सब्जी में मौजूद कीड़ों पर पड़ी, स्कूल प्रशासन ने तुरंत भोजन परोसना बंद कर दिया। कई बच्चों ने डर के कारण अपनी थाली में रखा खाना फेंक दिया। घटना की जानकारी सामने आने के बाद स्कूलों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सैदपुर ढाबा प्राथमिक विद्यालय, राजकीय प्राथमिक विद्यालय खनकुलीपुर और उमैराबाद प्राथमिक विद्यालय समेत कई स्कूलों में इस तरह की शिकायत सामने आई है। बच्चों ने बताया कि वे रोज की तरह खाना खाने बैठे थे। जैसे ही उनकी थाली में सब्जी परोसी गई, उसमें छोटे-छोटे कीड़े दिखाई दिए। इसे देखकर बच्चे डर गए और खाना खाने के बजाय अपनी थालियां फेंक दीं। घटना के बाद बच्चों के अभिभावकों में भी नाराजगी देखने को मिली। लोगों ने स्कूलों में बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता के साथ-साथ उसकी निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं।

मामले की जानकारी मिलते ही शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। जिला शिक्षा पदाधिकारी असगर हुसैन ने बताया कि पूरे मामले की जांच के लिए जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, मध्याह्न भोजन को भेजा गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के

लाभुकों के बीच घरों की चाबी का वितरण

- ➩स्वीकृति पत्र और चाबी पाकर खिले चेहरे
- ➩कार्यक्रम में मौजूद रहे कई लाभार्थी
- ➩बीडीओ ने सहायक और पर्यवेक्षकों को दी पारदर्शिता की नसीहत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड सभागार में गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूर्ण किए गए आवासों के लाभुकों को गृह प्रवेश के अवसर पर उनके घर की चाबी प्रदान की गई। वहीं, योजना के तहत नव चयनित लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र का भी वितरण किया गया।

कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी आवास सहायकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बिहार राज्य को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत लक्ष्य आवंटित किया गया है। आवंटित लक्ष्य के अनुरूप पात्र एवं चयनित लाभुकों को योजना का लाभ उपलब्ध कराने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है। बीडीओ ने आवास सहायकों एवं आवास पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया कि योजना के क्रियान्वयन में पूरी पारदर्शिता बरती जाए और पात्र लाभुकों को समय पर योजना का लाभ मिले। साथ ही उन्होंने निर्माणाधीन आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा पूर्ण आवासों में लाभुकों का गृह प्रवेश कराने की दिशा में तेजी से कार्य करने को कहा।

उन्होंने कहा कि योजना-ग्रामीण गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने की केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। इसका उद्देश्य ऐसे परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। कार्यक्रम के दौरान पूर्ण आवास प्राप्त कर गृह प्रवेश की चाबी पाने वाले लाभुकों में खुशी देखी गई। वहीं, नव चयनित लाभुकों ने स्वीकृति पत्र मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। मौके पर प्रखंड के सभी आवास सहायक एवं आवास पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

फरार चल रहे अधिवक्ता की गिरफ्तारी से अफरातफरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। समाहरणालय के मुख्य गेट के पास उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब तातारपुर थाना की पुलिस एक अधिवक्ता को हिरासत में लेकर जाने लगी।

पुलिस के मुताबिक, अधिवक्ता सुबोध कृष्ण दास एक मामले में करीब 13 साल से फरार चल रहे थे और पुलिस काफी समय से उनकी तलाश कर रही थी। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि वह न्यायालय गेट के पास मौजूद हैं। सूचना मिलते ही तातारपुर थाना की टीम मौके पर पहुंची और उन्हें हिरासत में ले लिया। इस दौरान पुलिस द्वारा अधिवक्ता को कथित तौर पर घसीटकर ले जाने का मामला सामने आया, जिसके बाद जिला विधिक संघ ने पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताई।

बताया जा रहा है कि तातारपुर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि अधिवक्ता सुबोध कृष्ण दास न्यायालय गेट के पास मौजूद हैं। पुलिस के अनुसार, वह एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे थे और उनकी तलाश की जा रही थी। सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें हिरासत में लेने की कार्रवाई शुरू की। इसी दौरान अधिवक्ता को पुलिस द्वारा कथित तौर पर घसीटकर ले जाने का वीडियो या घटनाक्रम चर्चा का विषय बन गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों के बीच भी तरह-तरह की चर्चा होने लगी।

घटना को लेकर जिला विधिक संघ के महासचिव अंजनी कुमार दुबे ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर किसी अधिवक्ता के खिलाफ मामला दर्ज है तो पुलिस को इसकी जानकारी संघ को देनी चाहिए थी, ताकि संघ भी पुलिस की कार्रवाई में सहयोग कर सके।

अंजनी कुमार ने कहा कि जिस तरह अधिवक्ता सुबोध कृष्ण दास को काले कोट में घसीटकर पुलिस अपने साथ ले गई, उससे ऐसा लगा जैसे पुलिस किसी अपराधी को पकड़कर ले जा रही हो। उन्होंने पुलिस की इस कार्रवाई को ज्यादती बताते हुए नाराजगी जताई।

दुबई से ताबूत में आई लाश, परिजन में शोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। बक्सर के चौसा प्रखंड के बनारपुर गांव में एक परिवार की उम्मीदें अचानक मातम में बदल गईं। शंभू चौधरी का 22 वर्षीय बेटा धनजी परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए नवंबर 2025 में दुबई गया था। घरवालों को उम्मीद थी कि उसकी कमाई से परिवार की परेशानियां कम होंगी।

धनजी को विदेश भेजने के लिए उसकी मां मीरा देवी ने करीब 80 हजार रुपये कर्ज लिया था। विदेश जाने से पहले धनजी ने परिजनों से मेहनत कर कर्ज चुकाने और परिवार के लिए पक्का मकान बनवाने का भरोसा दिया था। परिवार को बेटे की कमाई से बेहतर भविष्य की उम्मीद थी।

बताया गया कि 15 अगस्त को काम के दौरान अचानक धनजी के पेट में दर्द हुआ। तबीयत बिगड़ने के बाद उसकी मौत हो गई। बेटे की मौत की खबर मिलते ही बनारपुर स्थित परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। धनजी चार भाइयों में सबसे बड़ा था और परिवार के लिए बड़ी उम्मीद बन चुका था। पिता शंभू चौधरी मछली पकड़कर और बेचकर परिवार का गुजारा करते हैं। ऐसे में बड़े बेटे की मौत ने परिवार को भावनात्मक सदमे के साथ आर्थिक मुश्किल में भी डाल दिया है।

धनजी के चले जाने के बाद परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट और गहरा गया है। छोटे भाई-बहनों की पढ़ाई, घरेलू खर्च और पहले से लिया गया कर्ज परिवार के सामने बड़ी चिंता बनकर खड़ा है। जिस कमाई का इंतजार परिवार कर रहा था, वह उम्मीद अब टूट चुकी है।

धनजी की मौत के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधि भी परिवार की मदद के लिए आगे आए हैं। उपमुखिया अजय चौधरी और पूर्व जिला पार्षद बसंती देवी समेत अन्य लोगों ने सरकार से गरीब परिवार को मुआवजा देने की मांग की है। परिवार अब सरकारी सहायता की उम्मीद लगाए बैठा है।

शोधार्थियों का 17वें दिन भी अनशन जारी

22 को लोकभवन मार्च का एलान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। गर्दनीबाग धरनास्थल पर सहायक प्राध्यापक बहाली समेत विभिन्न मांगों को लेकर शोधार्थियों का अनिश्चित कालीन आमरण अनशन गुरुवार को 17वें दिन भी जारी रहा। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे प्रदेश संयोजक कुमुद पटेल की तबीयत लगातार बिगड़ने की बात कही गई है। इसके बावजूद आंदोलनकारी अपनी मांगों पर डटे हुए हैं।आंदोलन के नेतृत्वकर्ताओं ने 22 अगस्त को छात्र-युवा संगठनों के साथ लोकभवन मार्च करने की घोषणा की है। प्रस्तावित मार्च वीर कुंवर पार्क होते हुए आयकर गोलंबर तक जाने की बात कही गई है। इसमें विश्वविद्यालय सहायक प्राध्यापक पद के अभ्यर्थियों के शामिल होने का दावा किया गया है।

प्रेस वार्ता में कुमुद पटेल ने सरकार पर शोधार्थियों और युवाओं की मांगों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि लंबे समय से मांगें उठाई जा रही हैं, लेकिन अब तक ठोस पहल नहीं हुई है। इसी के चलते आंदोलन को और व्यापक करने का निर्णय लिया गया है।धरनास्थल पर बुधवार को बिहार के विभिन्न जिलों से शोधार्थी, युवा और छात्र नेता पहुंचे। आंदोलन का समर्थन देते हुए प्रदर्शनकारियों ने सरकार से बातचीत के जरिए समाधान निकालने की मांग की। आंदोलनकारियों का कहना है कि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं हुआ तो प्रदर्शन को और तेज किया जाएगा।

एसोसिएशन की प्रमुख मांगों में सहायक प्राध्यापक बहाली में यूजीसी रेगुलेशन-2018 के टेबल थ्री ए को लागू करना शामिल है। इसके अलावा अधिकतम आयु सीमा 55 वर्ष करने और विवि में सहायक प्राध्यापक बहाली को स्थायी व नियमित करने की मांग की जा रही है। डोमिसाइल नीति से ले अतिथि प्राध्यापकों के सेवा संरक्षण तक मांगेंआंदोलन कारियों ने प्रभावी डोमिसाइल नीति लागू करने, विवि और महाविद्यालयों की स्वायत्तता का हनन रोकने तथा वर्षों से कार्यरत अतिथि सहायक प्राध्यापकों को सेवा संरक्षण या सेवा समंजन देने की मांग भी रखी है। अब 22 अगस्त के लोकभवन मार्च पर सबकी नजर है।

करंट से मां और बेटे की मौत

बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अरवल। किंजर थाना क्षेत्र के झुनाठी गांव में एक हृदयविदारक घटना में मां और बेटे की मौत हो गई। लोगों ने बताया कि गाय को करंट से बचाने में मां और मां को करंट से बचाने में बेटे की जान चली गई, हालांकि गाय की जान बच गई। इस घटना ने पूरे गांव को झकझोर दिया।

मृतकों में हरेराम शर्मा की 50 वर्षीय पत्नी सीमा देवी और उनका 19 वर्षीय पुत्र शुभम कुमार शामिल है। शुभम का अग्निवीर में चयन हो गया था।

ग्रामीणों ने बताया कि हरेराम शर्मा की गाय घास चरते हुए घर के समीप लगे ट्रांसफार्मर के करीब चली गई, जहां बिजली का तार लटक रहा था।

यह देख गाय को बचाने के लिए सीमा देवी ट्रांसफार्मर के करीब पहुंच गई और वहां से गाय को भगा दी। इसी बीच महिला ट्रांसफार्मर के स्टेक की चपेट में आ गई, जिसमें करंट आ रहा था।

करंट लगने से महिला छटपटाने लगी, यह देख पुत्र शुभम कुमार अपनी मां को बचाने के लिए दौड़ा और वह भी करंट की चपेट में आ गया।

स्वजन व ग्रामीणों की नजर पड़ी तो मां-बेटे को किसी तरह वहां से गंभीरत अवस्था मे इलाज के लिए आनन फानन अरवल सदर अस्पताल ले गए।

डॉक्टर ने जांच के उपरांत दोनों को मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने कहा कि यह घटना बिजली विभाग की लापरवाही का नतीजा है।

ट्रांसफार्मर के समीप लटके बिजली के तार व स्टेक में करंट प्रवाहित होने की सूचना विभाग को कई बार दी गई थी, लेकिन विभागीय कर्मी लापरवाह बने रहे, जिससे मां-बेटे की जान चली गई।

हरेराम शर्मा के दो पुत्र थे, जिसमें छोटे पुत्र की मौत हो गई। एक पुत्री है, जिसकी शादी हो चुकी है। बड़ा पुत्र चंदन कुमार बिहार पुलिस में चयनित होने के बाद अभी एक सप्ताह पूर्व प्रशिक्षण के लिए गया है। छोटा बेटा शुभम का अग्नि वीर में चयन हो चुका था, लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था। सीमा देवी पशुपालन कर घर परिवार चलाती थीं।

किशोर की पीट-पीटकर हत्या, तनाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। बुधवार की रात फुलवड़िया थाना क्षेत्र के अजीत पत्रकार रोड एवं रेलवे क्रासिंग के बीच स्थित ताड़ीखाना के समीप कुछ असामाजिक तत्वों ने शोकहारा-1 निवासी मो. कारो के 14 वर्षीय पुत्र मो. दिलशाद की पीट-पीटकर हत्या कर दी।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क पर शव रखकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही तेघड़ा डीएसपी कृष्ण कुमार एवं फुलवड़िया थानाध्यक्ष विजय कुमार सहनी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू की।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, बेगूसराय भेज दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

इंटर-हाउस कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। स्कॉटिश पब्लिक स्कूल में गुरुवार को विद्यार्थियों के बीच खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क एवं नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंटर-हाउस कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका दोनों वर्गों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, दमदार प्रदर्शन और उत्कृष्ट टीम भावना का परिचय दिया। रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों में भी खासा उत्साह और जोश भर दिया।

बालक वर्ग में तक्षशिला हाउस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि साकेत हाउस उपविजेता रहा।

वहीं, बालिका वर्ग में साकेत हाउस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि नालंदा हाउस ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विद्यालय के निदेशक अनूप कुमार ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि जीत और हार से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क है।

विद्यालय प्रबंधन ने सभी विजेता एवं उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के खेल विभाग, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एक तरफ आंदोलन की जीत, दूसरी ओर नौकरी पर संकट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ 26 दिनों से चल रहा छात्र आंदोलन बुधवार को फिलहाल स्थगित कर दिया गया। आंदोलनकारियों ने हेमंत सोरेन सरकार को अपनी मांगों पर कार्रवाई के लिए दो महीने का समय दिया है। दूसरी ओर, सरकार के परीक्षा रद्द करने के फैसले से नौकरी जाने की आशंका झेल रहे सफल अभ्यर्थियों ने झारखंड हाईकोर्ट का रुख किया है।

परीक्षा आंदोलनकारियों के साथ कई दौर की बातचीत के बाद राज्य सरकार ने 2014 से अब तक जेपीएससी, जेएसएससी और एक आउटसोर्स एजेंसी की ओर से आयोजित 22 भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने और 23 अन्य परीक्षाओं की जांच कराने का फैसला लिया है। सरकार की ओर से कई अन्य मांगें माने जाने के बाद फिलहाल आंदोलन शांत हुआ है।

झारखंड सरकार की ओर से 11वीं से 13वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा रद्द किए जाने के फैसले के खिलाफ झारखंड हाईकोर्ट में दो अलग-अलग रिट याचिकाएं दायर की गई हैं। वहीं, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी परीक्षा रद्द किए जाने के खिलाफ भी हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दाखिल की गई है।

जेएसएस अधिकारी सूर्य प्रकाश कुजूर ने कहा, हमें सरकार की ओर से देर रात करीब 12:30 या 1 बजे नोटिस मिला। जब हमें 11वीं से 13वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा रद्द किए जाने की जानकारी मिली तो हम पूरी तरह टूट गए। हमने कभी नहीं सोचा था कि हमारे साथ ऐसा कुछ हो सकता है। उन्होंने कहा, इसीलिए हमने सरकार के उस फैसले के खिलाफ न्याय की गुहार लगाने के लिए अदालत का रुख किया है, जो बिना किसी सबूत या जांच के लिया गया है। हमने याचिका दाखिल कर दी है। अभी हमें सुनवाई की तारीख के बारे में जानकारी नहीं है। याचिका अदालत के समक्ष है और अब अदालत ही तय करेगी कि सुनवाई कब होगी।

अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे छह परीक्षा आंदोलनकारियों में से जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच के तीन सदस्यों रूपेश कुमार पाल, सविता कुमारी और राहुल क्रांति ने बुधवार को 15 दिन बाद अपना अनशन समाप्त कर दिया।

वहीं, झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नेता देवेंद्र नाथ महतो ने सोमवार को 16 दिन बाद अपना अनशन समाप्त किया था। प्रेम नायक और उज्मे हबीबा ने मंगलवार को भूख हड़ताल खत्म की थी।

हालांकि, जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच ने बुधवार को चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि में सरकार ने उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

मंच के एक नेता ने कहा, हम आंदोलन स्थगित कर रहे हैं। सरकार को भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के मुद्दों का समाधान करने और निष्पक्ष जांच कराने के लिए दो महीने का अल्टीमेटम दिया गया है।

दूसरी ओर, परीक्षा रद्द करने के फैसले के बाद करीब 2,000 सफल अभ्यर्थियों ने अलग आंदोलन शुरू कर दिया है। इनमें बड़ी संख्या उन अभ्यर्थियों की है, जिन्हें जेएसएससी संयुक्त स्नातक स्तरीय (जेएसएससी-सीजीएल) परीक्षा के जरिए नौकरी मिली थी।

इनमें से कुछ अभ्यर्थियों ने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर सरकार के परीक्षा रद्द करने के फैसले को चुनौती दी है। उन्होंने संभावित नौकरी जाने से राहत की मांग की है। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने निष्पक्ष तरीके से परीक्षा पास की और योग्यता के आधार पर नियुक्त हुए हैं।

सफल अभ्यर्थियों ने बुधवार को प्रदर्शन किया। इनमें से कुछ निषेधाज्ञा और पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए झारखंड सचिवालय परिसर में प्रवेश कर गए। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्हें कथित अनियमितताओं की जांच से कोई आपत्ति नहीं है। उनका विरोध पूरी परीक्षा रद्द किए जाने को लेकर है। उनका कहना है कि अगर किसी अभ्यर्थी ने गड़बड़ी की है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन मेरिट के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को इसकी सजा नहीं मिलनी चाहिए।

सहायक अनुभाग अधिकारी के रूप में नियुक्त श्याम सुंदर मंडल ने कहा, हमने अपनी योग्यता के आधार पर परीक्षा पास की थी। अनियमितताओं में हमारी कोई भूमिका नहीं है। सरकार को हमें दंडित करने का अधिकार नहीं है। अभ्यर्थियों के मुताबिक, इनमें से कई पहले ही वित्त, गृह, सड़क परिवहन, श्रम और सूचना एवं जनसंपर्क समेत विभिन्न विभागों में योगदान दे चुके हैं।

पटना से कृषि जनकल्याण संवाद अभियान शुरू, हर जिलों तक पहुंचेगा अभियान

किसान समृद्धि, महिला उद्यमिता, युवा रोजगार और श्रमिक उत्थान पर होगा फोकस : शिवराज सिंह चौहान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना के बामेती से गुरुवार को 'कृषि जनकल्याण संवाद अभियान' का शुभारंभ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया। अभियान के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने, महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने, युवाओं को रोजगार से जोड़ने और श्रमिकों के उत्थान पर विशेष जोर दिया जाएगा। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसान देश की समृद्धि की आधारशिला हैं और सरकार किसानों की सेवा एवं उनकी आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील करते हुए कहा कि इससे खेती की लागत कम करने और आमदनी बढ़ाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक इस्तेमाल से मिट्टी के स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रभाव को लेकर भी किसानों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि छोटे और सीमांत किसानों के लिए कम जमीन में अधिक आमदनी सुनिश्चित करना जरूरी है। इसी उद्देश्य से समेकित एवं एकीकृत कृषि प्रणाली को बढ़ावा दिया जा रहा है जिससे खेती को टिकाऊ और लाभकारी बनाया जा सके। बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि यह अभियान पाटलिपुत्र की धरती से शुरू होकर हर जिले तक पहुंचेगा। इसमें किसान, महिला, युवा और श्रमिक सभी की भागीदारी होगी। कृषि को जनकल्याण और प्रगति का आधार बनाकर बिहार के विकास को गति देने का प्रयास किया जाएगा। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार में कृषि रोडमैप के माध्यम से कृषि क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण काम हुआ है। किसानों ने नई तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि भूमि सर्वेक्षण और डिजिटलीकरण का कार्य जारी है। किसानों को उनकी जमीन पर स्पष्ट और विवादमुक्त अधिकार दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए किसानों ने प्राकृतिक एवं टिकाऊ खेती से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। किसानों ने बताया कि प्राकृतिक खेती से कृषि लागत नियंत्रित करने और आमदनी बढ़ाने में मदद मिली है। कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले किसानों को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित भी किया गया। अभियान की अगली कड़ी में 22 अगस्त से गया से जिलास्तरीय कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। इसके बाद राज्य के सभी जिलों में किसानों और पदाधिकारियों के साथ संवाद किया जाएगा। अभियान में आधुनिक कृषि, फसल प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, महिला सशक्तीकरण, कृषि आधारित उद्यमिता, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और बाजार से किसानों को जोड़ने जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय में बिहार के प्रथम सेंटर फॉर अर्बन पॉलिसी एंड गवर्नेंस का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना में गुरुवार को बिहार के प्रथम सेंटर फॉर अर्बन पॉलिसी एंड गवर्नेंस का विधिवत शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह में नीति-निर्माण, शहरी विकास, प्रशासन, शिक्षा और शोध के क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य अतिथि, विशेषज्ञ, शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने शहरीकरण से जुड़ी समकालीन चुनौतियों पर अकादमिक विमर्श को एक नया आयाम दिया तथा विश्वविद्यालय, सरकार और शोध संस्थानों के बीच सहयोग की संभावनाओं को मजबूत किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य डॉ. शामिका रवि थीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. राजभूषण चौधरी तथा सांसद शांभवी चौधरी उपस्थित रहीं। अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) शरद कुमार यादव ने कहा कि सेंटर फॉर अर्बन पॉलिसी एंड गवर्नेंस की स्थापना केवल एक नए अकादमिक केंद्र का शुभारंभ नहीं है, बल्कि भारत के तेजी से बदलते शहरी परिदृश्य से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्नों पर शोध, संवाद और नीति-विमर्श के लिए एक समर्पित मंच का निर्माण है। उन्होंने कहा कि भारत में शहरीकरण की गति लगातार बढ़ रही है और इसके साथ शहरों के सामने अनेक नई चुनौतियां उभर रही हैं। आवास, परिवहन, जलापूर्ति, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, आधारभूत संरचना, सार्वजनिक स्वास्थ्य, रोजगार, तकनीक, सामाजिक समावेशन और जलवायु-लचीलापन जैसे विषय आज शहरी नीति के केंद्र में हैं। कुलपति ने कहा कि इन चुनौतियों का समाधान किसी एक विषय या क्षेत्र के सीमित दृष्टिकोण से संभव नहीं है।

संगोष्ठियों से ही सिद्ध होगी सभागार की सार्थकता : प्रो. उपेन्द्र प्रसाद सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बीडी कॉलेज, पटना में 20 अगस्त 2026 को बिहार बीएसपीटीसीएल, पटना की सीएसआर योजना के तहत जीर्णोद्धारित सभागार का उद्घाटन किया गया। इसी अवसर पर कॉलेज की पूर्व प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उपेन्द्र प्रसाद सिंह, समाज विज्ञान संकाय के डीन प्रो. अरुण कुमार सिंह, गंगा देवी महिला कॉलेज की प्राचार्या प्रो. श्यामा रॉय, आरकेडी कॉलेज की प्राचार्या प्रो. सीता सिन्हा तथा पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. राम किशोर सिंह सहित अनेक विद्वान एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. उपेन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि बीडी कॉलेज की प्राचार्या के रूप में प्रो. रत्ना अमृत का कार्यकाल अप्रतिम रहा। सभागार के जीर्णोद्धार में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि यह सभागार तभी सार्थक होगा जब यहां नियमित अंतराल पर ज्ञान के प्रसार के लिए संगोष्ठियों का आयोजन होगा। उन्होंने शिक्षकों एवं कर्मियों से अपने दायित्वों का पालन करते हुए बेहतर शैक्षणिक वातावरण बनाने का संकल्प लेने का आहवान किया। वर्तमान प्राचार्य प्रो. दिवाकर प्रसाद ने प्रो. रत्ना अमृत के योगदान को याद करते हुए कहा कि यह सभागार आने वाले समय में ज्ञान, विचार और संवाद का केंद्र बनेगा। विदाई संबोधन में प्रो. रत्ना अमृत ने कॉलेज से जुड़ी मधुर स्मृतियां साझा कीं और अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कर्मियों को केवल उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता थी जिसके बाद सभी ने उत्कृष्ट कार्य किया। प्रो. अरुण कुमार सिंह ने सभागार की शैक्षणिक उपयोगिता, प्रो. श्यामा रॉय ने सभी महाविद्यालयों में ऐसे सभागार की आवश्यकता तथा प्रो. सीता सिन्हा ने इसे कॉलेज विकास का मील का पत्थर बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राहुल अमृतराज ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अपराजिता ने किया, जबकि लेखापाल रवि ने भी विचार रखे।

देशरत्न राजेंद्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में बी.एड. द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं को दी गई भावपूर्ण विदाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। देशरत्न राजेंद्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सदाकत आश्रम, पटना में बी.एड. प्रथम वर्ष (सत्र 2025-27) के प्रशिक्षुओं द्वारा बी.एड. द्वितीय वर्ष (सत्र 2024-26) के प्रशिक्षुओं के सम्मान में भावपूर्ण फेयरवेल समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्देश्य प्रशिक्षण की अवधि पूर्ण कर रहे प्रशिक्षुओं को आत्मीय विदाई देने के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देना था। समारोह का उद्घाटन बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष विजय प्रकाश भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवा निवृत्त वरिष्ठ अधिकारी ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने फेयरवेल की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि फेयरवेल केवल विदाई का औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि साथ बिताए समय, साझा अनुभवों और आत्मीय संबंधों को सम्मानपूर्वक स्मरण करने का अवसर है। यह एक पड़ाव है जहां विद्यार्थी अपने प्रशिक्षण संस्थान से प्राप्त ज्ञान, संस्कार और अनुभवों को लेकर जीवन के अगले चरण की ओर बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक-प्रशिक्षुओं के लिए ऐसे आयोजन विशेष महत्व रखते हैं क्योंकि शिक्षक केवल विषय का ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला व्यक्तित्व होता है। विजय प्रकाश ने आयोजन के संदर्भ में इवेंट मैनेजमेंट के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए केवल उत्साह पर्याप्त नहीं है; उसके लिए योजना, समय-प्रबंधन, संसाधनों का समुचित उपयोग, टीम-वर्क, नेतृत्व, अनुशासन तथा कार्यों का प्रभावी समन्वय आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से कहा कि ऐसे आयोजन उन्हें व्यवहारिक जीवन में नेतृत्व और प्रबंधन के कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर बिहार विद्यापीठ की निदेशिका डॉ. मृदुला प्रकाश, सचिव डॉ. राणा अवधेश, भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवा निवृत्त अधिकारी, अपर सचिव श्यामानंद चौधरी, संयुक्त सचिव अवधेश नारायण एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. पूनम वर्मा ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं एवं आशीर्वचन देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तुलसीदास का साहित्य आज भी मानवीय मूल्यों एवं संवेदनाओं के लिए प्रासंगिक : वी एस दूबे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रज्ञा समिति की ओर से पटना स्थित कालिदास रंगालय के अनसूया हाल में संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन बिहार एवं झारखंड के पूर्व मुख्य सचिव विजय शंकर दुबे ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि तुलसीदास का साहित्य आज भी मानवीय मूल्यों एवं संवेदनाओं के लिए प्रासंगिक है। तुलसीदास के साहित्य का अध्ययन समकालीन सन्दर्भों के साथ करें और उसमें निहित मानवीय मूल्यों को वर्तमान समाज से जोड़ने का प्रयास करें। अपने अध्यक्षीय भाषण में पटना विश्वविद्यालय के पूर्व सांख्यिकी विभागाध्यक्ष एवं प्रज्ञा समिति के अध्यक्ष प्रो. अमरेन्द्र मिश्र ने कहा कि रामचरितमानस में अभिव्यक्त लोक-मंगल, समन्वय, मर्यादा, करुणा, त्याग और नैतिकता के मूल आज के समय में उतने ही महत्वपूर्ण हैं। मुख्य अतिथि के रुप में अपने विचार को व्यक्त करते हुए पूर्व विशेष सचिव, बिहार सरकार के डॉ उपेन्द्र नाथ पांडेय ने कहा कि तुलसीदास का साहित्य मनुष्य को अपने कर्तव्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदनाओं से जोड़ने का कार्य करता है। विशिष्ट अतिथि डॉ जंग बहादुर पाण्डेय ने भरत के चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डाला। मंगलाचरण राहुल कुमार पाण्डेय, आगत अतिथियों का स्वागत महासचिव तरुण कुमार पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ डी एन तिवारी ने प्रस्तुत किया। मंच का संचालन विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के महासचिव एवं संस्कृत विद्वान डॉ मुकेश कुमार ओझा ने किया। डॉ मुकेश कुमार ओझा ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास की रचनाओं में व्यक्त व्यापक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मानवीय विचारों को समझने की आवश्यकता है।

एसबीआई में राजभाषा की समीक्षा बैठक आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, पटना में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसबीआई पटना मंडल के मुख्य महाप्रबंधक अनुराग जोशी ने की। बैठक का आरंभ मंडल विकास अधिकारी देवेश मित्तल के स्वागत भाषण तथा उद्देश्य व्याख्या से हुआ। उक्त बैठक में बैंक के राजभाषा विभाग द्वारा तैयार की गई गृह-पत्रिका 'चेतना' का विमोचन करते हुए मुख्य महाप्रबंधक श्री जोशी ने कहा कि पत्रिका हमारी गतिविधियों का आईना ही नहीं बल्कि एक ऐसा मंच है जो बैंक स्टाफ सदस्यों की रचना धर्मिता को प्रोत्साहन देती है। महाप्रबंधक योगेन्द्र शेल्के एवं बेनुधर पाढ़ी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि व्यवसाय में हिंदी के प्रयोग से हमें प्रत्यक्ष लाभ मिलता है, अतः हिंदी का प्रयोग हमारा संवैधानिक दायित्व होने के साथ-साथ हमारी व्यावसायिक जरूरत भी है। वक्ताओं ने हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने वाले स्टाफ सदस्यों एवं हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माता और संचार क्रांति के जनक : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की 82वीं जयंती के अवसर पर आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने की। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने स्व राजीव गांधी जी के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि स्व राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माता और संचार क्रांति के जनक थे। उन्होंने देश को 21वीं सदी में ले जाने का सपना देखा और विज्ञान, तकनीक, कंप्यूटर एवं दूरसंचार के क्षेत्र में व्यापक बदलाव की नींव रखी। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने युवाओं को देश की शक्ति मानते हुए उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए। उनके कार्यकाल में देश में तकनीकी शिक्षा, कंप्यूटर और संचार के क्षेत्र में जो परिवर्तन शुरू हुआ, उसने भारत को आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजेश राम ने कहा कि राजीव गांधी का जीवन देश की एकता, अखंडता, लोकतंत्र और विकास के लिए समर्पित था। उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने, युवाओं को राजनीतिक भागीदारी देने तथा देश के विकास को नई दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने कहा कि आज देश जिस डिजिटल और संचार क्रांति के दौर में आगे बढ़ रहा है, उसकी मजबूत आधारशिला राजीव गांधी जी ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व में रखी थी। उनके विचार और आधुनिक भारत के निर्माण का सपना आज भी कांग्रेसजनों तथा देशवासियों को प्रेरणा देता है।

14 घंटे में 51 रोबोटिक बैरिएट्रिक सर्जरी

डॉ. मोहित भंडारी और टीम मोहक की उल्लेखनीय उपलब्धि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डॉ. मोहित भंडारी और टीम मोहक ने 15 अगस्त को मात्र 14 घंटे में 51 रोबोटिक बैरिएट्रिक एवं मेटाबोलिक सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी कीं। इस पहल में छह रोबोटिक सिस्टम, एक निर्धारित कंसोल सर्जन और एक समन्वित भारतीय क्लिनिकल टीम शामिल रही। 51 मरीजों में 30 पुरुष और 21 महिलाएं शामिल थीं। मरीजों की आयु 21 से 77 वर्ष के बीच रही, औसत आयु 43.6 वर्ष और औसत वजन लगभग 122 किलोग्राम रहा। इस उपलब्धि के लिए मानकीकृत सर्जिकल प्रोटोकॉल तथा सर्जरी, एनेस्थीसिया, नर्सिंग और सपोर्ट टीमों के बीच बेहतर समन्वय किया गया। डॉ. मोहित भंडारी अब तक 40,000 से अधिक बैरिएट्रिक सर्जरी कर चुके हैं। इस पहल का बाहरी पर्यवेक्षण भी किया गया तथा औपचारिक मान्यता के लिए दस्तावेज गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड्स को प्रस्तुत किए गए हैं। डॉ. मोहित भंडारी ने कहा कि 51 का आंकड़ा इस उपलब्धि का केवल एक हिस्सा है। एक भारतीय सर्जिकल टीम उन्नत तकनीक, स्वदेशी नवाचार, चिकित्सकीय विशेषज्ञता और टीमवर्क के माध्यम से जटिल सर्जरी की पहुंच को बड़े स्तर तक ले जाने में सक्षम है।

टाटा पावर ने की बिहार में घर-घर सोलर की शुरुआत

टाटा पावर सोलारूफ योजना के तहत 999 में लगवा सकेंगे रूफटॉप सोलर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड का हिस्सा और टाटा पावर कंपनी की सहायक कंपनी टाटा पावर सोलारूफ ने अपनी प्रमुख घर-घर सोलर पहल को बिहार में शुरू किया। इसके साथ ही राज्यभर में किफायती, भरोसेमंद और टिकाऊ ऊर्जा समाधानों की पहुंच बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। इस अभियान में रूफटॉप सोलर, बैटरी स्टोरेज, लचीली फाइनेंसिंग और समुदाय आधारित सहभागिता को एक साथ लाया गया है। ताकि घरों, व्यवसायों और समुदायों को अपनी ऊर्जा जरूरतों पर अधिक नियंत्रण रखने में मदद मिल सके। इस अवसर पर टाटा पावर के सीईओ एवं एमडी प्रवीर सिन्हा ने कहा कि इस अभियान के तहत टाटा पावर सोलारूफ अगले तीन वर्षों में बिहार के 5 लाख घरों में रूफटॉप सोलर अपनाने की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है जिससे राज्य को विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। यह पहल शहरी, अर्द्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को कवर करेगी और 1 किलोवाट से 10 किलोवाट तक के रूफटॉप सोलर समाधान उपलब्ध कराएगी जो अलग-अलग बिजली खपत की जरूरतों को पूरा करेंगे। बिहार में विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा में बढ़ती रुचि देखने को मिल रही है जिसे स्वच्छ ऊर्जा के प्रति बढ़ती जागरूकता, बिजली की बढ़ती मांग और अधिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की बढ़ती जरूरत बढ़ावा दे रही है। टाटा पावर के सीईओ, एमडी एवं प्रेसिडेंट संजय बंगा ने कहा कि घर-घर सोलर अभियान की एक प्रमुख विशेषता टाटा पावर सोलारूफ की विशेष फाइनेंसिंग योजना सिर्फ 999 में भुगतान करें जिसे रूफटॉप सोलर अपनाने में आने वाली शुरुआती आर्थिक बाधा को काफी कम करने के लिए तैयार किया गया है।

भागलपुर और अहमदाबाद के मध्य नई अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर पटना और अहमदाबाद के मध्य चलायी जा रही गाड़ी सं. 09447/09448 अहमदाबाद-पटना-अहमदाबाद क्लोन स्पेशल का गाड़ी सं. 19423/19424 भागलपुर-अहमदाबाद-भागलपुर साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में नियमित परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है। इस अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन अहमदाबाद से 26 अगस्त, 2026 से प्रत्येक बुधवार को तथा भागलपुर से 28 अगस्त, 2026 से प्रत्येक शुक्रवार को किया जायेगा। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. के 02, पेण्ट्रीकार का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 11 तथा शयनयान श्रेणी के 08 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे। गाड़ी सं. 19423 अहमदाबाद-भागलपुर साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस 26 अगस्त, 2026 से प्रत्येक बुधवार को अहमदाबाद से 18.30 बजे प्रस्थान कर गुरूवार को 21.13 बजे डीडीयू, 22.30 बजे बक्सर, 23.15 बजे आरा, 23.50 बजे दानापुर, शुक्रवार को 00.43 बजे पटना जं., 01.25 बजे बख्तियारपुर, 02.08 बजे मोकामा, 03.30 बजे किउल, 04.01 बजे अभयपुर, 04.30 बजे जमालपुर, 05.13 बजे सुलतानगंज रूकते हुए 06.40 बजे भागलपुर पहुंचेगी।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने किया आश्रित हितलाभ का भुगतान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम बिहार क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक सीए निरंजन कुमार द्वारा सादे समारोह में मेसर्स कर्णवीर सिंह यादव इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के अंतर्गत पंजीकृत व्यक्ति स्व. शिव शंकर सिंह जो सासाराम (रोहतास) में कुशल श्रमिक के पद पर कार्यरत थे उनकी पत्नी - मीरा देवी, पुत्र - संजीव कुमार को सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अंतर्गत आश्रित हितलाभ प्रदान किया गया और संवेदना व्यक्त की गयी। स्व शिव शंकर सिंह की मृत्यु 25-03-2019 को कार्य के दौरान रोजगार चोट के कारण हुई थी। वे परिवार में अकेले कमाने वाले थे व परिवार पूर्णतः आर्थिक रूप से उन पर निर्भर था। नियोजक द्वारा दुर्घटना रिपोर्ट भेजे जाने के पश्चात इसकी जांच की गयी तथा ई0एस0आई0सी0 द्वारा आश्रितों के लिए मासिक पेंशन स्वीकृत किया गया। पेंशन के रूप में 470 रु. प्रतिदिन की दर से प्रतिमाह रु.8460/- आश्रितों को मिलेगा। दुर्घटना की तिथि से आज तक लगभग रु. 9,90,572/- रुपये का बकाया भुगतान भी उनके खाते में अंतरित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कार्य के दौरान व कार्यस्थल और निवासस्थान के मध्य आवागमन के कारण होने वाली दुर्घटना को सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत रोजगार चोट के रूप में स्वीकृत करने का प्रावधान है जिसके अंतर्गत बीमित कर्मचारी की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हो जाने पर उनके आश्रित परिवारजनों को ई0 एस0 आई0 योजना के तहत वेतन का 90% तक मासिक आश्रित पेंशन दिया जाता है।

केवाइपी केंद्रों के बंद रहने से बढ़ी नाराजगी, पटना में संचालकों ने खोला मोर्चा

लंबित भुगतान, प्रशिक्षण बहाली और री-टेंडरिंग पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के विभिन्न जिलों से पटना पहुंचे कुशल युवा कार्यक्रम केंद्र संचालकों ने गुरुवार को नियोजन भवन परिसर में प्रदर्शन कर सरकार और विभाग के समक्ष अपनी मांगें रखीं। केंद्र संचालकों ने कई महीनों से बंद पड़े केवाईपी केंद्रों में प्रशिक्षण कार्य जल्द शुरू कराने, लंबित राशि का भुगतान करने और री-टेंडरिंग को लेकर स्पष्ट नीति बनाने की मांग की। केवाईपी वेलफेयर सोसाइटी के बैनर तले हुए प्रदर्शन में संचालकों ने कहा कि बिहार में करीब 1,834 केवाईपी केंद्र स्थापित हैं। इनमें 1,731 से अधिक केंद्र बिहार कौशल विकास मिशन के पोर्टल पर क्रियाशील दिखाए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाता रहा है और हजारों लोगों की आजीविका भी इससे जुड़ी है। संचालकों ने कहा कि वर्ष 2016 में शुरू किया गया कुशल युवा कार्यक्रम युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देने की महत्वपूर्ण योजना है। लेकिन कई महीनों से केंद्रों में प्रशिक्षण बंद रहने के कारण युवाओं को परेशानी हो रही है। साथ ही केंद्र संचालकों को भी आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान री-टेंडरिंग का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। संचालकों ने कहा कि वर्षों से काम कर रहे अनुभवी केंद्रों को नई टेंडर प्रक्रिया में शामिल करने से पहले उनके हितों पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि नई प्रक्रिया लागू करने से पहले केंद्र संचालकों के साथ व्यापक संवाद किया जाए। वक्ताओं ने विभागीय अधिकारियों से संवाद की कमी पर भी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि समस्याओं को लेकर लगातार विभाग से संपर्क किया जा रहा है, लेकिन स्पष्ट जानकारी और समाधान नहीं मिल पा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने लंबित भुगतान तत्काल करने की मांग भी उठाई। इस अवसर पर डॉ. आनंद रंजन झा, अमोद कुमार सिंह, जितेंद्र तिवारी, नितेश मोहन, जितेश कुमार, मनीष कुमार, बिट्टू कुमार सहित कई केंद्र संचालक मौजूद रहे। संचालकों ने कहा कि केवाईपी सिर्फ उनकी आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि बिहार के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने वाली महत्वपूर्ण योजना है। मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक करने की चेतावनी दी गई।

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, शुक्रवार 21 अगस्त 2026

संपादकीय

धार्मिक पर्यटन से राजस्व तो बढ़ा, लेकिन श्रद्धालुओं की 'सुरक्षा' का जिम्मेदार कौन?

देश में जब कभी भगदड़ की कोई घटना होती है, तो सरकार की ओर से आश्वासनों के जरिए यही संदेश दिया जाता है कि भविष्य में इस तरह के हादसों से बचने के लिए व्यवस्था में सुधार कर पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे। मगर इन दावों की हकीकत तब सामने आती है, जब कुछ दिन बाद दूसरी जगह इसी तरह का हादसा हो जाता है।इसका ताजा उदाहरण बिहार के लखीसराय जिले में अशोक धाम मंदिर के पास सोमवार सुबह देखने को मिला, जहां रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और चौदह अन्य घायल हो गए। इसी तरह उज्जैन के महाकालेश्वर परिसर में स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ के बीच भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिससे कई लोगों को चोटें आईं।जाहिर है कि इस तरह के हादसों से न तो सरकार और न ही मंदिर प्रबंधन या धार्मिक समागम के आयोजक कोई सबक लेते हैं। ऐसे में अहम सवाल यह है कि भगदड़ की घटनाओं पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या पीड़ित परिवारों को कुछ रुपए की आर्थिक मदद ही उनके लिए न्याय के समान है!यह बात छिपी नहीं है कि देश भर में आए दिन भगदड़ की घटनाओं में लोगों की जान जाने का सिलसिला वर्षों से जारी है। खासकर धार्मिक स्थलों पर इस तरह के हादसे आम हो गए हैं। पिछले दो वर्षों की प्रमुख घटनाओं पर नजर डालें, तो उत्तर प्रदेश के हाथरस में जुलाई, 2024 में एक धार्मिक समागम में हुई भगदड़ में सौ से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। पिछले वर्ष जनवरी में महाकुंभ के दौरान संगम क्षेत्र में मची भगदड़ से तीस लोगों की जान चली गई थी।इसके बाद फरवरी में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वाले यात्रियों की भीड़ के कारण इसी तरह के हादसे में अठारह लोगों की मौत हो गई थी। गत वर्ष जुलाई में हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में हुई भगदड़ में छह श्रद्धालुओं ने दम तोड़ दिया था। सवाल है कि केंद्र और राज्य सरकारों के बार-बार आश्वासनों के बावजूद धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं हो पा रहे हैं?किसी भी स्तर पर भीड़ प्रबंधन को लेकर गंभीरता और संवेदनशीलता नजर क्यों नहीं आती है? इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि एक ओर विभिन्न राज्य सरकारों की ओर से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं, ताकि इस क्षेत्र को राजस्व के एक बड़े स्रोत के रूप में विकसित किया जा सके। मगर इसके समांतर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मोर्चे पर कोई विशेष इंतजाम नजर नहीं आते हैं।खबरों के मुताबिक, अशोक धाम रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना उस समय हुई, जब श्रद्धालुओं की भीड़ के दबाव में अवरोधक का एक हिस्सा टूट गया और लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे। सवाल है कि स्टेशन पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए माकूल व्यवस्था क्यों नहीं की गई थी।

अल्पसंख्यकों की असुरक्षा से आतंकवाद तक पाक का यथार्थ

(ललित गर्ग)

1947 में जब पाकिस्तान वजूद में आया एवं 1951 की जनगणना में पूरे तत्कालीन पाकिस्तान में हिंदुओं की हिस्सेदारी लगभग 14.6 प्रतिशत थी, पाकिस्तान की 2023 की आधिकारिक जनगणना में 'हिंदू जाति' की आबादी 3,867,729 और 'अनुसूचित जाति' की आबादी 1,349,487 दर्ज की गई है। पाकिस्तान के राष्टपति आसिफ अली जरदारी का स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिया गया हालिया बयान केवल एक जहरीली एवं कड़वी राजनीतिक टिप्पणी ही नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की उस मानसिकता का आईना है, जिसमें भारत के प्रति कटुता, अविश्वास, नफरत और वैचारिक विरोध आज भी गहरे पैठे हुए हैं। जरदारी ने 'अखंड भारत' की अवधारणा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय इसमें विश्वास करते हैं, लेकिन वे मुसलमान होने के नाते इससे सहमत नहीं हैं। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान में हिंदुओं के सुरक्षित और सुखी होने का दावा भी किया। सवाल यह है कि दुनिया किसी राष्ट्राध्यक्ष के दावे पर विश्वास करे या आंकड़ों और जमीन पर दिखाई देने वाली वास्तविकता पर? इतिहास का न्याय भावनाओं से नहीं, तथ्यों से होता है। और पाकिस्तान के संदर्भ में जनसांख्यिकी, अल्पसंख्यकों की स्थिति, धार्मिक स्वतंत्रता और आतंकवाद-ये चारों क्षेत्र ऐसे आईने हैं जिनमें उसकी अपनी तस्वीर साफ दिखाई देती है। 1947 में जब पाकिस्तान वजूद में आया एवं 1951 की जनगणना में पूरे तत्कालीन पाकिस्तान में हिंदुओं की हिस्सेदारी लगभग 14.6 प्रतिशत थी, पाकिस्तान की 2023 की आधिकारिक जनगणना में 'हिंदू जाति' की आबादी 3,867,729 और 'अनुसूचित जाति' की आबादी 1,349,487 दर्ज की गई है। कुल आबादी 240.46 मिलियन है। इन दोनों श्रेणियों को जोड़ें तो हिस्सा लगभग 2.17 प्रतिशत बैठता है। अर्थात आज के पाकिस्तान में हिंदू समुदाय की जनसंख्या हिस्सेदारी अत्यंत सीमित रह गई है। इसके विपरीत भारत की स्थिति को भी तथ्यों के साथ ही देखना चाहिए। भारत की अंतिम प्रकाशित पूर्ण जनगणना 2011 की है। उसमें मुस्लिम आबादी 14.23 प्रतिशत, यानी 17.22 करोड़ दर्ज हुई थी। यही वह बिंदु है जहां भारत और पाकिस्तान के बीच वास्तविक अंतर सामने आता है। भारत ने धर्म के आधार पर नागरिकता की अवधारणा को राज्य की नागरिकता का आधार नहीं बनाया। संविधान ने हर नागरिक को समान नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और अपनी आस्था के पालन की स्वतंत्रता दी। भारत में मुसलमानों ने राष्टपति, उपराष्टपति, केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, न्यायपालिका, सेना, शिक्षा, उद्योग, कला, खेल और प्रशासन सहित जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाई है। यह लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। इसके विपरीत पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं की रिपोर्टें गंभीर प्रश्न उठाती हैं। ह्यूमन राइटस वाच की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को हिंसा, मनमानी गिरफ्तारी और सामाजिक दबाव के प्रति अत्यंत संवेदनशील बना दिया है। रिपोर्ट में हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदियों सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और जबरन विवाह-धर्मांतरण जैसी समस्याओं का उल्लेख है। 2023 में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के जरनवाला में ईशनिंदा के आरोपों के बाद चर्चों और ईसाई घरों पर भीड़ के हमले हुए। ह्यूमन राइटस वाच ने पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के इस्तेमाल से अल्पसंख्यकों की संपत्ति पर कब्जे और उन्हें घर छोड़ने के लिए मजबूर किए जाने के मामलों का भी दस्तावेजीकरण किया है। ऐसे में जरदारी का यह कहना कि पाकिस्तान के हिंदू बहुत खुश हैं, एक झूठा, गुमराह करने वाला एवं भ्रामक राजनीतिक दावा तो हो सकता है, लेकिन उसे व्यापक तथ्यात्मक प्रमाण की कसौटी पर परखा जाना चाहिए। किसी देश में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं या नहीं, इसका प्रमाण केवल राष्ट्राध्यक्ष का बयान नहीं, बल्कि उनके नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, मंदिरों और पूजा स्थलों की सुरक्षा, कानून के सामने समानता तथा भयमुक्त जीवन है। भारत में सरकारों के खिलाफ मुसलमानों एवं अन्य अल्पसंख्यकों के द्वारा आवाज उठाई जा सकती है, न्यायालयों में चुनौती दी जा सकती है। यही लोकतांत्रिक भारत और धार्मिक-सामुदायिक असुरक्षा से जूझते पाकिस्तान के बीच बुनियादी अंतर है। दूसरा बड़ा प्रश्न पाकिस्तान के भारत-विरोधी आतंकवाद का है। पिछले कई दशकों में सीमा पार आतंकवाद भारत की सुरक्षा के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में रहा है। संसद पर हमला, मुंबई हमले, पठानकोट, उरी, पुलवामा और जम्मू-कश्मीर में लगातार हिंसक घटनाएं इस समस्या का हिस्सा रही हैं। 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविर पर कार्रवाई की। विदेश मंत्रालय ने उस समय स्पष्ट किया था कि पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध कार्रवाई की गई क्योंकि पाकिस्तान उन्हें नष्ट करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा था। 2025 में पहलगाम के आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सुरक्षा नीति में एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत दिया। 22 अप्रैल 2025 के हमले में 26 लोगों की हत्या के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारत सरकार ने इसे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध लक्षित और नियंत्रित कार्रवाई बताया। यह परिवर्तन केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं है। भारत ने आतंकवाद के साथ-साथ उसके वित्तीय और नशीले पदार्थों के नेटवर्क पर भी ध्यान केंद्रित किया है। सरकार ने विदेशी तत्वों द्वारा नशीले पदार्थों को सीमा पार भेजकर 'नार्को-टेरर' को वित्त उपलब्ध कराने की बात कही है। यहां भारत की चुनौती केवल सीमा पर बंदूक लेकर खड़े आतंकवादी से नहीं है। चुनौती उस पूरे तंत्र से है जिसमें आतंकवाद, हथियार, ड्रोन, नशीले पदार्थ, फर्जी सूचनाएं और सामाजिक विभाजन-सब एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। पिछले एक दशक से अधिक समय में भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि उसने पाकिस्तान को यह संदेश दिया है कि आतंकवाद और बातचीत को समानांतर रास्तों पर नहीं चलाया जा सकता। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट कार्रवाई और 2025 का ऑपरेशन सिंदूर अलग-अलग घटनाएं जरूर हैं, लेकिन इनके पीछे एक समान संदेश दिखाई देता है-भारत अब आतंकवाद को केवल सहने या निंदा करने तक सीमित नहीं रहेगा। इस बदले हुए भारत की तस्वीर पाकिस्तान की बेचैनी को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण है। भारत की अर्थव्यवस्था, तकनीकी क्षमता, अंतरिक्ष कार्यक्रम, रक्षा उत्पादन, डिजिटल बुनियादी ढांचा, वैश्विक कूटनीति और रणनीतिक प्रभाव लगातार बढ़े हैं। आज भारत को विश्व राजनीति में केवल दक्षिण एशिया की शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक निर्णय-प्रक्रिया के महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखा जाता है। पाकिस्तान की समस्या केवल यह नहीं है कि भारत उससे आर्थिक और सामरिक रूप से आगे निकल रहा है, उसकी बड़ी समस्या यह है कि भारत अपनी बहुलतावादी लोकतांत्रिक पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। जरदारी का बयान इसलिए भी विचारणीय है कि पाकिस्तान को भारत के भीतर की विविधता पर टिप्पणी करने से पहले अपने घर के भीतर झांकना चाहिए। भारत में मुसलमानों की आबादी बढ़ती आबादी का तथ्य स्वयं बताता है कि भारत में मुस्लिम समुदाय का अस्तित्व, विस्तार और सामाजिक जीवन किसी 'समाप्ति' की कहानी नहीं है। दूसरी ओर पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर आज भी अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाएं गंभीर चिंता व्यक्त कर रही हैं। इसलिए दुनिया के उन देशों को भी पाकिस्तान के प्रति अपनी नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए, जो केवल रणनीतिक या राजनीतिक हितों के कारण उसकी हर बात का समर्थन करते हैं। किसी राष्ट्र का मूल्यांकन उसके भाषणों से नहीं, उसके व्यवहार से होना चाहिए। यदि कोई देश एक तरफ आतंकवाद के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिबद्धता जताए और दूसरी तरफ उसकी धरती से सक्रिय आतंकी नेटवर्क लगातार पड़ोसी को निशाना बनाते रहें, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को केवल कूटनीतिक शब्दों से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। भारत की शक्ति का अर्थ किसी धर्म या देश के प्रति घृणा नहीं, बल्कि अपने नागरिकों की सुरक्षा, सीमाओं की रक्षा और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई है। भारत के मुसलमान भी उतने ही भारतीय हैं जितने हिंदू, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध और अन्य समुदाय। आज पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न भारत नहीं, बल्कि स्वयं पाकिस्तान है-वह कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद को विदेश नीति का औजार बनाना अंततः उसी समाज को अस्थिर करता है जिसने उसे जन्म दिया? पाकिस्तान में आतंकवादी संगठनों की हिंसा का दंश स्वयं वहां के नागरिक भी झेल रहे हैं। ह्यूमन राइटस वाच के अनुसार 2025 में पाकिस्तान में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के हमलों में सैकड़ों लोग मारे गए। जरदारी को भारत के 'अखंड भारत' की चिंता करने से पहले अपने वर्तमान पाकिस्तान की अखंडता, शांति और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की चिंता करनी चाहिए। इतिहास का सबसे बड़ा व्यंग्य यही है कि जो राष्ट्र भारत की एकता पर प्रश्न उठाता है, वह स्वयं आतंकवाद, राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और सामाजिक विभाजन से जूझता रहा है।

मानव सेवा से जुड़े वालेंटियरों का सम्मान जरूरी

(डॉ. रमेश ठाकुर)

अभी हाल में लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हमले हुए थे, जिसकी भारत सरकार ने भी कड़ी निंदा की और कहा है कि शांति सैनिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने इसको लेकर संयुक्त राष्ट्र को वैश्विक प्रस्ताव पेश करने का आह्वान भी किया है।

कुदरती आपदाएं हों या मानवीय हिमाकतों से उपजी विभिन्न किस्म की समस्याएं, प्रत्येक संकटों के वक्त ईश्वर हर मानव को मानवता दिखाने का अवसर देता है। भगवान की इस अदृश्य परीक्षा में कुछ पास होते हैं तो कुछ असफल। आज 'विश्व मानवतावादी दिवस' है जो प्रत्येक मानव को मानवता दिखाने के लिए प्रेरित और जागरूक करता है। प्रतिवर्ष 19 अगस्त की तारीख को समूचे संसार में एक साथ ये दिवस मनाया जाता है। दिवस उन मानवीय सहायता कर्मियों, शांति सैनिकों, सिविल डिफेंस, सुरक्षाकर्मियों, को समर्पित है, जो विकराल संकटों में निर्बलों और असहायों की मदद के लिए अपने प्राणों को दांव पर लगाकर औरों के जीवन को बचाते हैं। पर, अफसोस अब आए दिन ऐसे सुरक्षाकर्मियों पर भी हमले होने लगे हैं। जबकि, रक्षाकर्मी सदैव सम्मान के पात्र रहे हैं। मानवतावाद, मानवीय प्रणाली के सभी भागीदारों को एकजुट करके संकट से प्रभावित लोगों के अस्तित्व, कल्याण और गरिमा के लिए मानवीय कार्यकर्ताओं की सुरक्षा और संरक्षण की वकालत करता है। पूरे भारत में करीब 11 करोड़ सिविल डिफेंस कर्मी हैं। सिर्फ दिल्ली में एक लाख 34 हजार वॉलंटियर्स हैं। इसके अलावा विभिन्न गैर-सरकारी संस्थाओं से भी लोग जुड़े हैं। वैश्विक धरा पर शांति सैनिकों की संख्या 60 करोड़ के आसपास है।

मानवतावादी दिवस की शुरुआत 2008 में संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के बाद हुई थी। प्रस्तावना बगदाद में घटी 19 अगस्त 2003 को एक हृदय विदारक घटना को आधार बनाकर हुई। बगदाद शहर के प्रसिद्ध पांच सितारा होटल 'कैनाल ब्लू' में आतंकियों ने सुबह के समय भयानक बम ब्लास्ट किया, जिसमें करीब 22 होटल कर्मी मारे गए और दर्जनों गंभीर रूप से घायल हुए। ब्लास्ट किचन एरिया और सर्वेंट रूमों के अलावा उन जगहों पर किया गया जहां होटल कर्मियों की ही मौजूदगी थी। ब्लास्ट की आवाज सुनकर होटल में रह रहे लोग मदद को भागे। होटल में 208 कमरें थे और सभी में मेहमानों की मौजूदगी थी। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना ना सिर्फ 85 कर्मियों को बचाया, बल्कि मानवीय सिद्धांतों की अलख जगाकर पूरे विश्व में संदेश दिया कि विकट परीस्थियों में मदद के लिए कभी मुंह नहीं मोड़ना चाहिए। मानवीय गरिमा को बनाए रखने में प्रत्येक मानव को खुद की जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। इसलिए पहला धर्म यही है कि नागरिकों, मानवीय सहायता कर्मियों और शांति सैनिकों का सम्मान करके उनकी रक्षा जनमानस को करनी चाहिए।

अभी हाल में लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हमले हुए थे, जिसकी भारत सरकार ने भी कड़ी निंदा की और कहा है कि शांति सैनिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने इसको लेकर संयुक्त राष्ट्र को वैश्विक प्रस्ताव पेश करने का आह्वान भी किया है। भारत, शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के प्रयासों में अग्रणी रहा है। इस संदर्भ में भारत ने नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2589 का नेतृत्व भी किया है, जिसका उद्देश्य शांति सैनिकों के विरुद्ध अपराधों के लिए जवाबदेही तय करना है।

आज का दिन जनमानस को मानवतावादी कार्यकर्ताओं को सम्मान देने और वैश्विक संकट से जूझते लोगों की मदद के लिए खड़े होने का आहवान करता है। सुरक्षाकर्मियों पर होने वाले हमले बेहद निंदनीय और किसी भी देश की कानून-व्यवस्था पर घोर आघात जैसा है। शांति बनाए रखने वाले जवानों पर हिंसा समाज और लोकतंत्र पर कालिख समान है। मानवीय सहायता कर्मियों पर हमलों के परिणाम प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित व्यक्तियों से कहीं अधिक व्यापक होते हैं। ये हमले खाद् आपूर्ति, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और अन्य जीवन रक्षक सेवाओं को बाधित करते हैं, जिससे समुदायों के पास जीवित रहने और उबरने के साधन और भी कम हो जाते हैं। इसलिए सभी को आज के दिन संकल्पित होना चाहिए कि मदद के वक्त खड़ा होना चाहिए और सुरक्षाकर्मियों को सम्मान प्रदान करना चाहिए। सदस्य, राष्टीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (एनआईपीसीसीडी) भारत सरकार।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भाषा बोझ नहीं, ज्ञान का पुल बने- क्यों प्राथमिक शिक्षा में मातृभाषा है सबसे ज़रूरी

(हिमांशु सिंह)

यह एक सार्थक पहल है। इस व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी भाषा से जोड़े रखते हुए उन्हें अन्य भाषाओं को सीखने का अवसर प्रदान करना है। निश्चित रूप से इसके सार्थक नतीजे निकलेंगे। इस निर्णय पर समाज में अलग-अलग वर्ग से प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। अनेक शिक्षाविदों और अभिभावकों का मानना है कि एक से अधिक भारतीय भाषाओं का ज्ञान बच्चों की संवाद क्षमता को बढ़ाएगा और उन्हें देश की भाषाई विविधता को समझने में सहायता करेगा। नई भाषा सीखने से स्मरण शक्ति, रचनात्मकता और विभिन्न संस्कृतियों के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी।वहीं, कुछ अभिभावकों, विद्यार्थियों व विद्यालयों ने व्यावहारिक चुनौतियों की ओर भी ध्यान दिलाया है।

मातृभाषा शिक्षा की पहली खिड़की है जो अवधारणाओं को समझने और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करती है। सीबीएसई की त्रि-भाषा नीति बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ते हुए नई भाषाएँ सीखने का संतुलित अवसर देती है। किसी बच्चे के जीवन में भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह उसके सोचने, समझने और संसार को पहचानने की पहली खिड़की भी होती है। जन्म के बाद बच्चा जिस भाषा में अपने माता-पिता से स्नेह पाता है, अपने आसपास की वस्तुओं को पहचानता है और अपने विचार व्यक्त करना सीखता है, वही उसकी मातृभाषा होती है। इसलिए जब शिक्षा की शुरुआत उसी परिचित भाषा में होती है, तो सीखना बच्चे के लिए बोझ नहीं, बल्कि एक सहज और उत्साहजनक प्रक्रिया बन जाती है। मातृभाषा की यह शक्ति अद्भुत है। भारत भाषाई विविधता से समृद्ध देश है। यहां अलग-अलग क्षेत्रों में अनेक भाषाएं और बोलियां प्रचलित हैं। प्रत्येक भाषा अपने भीतर उस क्षेत्र का इतिहास, संस्कृति, लोक ज्ञान और जीवन-अनुभव समेटे हुए है। ऐसे में मातृभाषा में शिक्षा का महत्त्व केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, यह बच्चों को उनकी सामाजिक और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का भी माध्यम है। प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चे के सामने दोहरी चुनौती होती है। उसे एक ओर नए विषय और नई अवधारणाएं समझनी होती है, दूसरी ओर यदि पढ़ाई किसी अपरिचित भाषा में हो रही हो, तो पहले उस भाषा को समझने का प्रयास करना पड़ता है। इससे कई बार बच्चे की वास्तविक बौद्धिक क्षमता सामने नहीं आ पाती। वह विषय को समझने के बजाय शब्दों और उनके अर्थ याद करने में उलझ जाता है। इसके विपरीत, परिचित भाषा में पढ़ाए जाने पर वह प्रश्न पूछने, उदाहरण देने और अनुभवों को पाठ से जोड़ने में अधिक सहज महसूस करता है। सरकारी नीतियों में इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। मातृभाषा में शिक्षा का सबसे बड़ा लाभ अवधारणाओं की स्पष्ट समझ है। यदि किसी बच्चे को गणित, विज्ञान या पर्यावरण से जुड़ी बात उसके घर एवं परिवेश की भाषा में समझाई जाए, तो वह उसे अपने दैनिक जीवन से आसानी से जोड़ सकता है। जल संरक्षण, खेती, मौसम या स्थानीय वनस्पतियों से जुड़े विषयों को परिचित शब्दों और स्थानीय उदाहरणों के माध्यम से प्रभावी ढंग से समझाया जा सकता है। ऐसी शिक्षा केवल परीक्षा के लिए याद की गई जानकारी नहीं होती, बल्कि लंबे समय तक स्मृति में रहने वाला ज्ञान बन जाती है। भाषा का आत्मविश्वास से भी गहरा संबंध है। यह चिंता की बात है कि कई बच्चे केवल इसलिए कक्षा में प्रश्न नहीं पूछते, क्योंकि वे शिक्षण की भाषा में स्वयं को सहजता से व्यक्त नहीं कर पाते। यह झिझक उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करने लगती है। कभी-कभी भाषा की कमजोरी को ज्ञान की कमी समझ लिया जाता है, जबकि दोनों अलग बातें हैं। मातृभाषा में अपनी बात रखने का अवसर मिलने पर बच्चा अधिक सक्रिय होकर कक्षा की गतिविधियों में भाग लेता है। उसे यह अनुभव होता है कि उसकी भाषा और उसके विचारों का भी सम्मान है। ऐसे में मातृभाषा में शिक्षा की पहल महत्त्वपूर्ण है। इसी व्यापक सोच के बीच विद्यालयी शिक्षा में तीन भाषाओं को पाठ्यक्रम से जोड़ने की व्यवस्था चर्चा का विषय बनी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के अनुरूप केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने त्रि-भाषा व्यवस्था लागू करने की दिशा में नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को तीन भाषाओं का अध्ययन करना होगा और उनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने भी विभिन्न भारतीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री और पुस्तकों की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में प्रयास किए हैं। यह एक सार्थक पहल है। इस व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी भाषा से जोड़े रखते हुए उन्हें अन्य भाषाओं को सीखने का अवसर प्रदान करना है। निश्चित रूप से इसके सार्थक नतीजे निकलेंगे। इस निर्णय पर समाज में अलग-अलग वर्ग से प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। अनेक शिक्षाविदों और अभिभावकों का मानना है कि एक से अधिक भारतीय भाषाओं का ज्ञान बच्चों की संवाद क्षमता को बढ़ाएगा और उन्हें देश की भाषाई विविधता को समझने में सहायता करेगा। नई भाषा सीखने से स्मरण शक्ति, रचनात्मकता और विभिन्न संस्कृतियों के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी।वहीं, कुछ अभिभावकों, विद्यार्थियों व विद्यालयों ने व्यावहारिक चुनौतियों की ओर भी ध्यान दिलाया है। उनकी चिंता है कि माध्यमिक कक्षाओं में अचानक नई भाषा जोड़ने से विद्यार्थियों पर अतिरिक्त शैक्षणिक दबाव पड़ सकता है। कुछ विद्यालयों में अलग-अलग भाषाओं के प्रशिक्षित शिक्षकों और पर्याप्त पाठ्य सामग्री की उपलब्धता भी चुनौती हो सकती है। पहले से विदेशी भाषा पढ़ रहे विद्यार्थियों के सामने विषय बदलने व नई भाषा के साथ तालमेल बैठाने की कठिनाई भी सामने आ सकती है। हालांकि इन चिंताओं को देखते हुए कुछ लचीले प्रावधान किए गए हैं। यह दर्शाता है कि किसी भी शैक्षणिक सुधार की सफलता केवल उसके उद्देश्य पर नहीं, बल्कि उसके संवेदनशील और व्यवस्थित क्रियान्वयन पर निर्भर करती है और यह जरूरी भी है। तीन भाषाएं सीखना तभी लाभकारी होगा, जब इसे अंकों व परीक्षाओं के अतिरिक्त बोझ के रूप में न देखा जाए। भाषा को कहानियों, कविताओं, संवाद, नाटक, लोकगीत और दैनिक जीवन के अनुभवों से सिखाया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को भाषा चुनने में पर्याप्त विकल्प मिलें तथा किसी क्षेत्र की भाषाई परिस्थितियों और विद्यालयों के उपलब्ध संसाधनों का भी ध्यान रखा जाए। भाषा सीखने का उद्देश्य संवाद व समझ का विस्तार होना चाहिए, केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं। यह भी समझना जरूरी है कि मातृभाषा को महत्त्व देने का अर्थ अंग्रेजी या किसी अन्य भाषा के महत्त्व को कम करना नहीं है। आज उच्च शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और वैश्विक रोजगार के क्षेत्र में अंग्रेजी सहित अनेक भाषाओं का ज्ञान उपयोगी है। आवश्यकता किसी एक भाषा को दूसरी भाषा का प्रतिस्पर्धी बनाने की नहीं, बल्कि उनके बीच संतुलन स्थापित करने की है। बच्चे की बुनियादी शिक्षा उस भाषा में मजबूत होनी चाहिए, जिसे वह सहजता से समझता है।मातृभाषा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए केवल नीतिगत घोषणाएं पर्याप्त नहीं होंगी। इसके लिए अच्छी पाठ्यपुस्तकों, प्रशिक्षित शिक्षकों, वैज्ञानिक शब्दावली, डिजिटल सामग्री और स्थानीय भाषाओं में उपयोगी शैक्षणिक संसाधनों का विकास आवश्यक है। साथ ही अभिभावकों को भी यह समझना होगा कि किसी बच्चे की प्रतिभा का मूल्यांकन केवल उसके अंग्रेजी बोलने की क्षमता से नहीं किया जा सकता। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य बच्चे को केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि उसे स्वतंत्र रूप से सोचने, प्रश्न पूछने और आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने योग्य बनाना है।मातृभाषा इस उद्देश्य तक पहुंचने का सबसे सहज मार्ग हो सकती है। अगर विद्यालय बच्चों की अपनी भाषा को सम्मान देते हुए उन्हें अन्य भाषाओं से भी परिचित कराएं, तो शिक्षा अधिक समावेशी, प्रभावी और जीवन से जुड़ी बन सकती है। भाषा जब सीखने की बाधा नहीं, बल्कि ज्ञान तक पहुंचने का पुल बनती है, तभी शिक्षा अपने वास्तविक अर्थ को हासिल करती है।

दियारा में घास काटने गई महिला की धारदार हथियार से हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमदाबाद (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के दुर्गापुर पंचायत के महानंदा नदी के उस पार गोविंदपुर बहरसाल दियारा में घास काटने गई दो मौसेरी बहनों पर अज्ञात व्यक्ति ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। मृतका की पहचान पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के हरिश्चंद्रपुर थाना क्षेत्र के दौलतनगर निवासी प्रदीप मंडल की पत्नी चंडिका मंडल (30) के रूप में हुई है। वहीं घायल महिला की पहचान रूम्पा मंडल (27) के रूप में हुई है। दोनों मौसेरी बहनें हैं और दोनों का विवाह एक ही गांव में हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही मनिहारी प्रभारी डीएसपी आसिफ आलम एवं थानाध्यक्ष राजन कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लेकर घटना से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की जानकारी ली। गंभीर रूप से घायल रूम्पा मंडल ने बताया कि रोज की तरह दोनों बहनें दियारा में घास काटने गई थीं। वहां एक बुजुर्ग व्यक्ति भी घास काट रहा था। एक अन्य व्यक्ति भी मौजूद था। कुछ देर बाद बुजुर्ग व्यक्ति वहां से चला गया। घास काटने के बाद दोनों बहनों ने दूसरे व्यक्ति से घास उठाने को कहा। उसने घास का पाला उठाकर चंडिका को दिया। इसके कुछ देर बाद उसने चंडिका के मुंह पर हसुआ से वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल चंडिका जमीन पर गिर गई और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।आरोपी ने रूम्पा पर भी हसुआ से हमला कर दिया। उसने रूम्पा के हाथ और मुंह पर वार किया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। हमला करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल रूम्पा भी कुछ दूरी पर जाकर गिर गई। बाद में आसपास के लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए ले जाया गया।मृतका की सास मीना मंडल ने अमदाबाद थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। प्रभारी डीएसपी आसिफ आलम ने बताया कि प्रथम दृष्टया धारदार हथियार से हत्या किए जाने की बात सामने आ रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट होगी। थानाध्यक्ष राजन कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया गया और इसके बाद परिजनों को सौंप दिया गया। आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले में अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह-समझौते से मामलों का होगा निष्पादन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देश पर बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कटिहार की ओर से कटिहार व्यवहार न्यायालय परिसर में द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12.09.2026 को किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव कमलेश सिंह देवू ने आम लोगों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। जानकारी दी कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह - समझौते के आधार पर विभिन्न प्रकार के मामलों का त्वरित निष्पादन किया जाएगा। इनमें सुलहनीय आपराधिक मामले, दीवानी मामले, दुर्घटना बीमा-दावा,पारिवारिक विवाद,श्रम विवाद, बैंक ऋण, भू-अधिग्रहण, राजस्व, मनरेगा, बिजली एवं पानी बिल, वाणिज्यकर, आयकर, वन अधिनियम से संबंधित वाद, रेलवे दावा, माप-तौल तथा यातायात चालान से जुड़े मामलों को शामिल किया गया है।अपने संबोधन में श्री देवू ने कहा कि संबंधित वादों के पक्षकार राष्ट्रीय लोक अदालत में उपस्थित होकर आपसी सुलह-समझौते के आधार पर अपने मामलों का निपटारा करा सकते हैं। लोक अदालत में मामलों का निपटारा बिना न्यायालय शुल्क के किया जाएगा। इससे पक्षकारों को समय और खर्च दोनों की बचत होगी। जिला विधिक सेवा

प्राधिकरण ने पक्षकारों से निर्धारित तिथि को अपने लंबित मामलों को लोक अदालत में लाकर समझौते के आधार पर समाप्त कराने की अपील की है। कहा कि अधिक जानकारी के लिए व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव से संपर्क कर अथवा 06452-230305 पर की जा सकती है। इस जनजागरुकता शिविर में प्रखंड पंचायतीराज पदाधिकारी सोनू गुप्ता, मुख्य न्याय रक्षक विजय श्रीवास्तव, पैनल अधिवक्ता मृत्युंजय झा, पीएलवी रेहाना परवीन, प्रेमरंजन झा, पवन ठाकुर सहित विभिन्न पंचायतों से आये जनप्रतिनिधिगण ने शिरकत की।

संक्षिप्त समाचार

विद्यालय में बेंच डेस्क उपलब्ध कराने की मांग बीडीओ सह बीईओ से की

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड के सभी प्राथमिक विद्यालय में पढ़ रहे बच्चे बेंच डेस्क के अभाव में जूझ रहे हैं। बेंच डेस्क न होने के कारण बच्चों को जमीन पर बैठने की मजबूरी हैं। इन बातों की जानकारी देते हुए समाजसेवी भोला साह ने कहा कि मनसाही प्रखंड के सभी प्राथमिक विद्यालय में बेंच डेस्क उपलब्ध नहीं हैं,सभी बच्चे जमीन में बैठकर शिक्षा ग्रहण करते हैं। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुमन कुमारी को एक ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि अभिलंब प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को बैठने के लिए बेंच डेस्क की व्यवस्था की जाए। अगर बेंच डेस्क की व्यवस्था विद्यालय में हो जाए तो बच्चे की शिक्षा और मजबूत होगी बच्चे और मन से पढ़ेंगे।

जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से मनायी गयी भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से राजेंद्र आश्रम कांग्रेस कार्यालय में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती मनाई गई। उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पण कर जिला कांग्रेस कमेटी के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की एवं उनके याद मे दो मिनट का मौन रखा। जयंती सभा को संबोधित करते हुए कटिहार जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने उनके आदर्शों को स्मरण करते हुए कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण मे प्रमुखता से योगदान देने वाले राजीव गांधी जी ने भारत को 21वीं सदी की ओर ले जाने का काम किया। उन्होंने देश मे कंप्यूटर क्रांति, पंचायती राज, दूरसंचार ,आर्थिक आधुनिकीकरण, महिलाओं और वंचित वर्गों की भागीदारी बढ़ाना और मतदान की आयु 18 वर्ष करके युवाओं को सशक्त किया। उनका मानना था कि युवा और तकनीक ही देश का भविष्य है। उनका सपना एक मजबूत, आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से सक्षम भारत का था। आज देश को उनके बताये मार्ग - शांति, एकता, धर्मनिरपेक्षता, विज्ञान और आधुनिक भारत के निर्माण को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का दिन है एवं उनके आदर्शों पर चलने की जरूरत है। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सऊद आलम, प्रदेश प्रवक्ता प्रेम राय, वरिष्ठ नेता संजय सिंह, जिला प्रवक्ता पंकज कुमार तमाखुवाला, डॉ बिपिन सिंह, नगर अध्यक्ष अ राज आनंद सिंह, नगर अध्यक्ष ब रिंकू मिश्रा, पुतुल सिंह, अल्तमश दीवान, मेजर जमाल, संतोष यादव, सिकंदर मंडल, मसूद रजा खान, गिरिंद्र कुमार सिन्हा, राकेश यादव, मीनाक्षी श्वेता, अनु सिंह, मौलाना अबुल कलाम आजाद, मो वहाब, जटा शंकर झा, मो रियाज, प्रदीप पासवान, मो. कमरूल हक, नितिन सिंहा, यशवंत कुमार सेठी, गणेश यादव, मो इमाम,अमित साह, मोहर्रम खान, राजेश उरांव, नीतीश कुमार, राज कुमार मंडल, साजन कुमार,मुकेश कुमार, मिथिलेश सिंह, फि रोज मुतून, कामरान साबरी आदि नेताओं ने पुष्पांजलि की।

बरारी में पंचायत स्तर पर लगेगा सहयोग शिविर

बरारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सहयोग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।इस क्रम में बीडीओ धीरेन्द्र कुमार धीरज ने बताया कि शिविर में पंचायत स्तर के सभी संबंधित कर्मी मौजूद रहेंगे और ग्रामीणों से आवेदन प्राप्त कर उनकी समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही निष्पादन किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 1 सितंबर को कांतनगर पंचायत,15 सितंबर को एक अन्य निर्धारित पंचायत तथा 6 अक्टूबर को लक्ष्मीपुर - शिशिया पंचायत में शिविर लगाया जाएगा। जगदीशपुर में कार्यपालक सहायक मो. अजहरुद्दीन पंडित आवेदन प्राप्त करेंगे और नोडल पदाधिकारी राजस्व पदाधिकारी आनंद कुमार होंगे। कांतनगर में कार्यपालक सहायक सुनील कुमार रजक तथा नोडल पदाधिकारी सीओ मनीष कुमार को जिम्मेदारी दी गई है। शिविर में राजस्व कर्मचारी, पंचायत सचिव, किसान सलाहकार,आवास सहायक,रोजगार सेवक, विकास मित्र,आशा कार्यकर्ता और स्वच्छता पर्यवेक्षक समेत सभी पंचायत स्तरीय कर्मी मौजूद रहेंगे। लक्ष्मीपुर - शिशिया के लिए कार्यपालक सहायक प्रदीप कुमार, जूली कुमारी व पंडित कुमार को आवेदन प्राप्त करने की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि नोडल पदाधिकारी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, बरारी होंगे। बीडीओ धीरेंद्र कुमार धीरज ने ग्रामीणों से अपील की कि वे निर्धारित तिथि पर शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं और योजनाओं से संबंधित आवेदन जमा करें, ताकि मामलों का त्वरित निष्पादन कराया जा सके।

राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेसजनों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। शहर के मिरचाईबाड़ी स्थित आवास पर को देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम संसद प्रतिनिधि सुनील यादव के नेतृत्व में आयोजित हुआ। कांग्रेस कार्यकताओं ने राजीव गांधी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए आधुनिक भारत के निर्माण में उनके योगदान पर चर्चा की।सांसद प्रतिनिधि सुनील यादव ने कहा कि राजीव गांधी ने देश को आधुनिक और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। उन्होंने युवाओं को आगे बढ़ाने, शिक्षा एवं संचार व्यवस्था को मजबूत करने तथा देश में तकनीकी विकास को गति देने के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। उनका योगदान देश की प्रगति और आधुनिक भारत के निर्माण में सदैव स्मरणीय रहेगा। कार्यक्रम में दिलीप विश्वास, प्रो.विनोद यादव, सिमरनजीत कुमार, विक्की महतो, अखिलेश पोद्दार, गोपाल यादव, प्रो. मनोज कुमार, मोहम्मद जुबेर, उमेश कुमार, मोहम्मद फैजल,अरुण प्यासा, मोहम्मद शमशाद, रवि कुमार, इम्तियाज उल हक और सुबोध यादव सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जनप्रतिनिधियों का होगा प्रशिक्षण

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने एवं अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन को लेकर जिले के विभिन्न प्रखंडों के जनप्रतिनिधियों को जिला स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस संबंध में जिला पंचायत राज पदाधिकारी योगेन्द्र प्रसाद की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम की तिथि एवं स्थल निर्धारित कर दी गयी है।जारी आदेश के अनुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन के मद्देनजर प्रखंडों के प्रमुख, मुखिया, सरपंच, उप प्रमुख, उप सरपंच, ग्राम कचहरी न्यायमित्र एवं ग्राम कचहरी सचिवों को प्रशिक्षण दिया जाना है।

संत रविदास जयंती कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। राज्य सरकार से प्राप्त निदेर्शानुसार संत सिरोमणि रविदास की 650 वीं जयंती के अवसर पर जिले में 18 अगस्त 2026 से 15 फरवरी तक जिले में अभियान चलाकर अनुसूचित जाति के वंचित परिवार के लोगों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का लक्ष्य रखा गया है।इस दौरान जिला,पंचायत और टोला स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। इसी को लेकर गुरुवार को समाहरणालय परिसर से कलश के साथ जागरुकता रथ निकाला गया। सदर विधायक सह पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद तथा जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर जागरुकता रथ को समाहरणालय परिसर से रवाना किया। विधायक ने कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर कई गई तैयारियों की समीक्षा करते हुए व्यापक जनभागीदारी एवं प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बताया गया कि पंचायत स्तर तक कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए मार्ग का निर्धारण सहित अन्य तैयारियां पूर्व में हीं सुनिश्चित कर लिया गया है। जिला पदाधिकारी ने बताया कि 27 अगस्त से 15 फरवरी तक प्रत्येक गुरुवार को सभी अनुसूचित बाहुल टोलों में संत रविदास शिविर आयोजित किया जाना है। जिसमें पात्र लोगों को राशन कार्ड, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित सेवाएं उपलब्ध करायी जायेगी।इसको लेकर व्यापक प्रचार-प्रसार का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्राप्त आवेदनों का यथासंभव शिविर के दिन ही निष्पादन कर लाभुकों को प्रमाण-पत्र या स्वीकृति पत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। मौके पर डीडीसी अमित कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज राय, अमित गुप्ता, बिट्टू घोष, चन्द्रशेखर यादव, सौरभ मालाकार सहित दर्जनों अन्य उपस्थित रहे ।

30 से अधिक निजी क्षेत्र की कंपनियां लेंगी हिस्सा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले के रोजगार इच्छुक युवाओं के लिए अच्छी खबर है। युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के जिला नियोजनालय कटिहार के तत्वावधान में 29 अगस्त को एक दिवसीय जिला स्तरीय नियोजन - सह - व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला 2026-27 का आयोजन किया जाएगा। यह मेला कार्यालय परिसर डहेरिया स्थित लेबर सेंटर एफसीआई गोदाम के सामने आयोजित होगा। जिला नियोजन पदाधिकारी की ओर से जारी पत्र के अनुसार, नियोजन मेले में राज्य एवं राज्य से बाहर के निजी क्षेत्र के 30 से अधिक प्रतिष्ठित नियोजकों को आमंत्रित किया गया है। इन कंपनियों के माध्यम से रोजगार के इच्छुक युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। नियोजनालय ने जिले के अधिक से अधिक बेरोजगार एवं रोजगार की तलाश कर रहे युवक-युवतियों तक मेले की जानकारी पहुंचाने की अपील की है ताकि वे निर्धारित तिथि पर पहुंचकर रोजगार के अवसर का लाभ उठा सकें। मेले में युवाओं को रोजगार के साथ-साथ व्यावसायिक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाएगा। जिला नियोजन पदाधिकारी ने बताया कि विभाग का उद्देश्य अधिकाधिक युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ना तथा उन्हें उनके कौशल एवं योग्यता के अनुरूप करियर संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

स्कॉटिश पब्लिक स्कूल में इंटर-हाउस कबड्डी टूनार्मेंट का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया । स्कॉटिश पब्लिक स्कूल, राजोखर, अररिया में आज विद्यार्थियों के बीच खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क एवं नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंटर-हाउस कबड्डी टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका दोनों वर्गों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, दमदार प्रदर्शन और उत्कृष्ट टीम भावना का परिचय दिया। रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों में भी खासा उत्साह और जोश भर दिया। बालक वर्ग में तक्षशिला हाउस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि साकेत हाउस उपविजेता रहा। वहीं, बालिका वर्ग में साकेत हाउस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि नालंदा हाउस ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विद्यालय के निदेशक श्री अनूप कुमार ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि जीत और हार से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क है। विद्यालय प्रबंधन ने सभी विजेता एवं उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के खेल विभाग, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ग्रामीणों ने एनजीओ की ओर से दिए जा रहे घटिया खाने का विरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के फूलहरा पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बसंतपुर में प्रत्येक दिन मध्यान भोजन का खाना एनजीओ कटिहार के द्वारा उपलब्ध कराया जाता हैं। एनजीओ के द्वारा जैसे ही खाना विद्यालय में दिया जा रहा था प्रधानाध्यापक एवं रसोईया ने खाना को रिसीव किया। इनके बाद स्थानीय ग्रामीण विद्यालय पहुंचकर खाना का विरोध किया। ग्रामीण खुर्शीद आलम उर्फ राजा ने बताया कि एनजीओ के द्वारा दिया जा रहा खाना काफी घटिया किस्म का हैं। यह खाना बच्चों को खाने लायक नहीं हैं। सभी बच्चे विद्यालय में खाना नहीं खाकर अपने घर में आकर खाना खाते हैं फिर विद्यालय जाते हैं इसलिए हम सभी इनका विरोध कर रहे हैं उन्होंने कहा कि पहले की तरह विद्यालय में गर्म खाना बने और बच्चे को ताजा खाना मिले नहीं तो हम लोग इसका विरोध करेंगे। इससे पूर्व फुलहरा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य मिथलेश कुमार सिंह ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय लहसा में खाना का निरीक्षण किया था इसका विरोध भी किया था की सभी बच्चों को अच्छा खाना मिले एवं एनजीओ के द्वारा खाना नहीं दे एवं विद्यालय में ही प्रधानाध्यापक गर्म खाना पका कर बच्चों को खिलावे। वहीं साधन सेवी ने भी विद्यालय पहुंचकर खाना का जांच किया कहां की खाना ठीक-ठाक हैं।

18 साल से अधर में तेजनारायणपुर-भालुका रोड रेल परियोजना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले के मनिहारी अनुमंडल क्षेत्र के तेजनारायणपुर से पश्चिम बंगाल के भालुका रोड तक प्रस्तावित नई रेल परियोजना करीब 18 वर्षों से कागजों और सर्वेक्षणों के बीच अटकी हुई है। हालांकि हाल के वर्षों में सांसदों के पत्राचार, रेलवे की बैठकों तथा क्षेत्रीय स्तर पर उठती मांगों ने एक बार फिर इस परियोजना को चर्चा में ला दिया है। करीब 30 किलोमीटर लंबी यह रेल लाइन कटिहार, मनिहारी और अमदाबाद क्षेत्र के लिए पश्चिम बंगाल के मालदा और आगे कोलकाता की ओर नया रेल मार्ग उपलब्ध करा सकती है। परियोजना की प्रारंभिक पहल वर्ष 2008 में हुई थी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 4 जनवरी 2008 को तेजनारायणपुर-भालुका रोड नई रेल लाइन के लिए प्राक्कलन प्रस्ताव संख्या डब्ल्यू/348/ सीओएनएस/ टीएनआरपी/ बीकेआरडी तैयार किया गया था। इसके बाद 4 नवंबर 2008 को इस रेलखंड का सर्वेक्षण शुरू कराया गया। सर्वे का कार्य कुछ समय तक चला। लेकिन बाद में बंद हो गया और परियोजना आगे नहीं बढ़ सकी। करीब डेढ़ दशक तक ठंडे बस्ते में रहने के बाद परियोजना को पुनर्जीवित करने की पहल तेज हुई। वर्ष 2024 में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे कर्मचारी संघ के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह जेडआरयूसीसी सदस्य विनय कुमार सिंह ने एनएफ रेलवे की जोनल बैठक में मांग उठाई तथा प्रधानमंत्री कार्यालय से भी पत्राचार किया।

धान में रोग, कीट एवं खरपतवार नियंत्रण पर प्रशिक्षण आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम हृदयपुर, प्रखंड अररिया में धान में रोग, कीट एवं खरपतवार नियंत्रण विषय पर एक दिवसीय

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम में किसानों को धान की फसल में खरपतवार प्रबंधन एवं रोग-कीटों की रोकथाम के वैज्ञानिक तरीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. राम नरेश ने धान में खरपतवार की पहचान, नुकसान एवं प्रभावी नियंत्रण की जानकारी दी। वहीं पादप संरक्षण वैज्ञानिक डॉ. संजीत कुमार ने धान में प्रमुख रोग एवं कीटों की पहचान तथा उनकी रोकथाम एवं प्रबंधन के बारे में किसानों को विस्तार से बताया । प्रशिक्षण में गांव के बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और वैज्ञानिकों से फसल संबंधी समस्याओं पर जानकारी प्राप्त की।

ग्रामीण आवास योजना के लाभुकों को मिली घरों की चाभी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लिए राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरुप आवंटन तथा 22 लाख 35 हजार पूर्ण आवासों में गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन पटना के बापू सभागार में किया गया। जिसमें मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार शिवराज सिंह चौहान ने लाभुकों को सांकेतिक चाभी, स्वीकृत्यादेश देकर पूरे देश में इसकी शुरूआत की। जिसका लाइव प्रसारण गुरुवार को समाहरणालय सभागार में भी किया गया।जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में विधायक तारकिशोर प्रसाद, कविता देवी, निशा सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, जिलास्तरीय पदाधिकारी, कर्मी एवं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लाभुकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत आवास निर्माण कार्य पूर्ण कर लेने वाले लाभुकों के बीच गृह प्रवेश हेतु आवास की सांकेति चाभी एवं शुभकामना संदेश सौंपी गई तो वहीं योजना अन्तर्गत नवचयनित लाभुकों को स्वीकृति पत्र भी प्रदान किया गया। पिंकी देवी, मिलन देवी, नाजमीन खातुन, रुखसोना देवी एवं पुतली देवी को जहां स्वीकृति पत्र सौंपा गया। तो वहीं कंचन देवी, पल्लवी देवी, सलेहा खातुन, नुजहत बानो और ब्रजवाला पॉल को आवास पूर्ण कर लेने पर बधाई पत्र तथा प्रधानमंत्री आवास में प्रवेश करने के लिए प्रतीकात्मक चाभी सौंपी गई। कार्यक्रम के दौरान लाभुकों को आवास योजना के साथ-साथ सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होने की प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई। लाभुकों को जीविका, वीभी जी राम जी, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, विद्युत कनेक्शन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, स्वच्छ पेयजल सहित अन्य योजनाओं एवं सेवाओं से जुड़कर अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। विभागीय अधिकारियों ने संबंधित योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। जिला पदाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लिए स्वीकृत लाभुकों से निर्धारित मानकों के अनुरूप आवास निर्माण कर लेने की अपील की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को लाभुकों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराते हुए आवास निर्माण कार्य को गति प्रदान करने का निर्देश दिया, ताक पात्र लाभुक योजना के लाभ से वंचित न रहे।

बीएससी नर्सिंग का रिजल्ट खराब होने पर छात्रों का फूटा आक्रोश

एसके मंडल संस्थान में हंगामा व सड़क जाम, दुबारा कॉपी जांचने की मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। सिंघिया खुर्द स्थित एसके मंडल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट में बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष का परीक्षा परिणाम खराब आने से नाराज छात्रों ने बुधवार को जमकर हंगामा किया। आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज परिसर में खड़ी एक बस के शीशे तोड़ दिए और आईसीयू में घुसकर तोड़फोड़ का प्रयास किया। इसके बाद छात्रों ने हरपुर एलोथ के पास सड़क जाम कर अपना विरोध जताया। सड़क जाम की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। कॉलेज परिसर में तनाव की स्थिति को देखते हुए संस्थान में तैनात बाउंसरों ने भी हस्तक्षेप किया। छात्रों का कहना था कि उन्होंने परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया था, लेकिन परिणाम उम्मीद के विपरीत आया है। बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष की परीक्षा में संस्थान से करीब 100 छात्र शामिल हुए थे, जिनमें 50 प्रतिशत से भी कम विद्यार्थियों के सफल होने की बात सामने आई है। छात्रों ने कम रिजल्ट को लेकर कॉलेज प्रशासन से उचित पहल करने और उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच कराने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे छात्र संस्थान के डायरेक्टर को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे थे। सूचना पर कर्पूरीग्राम थाना पुलिस भी कॉलेज परिसर पहुंची और छात्रों को समझाकर मामला शांत कराया। बाद में कॉलेज के प्राचार्य गणेश सिंह ने छात्रों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि जिन विद्यार्थियों को अपने प्राप्त अंकों पर आपत्ति है, उनकी उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग से पत्राचार किया गया है। संस्थान के डायरेक्टर एसके मंडल भी बुधवार को इसी मामले को लेकर पटना गए हुए थे। डायरेक्टर एसके मंडल ने कहा कि कॉलेज में बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार कराई गई है। छात्रों की शिकायत अपेक्षा से कम अंक मिलने को लेकर है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग को लिखित आवेदन देकर उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच कराने का अनुरोध किया गया है। वहीं, प्राचार्य गणेश सिंह ने कहा कि परीक्षा परिणाम खराब आने में कॉलेज प्रशासन की कोई कमी नहीं है। विद्यार्थियों को निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई कराई गई थी। रिजल्ट को लेकर विभाग से आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्राचार किया गया है।

लाभुकों को सौंपी गई आवास की चाबी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद एवं पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने को लेकर गुरुवार को समाहरणालय सभागार में कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान और बिहार के मुख्यमंत्री की मौजूदगी में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम को जिले के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं योजना के लाभुकों ने देखा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवास निर्माण, आवास की स्वीकृति, किस्तों के भुगतान तथा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र परिवारों को योजना का लाभ समय पर उपलब्ध कराने और स्वीकृत आवासों को निर्धारित समय में पूरा कराने पर विशेष जोर दिया गया। समाहरणालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विधान पार्षद तरुण कुमार, समस्तीपुर विधायक अश्वमेघ देवी, जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा, उप विकास आयुक्त सूर्य प्रताप सिंह, जिला ग्रामीण विकास

अभिकरण के निदेशक आशुतोष आनंद सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी, कर्मी एवं योजना के लाभुक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत अपना घर पूरा कर चुके कई लाभुकों को सांकेतिक रूप से नवनिर्मित आवास की चाबी भी सौंपी गई। चाबी मिलने पर लाभुकों में खुशी देखने को मिली। लाभुकों ने पक्का मकान उपलब्ध कराने के लिए सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंद और पात्र परिवारों तक पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने पात्र लाभुकों को समय पर आवास की स्वीकृति और योजना की राशि उपलब्ध कराने के साथ निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने पर जोर दिया। उप विकास आयुक्त सूर्य प्रताप सिंह ने योजना की प्रगति की जानकारी देते हुए संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को लाभुकों के साथ समन्वय बनाकर आवास निर्माण की प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने लाभुकों से योजना के तहत मिली राशि का निर्धारित उद्देश्य के अनुसार उपयोग कर आवास निर्माण जल्द पूरा करने की अपील की। जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत पात्र परिवारों को लाभ पहुंचाने और योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

दाखिल-खारिज व भूमि विवाद के मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश

राजस्व कार्यों में देरी पर डीएम सख्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जिले में राजस्व से जुड़े विभिन्न मामलों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अपर समाहर्ता, सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) और सभी अंचल अधिकारी (सीओ) समेत राजस्व विभाग से संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों, दाखिल-खारिज, परिमार्जन, भूमि विवाद, अतिक्रमण, सरकारी भूमि की सुरक्षा, भू-अभिलेखों के संधारण व अद्यतीकरण, लगान वसूली सहित अन्य राजस्व संबंधी कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने दाखिल-खारिज और परिमार्जन से संबंधित मामलों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व से जुड़े मामलों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। आम लोगों को अपने काम के लिए कार्यालयों का अनावश्यक चक्कर नहीं लगाना पड़े, इसके लिए पदाधिकारी और कर्मी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को अपने-अपने अंचलों में सरकारी भूमि की नियमित निगरानी करने तथा अतिक्रमण के मामलों में नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने को कहा। भूमि विवाद से संबंधित मामलों में संबंधित पक्षों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए विधि-सम्मत और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया। डीएम ने सभी डीसीएलआर और सीओ को राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने और पुराने मामलों के त्वरित निष्पादन पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के कार्यों का सीधा संबंध आम नागरिकों के दैनिक जीवन और भूमि संबंधी अधिकारों से है। ऐसे में कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता हर स्तर पर सुनिश्चित की जानी चाहिए। सभी पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में राजस्व कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी। कार्यों में लापरवाही या अनावश्यक विलंब पाए जाने पर जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नदी में गिरी छात्रा का 48 घंटे बाद मिला शव

आक्रोशित लोगों ने पटपरा चौक पर सड़क जाम कर जताया विरोध

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र में पुराने रेलवे पुल से बूढ़ी गंडक नदी में गिरने के बाद लापता हुई 13 वर्षीय छात्रा आयुषी कुमारी का शव करीब 48 घंटे बाद बरामद किया गया। शव मिलने की सूचना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने छात्रा की मौत के बाद विभूतिपुर थाना क्षेत्र के पटपरा चौक के पास सड़क जाम कर आवागमन बाधित कर दिया। मृतका महंथी उत्तरी गांव निवासी पंकज झा की पुत्री आयुषी कुमारी थी और सातवीं कक्षा में पढ़ती थी। परिजनों के अनुसार आयुषी 18 अगस्त की शाम रोसड़ा बाजार से ट्यूशन पढ़कर घर लौट रही थी। वह पुराने रेलवे पुल के रास्ते अपने घर जा रही थी। इसी दौरान पुल पर पैर फंस जाने से उसका संतुलन बिगड़ गया और वह बूढ़ी गंडक नदी में जा गिरी। पुल के नीचे मौजूद एक पशुपालक ने छात्रा को नदी में गिरते देखा और शोर मचाकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद स्थानीय लोगों ने नदी में छात्रा की तलाश शुरू की, लेकिन काफी प्रयास के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। घटना की जानकारी मिलने के बाद एसडीआरएफ की टीम ने भी नदी में खोजबीन शुरू की। करीब 48 घंटे तक चले तलाशी अभियान के बाद बुधवार को घटनास्थल के आसपास नदी से छात्रा का शव बरामद कर लिया गया। शव मिलने के बाद परिजन और ग्रामीण मौके पर जुट गए तथा पटपरा चौक के पास सड़क जाम कर विरोध जताया। स्थानीय लोगों का कहना था कि पुराने रेलवे पुल का इस्तेमाल बड़ी संख्या में लोग पैदल, साइकिल और बाइक से करते हैं। इस पुल से रोसड़ा बाजार और सिंघिया क्षेत्र के बीच आने-जाने में करीब आठ किलोमीटर की दूरी बचती है, जिसके कारण लोग मुख्य सड़क की बजाय इस रास्ते का इस्तेमाल करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पुल से नदी में गिरने की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। इसके बावजूद यहां सुरक्षित आवागमन के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। लोगों ने पुल पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। इधर विभूतिपुर थानाध्यक्ष सुनील झा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में छात्रा के पुल पार करने के दौरान संतुलन बिगड़ने से नदी में गिरने की बात सामने आई है। शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

किराना दुकान में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, सड़क पर मिट्टी तेल फैलने से भड़कीं लपटें

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। ताजपुर थाना क्षेत्र के गुदड़ी बाजार स्थित मछली हट्टा में बुधवार शाम शॉर्ट सर्किट के कारण एक किराना दुकान में आग लग गई। दुकान के अंदर रखा मिट्टी तेल का गैलन आग की चपेट में आ गया। आग बढ़ती देख दुकानदार ने जलते हुए गैलन को सड़क पर फेंक दिया। सड़क पर मिट्टी तेल फैलने के बाद आग की लपटें और तेज हो गईं, जिससे बाजार में अफरातफरी मच गई। आग की लपटें देखकर आसपास के दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानों से सामान निकालकर सुरक्षित जगह पर रखना शुरू कर दिया। इसी बीच पड़ोसी दुकानदार अभिजीत कुमार ने समरसेबल चालू कर पानी की बौछार शुरू कर दी। स्थानीय लोगों ने भी आग बुझाने में मदद की। कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि यदि समय रहते आग को नियंत्रित नहीं किया जाता तो लपटें आसपास की दुकानों तक पहुंच सकती थीं और बड़ा नुकसान हो सकता था। आग की घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। किराना दुकान में रखे कुछ बिस्कुट, मिक्चर सहित अन्य सामान जलकर नष्ट हुए हैं। दुकान को भी ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। घटना की सूचना मिलने के बाद अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक स्थानीय दुकानदारों और लोगों ने आग बुझा दी थी। अग्निशमन कर्मियों ने मौके का जायजा लेकर स्थिति की जानकारी ली। आग लगने के दौरान बाजार में कुछ समय तक अफरातफरी की स्थिति बनी रही। दुकानदार अपने-अपने प्रतिष्ठानों का सामान सुरक्षित करने में जुटे रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवकों की मौत, दो घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बांका। बाराहाट थाना क्षेभागलपुर-दुमका मुख्य मार्ग पर लीलावरण गांव के समीप बुधवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार युवकों को एक अज्ञात वाहन ने बेरहमी से रौंद दिया। इस भीषण दुर्घटना में दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। बाराहाट थाना क्षेत्र के लीलावरण गांव के समीप, भागलपुर-दुमका मुख्य मार्ग पर दो बाइक पर सवार चार युवकों को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मारी। मृतक यूबक की पहचान बौसी थाना क्षे दलिया गाँव क्षे मो. छोटू एबं बौसी क्षे मेला मैदान क्षे राहुल कुमार क्षे रूप मे हुयी जबकि दो अन्य घायल युवक दोनों मृतक का साथी था। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाराहाट लाया गया, जहां से उनकी नाजुक हालत को देखते हुए भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया।

टक्कर इतनी भयानक थी कि एक मोटरसाइकिल पूरी तरह चकनाचूर हो गई और सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दुर्घटना के कारण भागलपुर-दुमका मुख्य मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बाराहाट थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया और काफी मशक्कत के बाद सड़क पर लगे जाम को हटवाकर आवागमन बहाल कराया।

एनटीपीसी कहलगांव मॉडल थाना के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। जिले के मॉडल थाना के रुप में कार्यरत एनटीपीसी, कहलगांव के नवनिर्मित भवन का विधिवत उद्घाटन गुरुवार को भागलपुर के पुलिस महानिरीक्षक विवेक कुमार ने किया। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव, कहलगांव के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (प्रभारी) सेतु थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। उद्घाटन के बाद पुलिस महानिरीक्षक ने नवनिर्मित थाना भवन का निरीक्षण किया और थाना परिसर में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नवनिर्मित भवन को आधुनिक एवं सुव्यवस्थित पुलिसिंग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते

हुए तैयार किया गया है, जिससे थाना में कार्यरत पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर श्री कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के साथ साथ आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं संवेदनशील तरीके से समाधान सुनिश्चित करनी चाहिए। पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि इस नवीन थाना भवन के संचालन से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, पुलिस गश्ती एवं जनसुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। साथ ही, आमजन को थाना स्तर पर उपलब्ध कराई जाने वाली पुलिस सेवाओं का लाभ अधिक सुगमता एवं सुविधा के साथ प्राप्त हो सकेगा। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने इस थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने तथा आमजन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए जनोन्मुखी एवं एवं उत्तरदायी उत्तरदायी पुलिसिंग सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। एनटीपीसी कहलगांव के नवनिर्मित मॉडल थाना भवन क्षेत्र में सुदृढ़ पुलिसिंग, बेहतर जनसेवा एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पूर्व रेलवे के कई स्टेशनों पर खाद्य गुणवत्ता एवं स्वच्छता का लिया गया जायजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। पूर्व रेलवे के मालदा टाउन, हावड़ा एवं सियालदह स्टेशनों पर खाद्य गुणवत्ता, स्वच्छता मानकों और यात्री सुरक्षा के नियमों का कड़ाई से अनुपालन हेतु आज वहां के खान-पान स्टॉलों का औचक निरीक्षण किया गया। पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक गीतिका पांडेय के कुशल नेतृत्व में गुरुवार को चलाए गए व्यापक औचक निरीक्षण अभियान के तहत प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक डॉ. उदय शंकर झा ने वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक राहुल रंजन के साथ हावड़ा स्टेशन के खान-पान स्टाल का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान श्री झा ने खाद्य पदार्थों की तैयारी के मानकों, स्वच्छता तथा विक्रेताओं द्वारा निर्धारित नियमों के अनुपालन पर विशेष ध्यान दिया। इसी तरह मालदा के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्तिक सिंह ने मालदा टाउन स्टेशन के विभिन्न खाद्य स्टॉलों और स्वच्छता व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया ताकि यात्रियों के स्वास्थ्य और सुरक्षित खानपान सेवाओं को सुनिश्चित किया जा सके। वहीं मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (मार्केटिंग) पवन कुमार एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक सुनील कुमार महाला द्वारा सियालदह स्टेशन पर स्थित खानपान केन्द्रों और स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया गया। इन समन्वित निरीक्षण अभियानों के माध्यम से पूर्व रेलवे ने प्रत्येक यात्री को सुरक्षित भोजन, उच्च स्तरीय स्वच्छता और समग्र रूप से आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई है। इस बीच पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि पूर्व रेलवे सभी स्टेशनों पर स्वच्छता और खानपान की गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि यात्रियों को उत्कृष्ट यात्रा अनुभव सुनिश्चित किया जा सके।

नवपदस्थापित डीएम मनेश कुमार मीणा ने ग्रहण किया पदभार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा (भोजपुर)। भोजपुर के नवपदस्थापित जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने आज निवर्तमान जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया से जिलाधिकारी के पद का प्रभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रभार हस्तांतरण एवं ग्रहण की आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गईं। प्रभार ग्रहण के अवसर पर नवपदस्थापित जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा की धर्मपत्नी संगीता मीणा भी उपस्थित रहीं। प्रभार ग्रहण के उपरांत जिलाधिकारी ने जिला प्रशासन से संबंधित आवश्यक अभिलेखों एवं महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्राप्त की। निवर्तमान जिलाधिकारी श्री तनय सुल्तानिया ने जिले में संचालित विभिन्न विकासात्मक एवं प्रशासनिक कार्यों, योजनाओं तथा महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं के संबंध में नवपदस्थापित जिलाधिकारी को आवश्यक जानकारी दी। इस अवसर पर दोनों पदाधिकारियों ने प्रशासनिक कार्यों के सुचारु संचालन एवं जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया।

घरों की दी गई चाभी

भागलपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। राज्य सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के निर्देश के आलोक में जिले में गुरुवार को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत जिला एवं प्रखंड स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

जिला समाहरणालय के समीक्षा भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में योजना के तहत स्वीकृत आवासों से संबंधित स्वीकृति पत्र एवं शुभकामना संदेश का वितरण किया गया। साथ ही आवास निर्माण पूर्ण कर चुके लाभुकों को उनके नवनिर्मित आवास की प्रतीकात्मक चाभी प्रदान की गई। इसके साथ ही सभी प्रखंडों कार्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से लाभुकों को योजना के उद्देश्यों, आवास निर्माण की गुणवत्ता तथा समयबद्ध रूप से आवास पूर्ण करने के संबंध में जानकारी दी गई।

लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र का वितरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

शिवाजीनगर। प्रखंड सभागार में गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूर्ण किए गए आवासों के लाभुकों को गृह प्रवेश के अवसर पर उनके घर की चाबी प्रदान की गई। वहीं, योजना के तहत नव चयनित लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र का भी वितरण किया गया कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी आवास सहायकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बिहार राज्य को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत लक्ष्य आवंटित किया गया है। आवंटित लक्ष्य के अनुरूप पात्र एवं चयनित लाभुकों को योजना का लाभ

उपलब्ध कराने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है। बीडीओ ने आवास सहायकों एवं आवास पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया कि योजना के क्रियान्वयन में पूरी पारदर्शिता बरती जाए और पात्र लाभुकों को समय पर योजना का लाभ मिले। साथ ही उन्होंने निर्माणाधीन आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा पूर्ण आवासों में लाभुकों का गृह प्रवेश कराने की दिशा में तेजी से कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने की केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। इसका उद्देश्य ऐसे परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है कार्यक्रम के दौरान पूर्ण आवास प्राप्त कर गृह प्रवेश की चाबी पाने वाले लाभुकों में खुशी देखी गई। वहीं, नव चयनित लाभुकों ने स्वीकृति पत्र मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। मौके पर प्रखंड के सभी आवास सहायक एवं आवास पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

300 से ज्यादा लोग हुए सर्पदंश के शिकार

16 लोगों की जा चुकी हैं जानें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। गुमला जिला में बारिश के मौसम के साथ सर्पदंश की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। मई माह से लेकर अब तक साढ़े तीन माह की अवधि में सांप के काटने से 16 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, इस दौरान जिले में 300 से अधिक लोग सर्पदंश के शिकार हुए हैं। लगातार बढ़ रही सर्पदंश की घटनाएं और मौतों का आंकड़ा चिंता का विषय बना हुआ है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, मई माह में सर्पदंश से दो लोगों की मौत हुई थी। जून में यह आंकड़ा बढ़कर चार हो गया। जुलाई माह में सबसे अधिक छह लोगों की मौत हुई, जबकि अगस्त माह में अब तक चार व्यक्ति की जान सर्पदंश से जा चुकी है। इस तरह महज साढ़े तीन माह में 16 लोगों की मौत हो चुकी है। ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश के दौरान सर्पदंश का खतरा अधिक रहता है। खेतों में काम करने, घर के आसपास निकलने और रात के समय आवाजाही के दौरान लोगों के सांप के शिकार होने की घटनाएं सामने आती हैं। कई मामलों में समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने अथवा झाड़-फूंक के चक्कर में उपचार में देरी होने से मरीज की स्थिति गंभीर हो जाती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करने की भी आवश्यकता है, ताकि सांप काटने के बाद बिना समय गंवाए मरीज को अस्पताल पहुंचाया जा सके।

मई माह में दो लोगों की सांप के डसने से मौत हो चुकी है। जिसमें तीन मई को कोटाम पतगच्छा निवासी भिखवा उरांव (60), 17 मई को खरका के डुमरला निवासी सोमरा उरांव (41) की सांप के डंसने से मौत हो चुकी है।

वहीं जून माह में सांप के डसने से चार लोगों की जान गई है, जिसमें 11 जून को डुमरी नवाडीह के ज्योतिष टोप्पो(40), 14 जून को टोटो के बैरटोली निवासी नौ वर्षीय रीना उरांव (19), 25 जून को दो लोगों को सांप डसने से मौत हुई है। जिसमें पालकोट प्रखंड के देवगांव करंजटोली निवासी माइकल तिर्की (18) व कसीरा मधुवन निवासी दसी देवी (46) शामिल है।

जुलाई माह में छह लोगों की जान सांप के डसने से गई। जिसमें तीन जुलाई को पालकोट प्रखंड के पिंजराडीपा निवासी शिवा कुमार (13), नौ जुलाई को घाघरा कुगांव निवासी शिवानी कुमारी (9), 12 जुलाई को घाघरा प्रखंड के गिरजाटोली निवासी पतरस बारला (57), 19 जुलाई को गुमला के पतिया निवासी संजीता कुमारी (10), 22 जुलाई को सुरसांग निवासी बलराम सिंह (16), 24 जुलाई को नवाडीह फट्टी निवासी फूलचंद उरांव(39), जबकि अगस्त माह में चार लोगों सर्पदंश से जान गई।

जिसमें दो अगस्त को बजरंग सिंह (15), 14 अगस्त को समियो देवी (50) व कुम्हारी बरई गांव निवासी 22 वर्षीय मनोज टेटे की मौत सांप के डसने से हुई है। वहीं 17 अगस्त को सांप के डसने से 40 वर्षीय भूखला उरांव की मौत हो गई।

लापता किशोरी की कुएं से मिली लाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिला अंतर्गत रमना थाना क्षेत्र के बहियार खुर्द गांव में हाईवे से सटे इलाके में बुधवार की सुबह से गुम 13 वर्षीय बच्ची उर्मिला कुमारी का शव गुरुवार को घर के पीछे स्थित कुएं से बरामद किया गया। मृतका अशोक यादव की पुत्री थी। शव मिलने की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए।

शव मिलने के बाद स्वजन बेसुध हैं। बताया जा रहा है कि उर्मिला बुधवार सुबह से लापता थी। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद गुरुवार को घर के पीछे स्थित कुएं में उसका शव तैरता हुआ मिला।

सूचना मिलने पर रमना थाना प्रभारी आकाश कुमार और एसआइ जयप्रकाश गुप्ता पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से बच्ची के शव को कुएं से बाहर निकाला गया। इसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, गढ़वा भेज दिया। खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। गुरुवार को घर के पीछे कुएं में उसका शव तैरता मिला। सूचना पर थाना प्रभारी आकाश कुमार व एसआई जयप्रकाश गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों के सहयोग से शव को कुएं से बाहर निकाला गया। पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, गढ़वा भेज दिया।

घटना की सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मौके पर मौजूद कुछ ग्रामीणों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी की चर्चा भी सामने आई। हालांकि, इस संबंध में अभी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बच्ची की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

हत्यारोपित धराया

पूर्वी चंपारण । महज 83 हजार रुपयों के लोभ में एक पुत्र ने अपनी ही मां की हत्या चाकू से गला रेत कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपित पुत्र ने अपहरण, लूट और अन्य घटना की झूठी कहानी भी गढ़ी।

इस बीच हरसिद्धि पुलिस ने जब खोज शुरू की और बुधवार को महिला का शव मिला तो परत दर परत हत्या की कहानी सामने आने लगी। पुलिस ने महिला के बड़े पुत्र आलम हुसैन को गिरफ्तार कर लिया। इसी के साथ पूरी कहानी सामने आई। कहानी में पता चला कि कुल 83 हजार रुपयों के लिए बेटे ने मां की हत्या कर दी।

आरोपित की गिरफ्तारी के बाद अरेराज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार ने बताया कि आरोपित आलम हुसैन ने रुपये हड़पने के उद्देश्य से अपनी मां नजमा खातून (45) की हत्या की थी।

फंदे से झूलकर युवती ने की आत्महत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रांची के सदर थाना क्षेत्र के कोकर सुभाष चौक के पास गुरुवार को एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान खुशी कुमारी के रूप में हुई है। परिजनों ने खुशी की मौत के लिए उसके प्रेमी राजेश कुमार को जिम्मेदार ठहराते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

परिजनों के अनुसार, खुशी कुमारी स्वर्गीय अशोक राम की छह बेटियों में सबसे छोटी थी। तीन बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि एक बेटी को किसी अन्य व्यक्ति ने गोद लिया है और वह बाहर रहती है। कोकर सुभाष चौक के पास स्थित अपने मकान में खुशी अपनी मां आशा देवी और बड़ी बहन के साथ रहती थी। आशा देवी इडली का दुकान लगाकर परिवार का भरण-पोषण करती हैं।

बताया गया कि बुधवार की देर रात करीब 11 बजे खुशी का प्रेमी राजेश कुमार, जो कोकर के आदर्श नगर का रहने वाला है, अपने तीन दोस्तों के साथ उसके घर पहुंचा था। आरोप है कि वहां काफी देर तक हंगामा करने के साथ घर में तोड़फोड़ भी की गई। इसके बाद राजेश और उसके दोस्त वहां से चले गए।

गुरुवार की सुबह आशा देवी अपनी बड़ी बेटी के साथ दुकान लगाने जाने की तैयारी कर रही थीं। बड़ी बेटी अपनी मां के साथ दुकान चली गई, जबकि खुशी घर में अकेली रह गई। परिजनों के अनुसार, इसी दौरान खुशी ने अपने प्रेमी राजेश को वीडियो कॉल किया और वीडियो कॉल के दौरान ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

काफी देर तक दुकान नहीं पहुंचने पर बड़ी बहन ने आसपास के लोगों से जानकारी ली। इसके बाद घर पहुंचने पर खुशी को फंदे से लटका पाया गया। आनन-फानन में परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलने के बाद सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। परिजनों ने राजेश पर खुशी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है।

मेला में 19 लाख कांवरियों ने की सुरक्षित यात्रा

श्रद्धालुओं का रखा गया विशेष ख्याल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बासुकीनाथ। श्रावणी मेला के दौरान 30 जुलाई से 17 अगस्त तक बासुकीनाथ में 26,332 और देवघर में 27,318 यात्रियों का आवागमन हुआ। जबकि इस दौरान पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के चार प्रमुख तीर्थयात्रा केंद्रों में से जसीडीह, बासुकीनाथ, देवघर और बैद्यनाथधाम में श्रावणी मेला के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस दौरान रिकार्ड 19,86,294 श्रद्धालुओं का आवागमन दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष के 18.21 लाख की तुलना में 9.02 प्रतिशत अधिक है। बासुकीनाथ में श्रद्धालुओं की संख्या में 37.89 प्रतिशत, जबकि देवघर में 21.31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। जसीडीह में सर्वाधिक 12,27,836 श्रद्धालुओं का आवागमन हुआ।

श्रावणी सोमवार के अवसर पर 10 और 17 अगस्त को श्रद्धालुओं की सर्वाधिक भीड़ दर्ज की गई। 17 अगस्त को जसीडीह में 92,898 यात्रियों, जबकि 10 अगस्त को बासुकीनाथ में 26,332 और देवघर में 27,318 यात्रियों का आवागमन हुआ।

बैद्यनाथधाम में 17 अगस्त को 9,170 यात्रियों की सर्वाधिक संख्या दर्ज की गई। चारों प्रमुख तीर्थस्थलों पर टिकटिंग व्यवस्था निर्बाध रूप से संचालित की गई, ताकि यात्रियों को टिकट प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। जसीडीह में 10 एटीवीएम और 20 यूटीएस काउंटर 43 पालियों में संचालित किए गए।

देवघर में 3 एटीवीएम और 5 यूटीएस काउंटर 12 पालियों में, बासुकीनाथ में 2 एटीवीएम और 4 यूटीएस काउंटर 9 पालियों में तथा बैद्यनाथधाम में 1 एटीवीएम और 3 यूटीएस काउंटर 7 पालियों में संचालित किए गए। इन चौबीसों घंटे संचालित व्यवस्थाओं के माध्यम से टिकट वितरण की प्रक्रिया सुचारू एवं निर्बाध बनाए रखी गई।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए आसनसोल मंडल द्वारा श्रावणी मेला पंडाल क्षेत्र में लगभग 87 प्रतिशत की वृद्धि की गई। पंडाल क्षेत्र को 69,000 वर्ग फुट से बढ़ाकर 1,29,000 वर्ग फुट किया गया।

पंडाल के फर्श एवं सड़क क्षेत्रों में सुगम सफाई के लिए पीवीसी विनाइल शीट बिछाई गई। इसके अतिरिक्त श्रावणी मेला विशेष ट्रेनों का संचालन तथा विभिन्न ट्रेनों की क्षमता में वृद्धि कर श्रद्धालुओं के सुचारू आवागमन को सुनिश्चित किया गया।

श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए 25 नए वाटर कूलर, लगभग 400 एलईडी लाइटें, विस्तारित प्रतीक्षालय, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट तथा मे आई हेल्प यू बूथ उपलब्ध कराए गए। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के स्वयंसेवकों ने रेलवे कर्मचारियों के साथ मिलकर वृद्ध, बीमार एवं दिव्यांगजन यात्रियों के लिए व्हीलचेयर सहायता उपलब्ध कराई। जसीडीह स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 2-3 पर लिफ्ट तथा प्लेटफॉर्म संख्या एक पर एस्केलेटर चौबीसों घंटे संचालित किए गए। स्टेशनों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए नियमित रूप से फर्श की सफाई, कीटाणुनाशक एवं ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग तथा मोबाइल बायो-टॉयलेट वैन की व्यवस्था की गई।

सरकारी स्कूल में बालू के अवैध भंडारण से लोगों में रोष

कार्रवाई न होने पर ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुकड़ू। सरायकेला-खरसावां जिले के कुकड़ू प्रखंड अंतर्गत सिरूम टोला, बुरुडीह स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय प्रांगण इन दिनों अवैध बालू भंडारण का मुख्य अड्डा बना हुआ है।

ग्रामीणों के अनुसार, पिछले करीब एक महीने से बेखौफ माफिया द्वारा विद्यालय परिसर में बड़े पैमाने पर बालू का स्टॉक किया जा रहा है।

इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और स्कूल में पढ़ने वाले मासूम बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि तिरुलडीह क्षेत्र से रात के अंधेरे में ट्रैक्टरों के जरिए बालू लाकर विद्यालय परिसर में जमा किया जाता है।

इसके बाद देर रात ही बड़े हाइवा वाहनों के माध्यम से इस बालू को अन्य स्थानों पर भेजा जाता है। देर रात तक भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से गांव की सड़कों पर धूल और शोर का माहौल बना रहता है। इससे ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का स्पष्ट आरोप है कि स्थानीय स्तर पर कुछ प्रभावशाली लोगों के संरक्षण में बालू के इस अवैध कारोबार को धड़ल्ले से संचालित किया जा रहा है।

विद्यालय जैसे पवित्र और शैक्षणिक स्थल का इस्तेमाल व्यावसायिक बालू भंडारण के लिए किए जाने से लोग आक्रोशित हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक माह से सरकारी स्कूल परिसर में बालू का अवैध स्टॉक किया जा रहा है, लेकिन संबंधित शिक्षा विभाग, खनन विभाग और स्थानीय प्रशासन की नजर इस पर अब तक क्यों नहीं पड़ी? रात के समय गांव में भारी वाहनों की आवाजाही के बावजूद कोई कार्रवाई न होना प्रशासनिक सुस्ती को कटघरे में खड़ा करता है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और खनन विभाग से मामले की तत्काल निष्पक्ष जांच करने, विद्यालय परिसर में छापेमारी कर बालू जब्त करने तथा इसके स्रोत की जांच की मांग की है।

साथ ही उन्होंने स्कूल परिसर को जल्द से जल्द बालू मुक्त कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने शीघ्र ही ठोस कदम नहीं उठाए, तो वे उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

इंटक ने भू-धंसान पर जताई नाराजगी

राजनीतिक संरक्षण में हुई अवैध खनन का नतीजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन (इंटक) ने धनबाद के सांसद द्वारा दिवंगत नेता राजेंद्र बाबू के संबंध में दिए गए बयान की कड़ी निंदा की है। यूनियन ने इसे दुखद, अमर्यादित और सत्ता के अहंकार से भरा बयान करार दिया। इंटक के महामंत्री ए के झा की अगुवाई में कार्यकारी अध्यक्ष बृजेंद्र प्रसाद सिंह एडवोकेट, वीरेंद्र कुमार अम्बष्ट, उपाध्यक्ष राम प्रीत यादव, लग्न देव यादव, मिथिलेश कुमार सिंह, सचिव रामचंद्र पासवान, दयाल महतो, विमलेश चौबे, मनोज सिंह, सुनील राय, संयुक्त महामंत्री शकील अहमद, रवि चौबे, सनी सिंह, एसके शाही, काली पदो रवानी, महेश निषाद, मोइनुद्दीन खान, मनोज महतो सहित तमाम नेताओं ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य जारी कर कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्ति को सम्मान देना आना चाहिए।

श्री झा ने कहा कि छाताबाद की घटना ईलीगल माइनिंग से जुड़ी है। 1941 के बाद वहां कोई सरकारी खनन नहीं हुआ। पूरी जमीन निजी मालिकों द्वारा पहले किए गए खनन के पिलर पर टिकी थी, जिसे कुछ असामाजिक तत्वों ने राजनीतिक संरक्षण में काटकर करोड़ों की कमाई की। उन्होंने बताया कि मस्जिद पट्टी जो बीसीसीएल की अधिग्रहित जमीन है, वहां रेयती लोगों के मकान जमीन के नीचे दब गए। तालाब धंस गए, मस्जिद को नुकसान पहुंचा। धंसे मकानों में लगभग 10 मकान बीसीएल कर्मियों के भी हैं। इंटक ने सवाल उठाया कि सांसद जो इस क्षेत्र के विधायक भी रहे हैं, क्या वे अपनी नैतिक जिम्मेदारी से बच सकते हैं? एक तरफ लोग भू-धंसान से दहशत में हैं, दूसरी तरफ नाजायज पैसे के लिए पिलर कट रहे हैं। सरकारी दल के सांसद का कर्तव्य है कि वे गृह और कोयला मंत्रालय पर दबाव बनाकर दोषियों को दंडित कराएं और पीड़ितों को न्याय दिलाएं।यूनियन ने कहा कि पिछले 4 वर्षों में सबसे अधिक भू-धंसान कतरास-बाघमारा में ही हुआ है, जिससे बीसीसीएल को आर्थिक नुकसान और गरीब जनता को परेशानी हुई है।

इंटक ने कहा कि दिवंगत राजेंद्र बाबू ने हजारों बेरोजगारों को कोल इंडिया में नौकरी दिलाई और मजदूरों के अधिकार की लड़ाई लड़ी। अटल बिहारी वाजपेयी, आडवाणी और दिशोम गुरु शिबू सोरेन तक से उनके संबंध अनुकरणीय थे। उनके खिलाफ बोलना सूर्य पर थूकने जैसा है। पूरा इंटक और कांग्रेस परिवार इसकी निंदा करता है।श्री झा ने कहा कि राहुल गांधी के निर्देश पर विधायक कुमार जय मंगल सिंह और पूर्व विधायक जलेश्वर महतो ने 21 सदस्यीय डेलीगेशन के साथ 12 घंटे बैठक कर छाताबाद समस्या का स्थाई समाधान बीसीएल मैनेजमेंट से कराया।

अनुमंडल दंडाधिकारी ने किया प्राईम गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण

क्षमता से अधिक मिला स्टॉक, फायर सेफ्टी नियमों का घोर उल्लंघन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे के नेतृत्व में दोपहर प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, धनबाद नगर निगम के पदाधिकारी एवं प्रभारी अग्निशाम पदाधिकारी ने धैया रोड, सी.डी. सिंह कॉलोनी के पास भारत गैस की प्राईम गैस एजेन्सी के बुकिंग कार्यालय तथा उनके भेलाटांड़ स्थित मुख्य गैस गोदाम का औचक निरीक्षण एवं जाँच की गई।

इसकी जानकारी देते हुए अनुमंडल दंडाधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन को उपरोक्त गैस एजेंसी द्वारा अनियमितता बरतने की शिकायत मिली थी। जिसके बाद धैया रोड स्थित प्राईम गैस एजेन्सी के गैस बुकिंग कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। इस क्रम में कार्यालय में नियमों की अनदेखी करते हुए 12 घरेलू गैस सिलिंडर एवं 06 छोटा गैस सिलिंडर अनाधिकृत रूप से स्टॉक किए पाए गए। भेलाटांड़ स्थित गैस गोदाम की निर्धारित व अनुज्ञप्त भंडारण क्षमता मात्र 8,000 किलोग्राम है।

भौतिक सत्यापन के दौरान गोदाम में घरेलू एवं कमर्शियल सिलेंडरों में कुल 12,758.88 किलोग्राम गैस पाई गई, जो निर्धारित क्षमता से 4,758.88 किलोग्राम अधिक है। उन्होंने बताया कि एजेंसी के स्टॉक रजिस्टर में कुल 11,379.04 किलोग्राम गैस दर्ज थी, जबकि मौके पर भौतिक सत्यापन में 12,758.88 किलोग्राम गैस मौजूद पाई गई। जबकि इतने बड़े पैमाने पर ज्वलनशील गैस के भंडारण के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर मात्र 10 किलोग्राम डीसीपी फायर एक्सटिंग्विशर तथा 04 बाल्टी बालू पाए गए, जो अनिवार्य सुरक्षा मानकों के विरुद्ध है। साथ में एजेंसी संचालक व प्रबंधन जाँच दल के समक्ष अग्निशमन विभाग से जारी अनिवार्य अग्निशमन अनापत्ति प्रमाण पत्र (फायर एनओसी) भी प्रस्तुत नहीं कर सकें। अनुमंडल दंडाधिकारी ने बताया कि प्राईम गैस एजेंसी में औचक निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा की अनदेखी, क्षमता से अधिक अवैध भंडारण एवं सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को लेकर संचालक के विरुद्ध विधि सम्मत सुसंगत धाराओं के तहत कठोर दंडात्मक व कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले की अन्य गैस एजेंसियों में भी जिला प्रशासन द्वारा औचक निरीक्षण किया जाएगा। अनियमितता मिलने पर विधि सम्मत सुसंगत धाराओं के तहत कठोर दंडात्मक व कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चीनी के दाम बढ़ने पर सरकार का एक्शन तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में चीनी की बढ़ती कीमतों के बीच मंत्री श्रवण कुमार का बयान चर्चा में आ गया है। चीनी के दाम बढ़ने को लेकर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि देश में डायबिटीज से पीड़ित लोगों की संख्या काफी अधिक है। मंत्री के इस बयान को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है।

चीनी की कीमतों के बीच बिहार सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्ती बढ़ा दी है।

गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने 400 टन से अधिक चीनी का स्टॉक रखने वालों की जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सरकार की नजर अब बड़े स्टॉकिस्ट और व्यापारियों पर है।

निर्देश के बाद विभागीय स्तर पर बड़े स्टॉक की जांच शुरू करने की तैयारी है। जांच में यदि जमाखोरी या कालाबाजारी सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की बात कही गई है। इसका मकसद बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखना है।

विभाग के सचिव ने पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, समस्तीपुर और सीतामढ़ी के जिलाधिकारियों को पत्र भेजा है।

इन जिलों में काम कर रही चीनी मिलों के संचालकों को भी स्टॉक संबंधी जांच में सहयोग करने को कहा गया है। बड़े पैमाने पर चीनी रखने वालों के रिकॉर्ड खंगाले जाएंगे।

सरकार ने चीनी मिलों और व्यापारियों के पास मौजूद स्टॉक की जांच के लिए संयुक्त टीम गठित करने का निर्देश दिया है।

टीम मौके पर पहुंचकर उपलब्ध चीनी और रिकॉर्ड का सत्यापन करेगी। खास तौर पर 400 टन से अधिक स्टॉक वाले प्रतिष्ठानों पर फोकस रहेगा।

हथियारबंद अपराधियों ने मचाया तांडव

नवबिहार टाइम्स संवादददाता

चांडिल। टाटा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित चौका थाना क्षेत्र में देर रात बेखौफ अपराधियों ने जमकर उत्पात मचाया। अपराधियों ने एक ही रात में चार अलग-अलग जगहों को निशाना बनाकर पुलिसिया गश्त और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उरमाल स्थित माधुरी पेट्रोल पंप पर हथियारबंद अपराधियों ने धावा बोलकर करीब 25 हजार रुपये लूट लिए, जबकि चौका-कांड्रा मार्ग पर स्थित सरकारी शराब दुकान में कर्मियों की सूझबूझ से लूट की बड़ी वारदात टल गई।

इसके अलावा, पास के ही खूंटी गांव में एक राशन दुकान से 30 हजार रुपये नकद व सामान की चोरी हुई है। पुलिस को इन सभी घटनाओं के पीछे एक ही अंतरराज्यीय या स्थानीय गिरोह के शामिल होने की आशंका है।

माधुरी पेट्रोल पंप के मैनेजर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, बुधवार की देर रात बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल से तीन नकाबपोश अपराधी पहुंचे।

पंप पर तैनात कर्मी ने उन्हें सामान्य ग्राहक समझकर जैसे ही आगे बढ़ने की कोशिश की, अपराधियों ने उसे दबोच लिया। बदमाशों ने कर्मी के साथ जमकर मारपीट की और उसके कपड़े तक फाड़ डाले।

इसके बाद उसकी जेब में रखे बिक्री के करीब

- पेट्रोल पम्प से 25 हजार की लूट
- शराब दुकान में लूट का प्रयास
- राशन दुकान से हजारों की चोरी

25,000 रुपये लूटकर तमाड़ की दिशा में फरार हो गए। गुरुवार सुबह घटना की सूचना चौका थाना पुलिस को दी गई, जिसके बाद थाना प्रभारी ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू की।

इससे पूर्व, चौका-कांड्रा सड़क पर बानसा स्थित सरकारी शराब दुकान में रात 10:57 बजे ही लूट का प्रयास किया गया था। दुकान के कर्मचारियों ने बताया कि तीन की संख्या में आए बदमाशों ने ग्रिल के पास पहुंचकर हथियार लहराया और ताला खोलने की धमकी दी।

अपराधियों के पास एक आग्नेयास्त्र (पिस्तौल) और दो धारदार हथियार थे। सभी आपस में हिंदी में बातचीत कर रहे थे। दुकान के अंदर मौजूद कर्मियों ने साहस दिखाते हुए गेट नहीं खोला, जिससे अपराधी अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो सके। हालांकि, धक्का-मुक्की और हल्की झड़प के दौरान अपराधियों ने एक कर्मी पर धारदार नुकीले हथियार से वार कर उसे घायल कर दिया।

उसी रात चौका थाना से सटे खूंटी गांव में चोरों ने शिव महतो की राशन दुकान को निशाना बनाया। चोर दुकान का एस्बेस्टस (छत) उखाड़कर अंदर दाखिल हुए और गल्ले में रखे 30,000 नकद समेत कई कीमती सामान बटोर ले गए। गुरुवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे मालिक को चोरी का पता चला। यह पूरी वारदात सामने लगी एक दुकान के उउळश कैमरे में कैद हो गई है।

इसके अलावा, उरमाल में ही एक अन्य दुकान का शटर तोड़ने का प्रयास भी किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

एक ही रात में राष्ट्रीय राजमार्ग से सटे इलाकों में चार अलग-अलग आपराधिक घटनाओं से इलाके के व्यवसायियों और ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

शराब दुकान और पेट्रोल पंप पर हुई वारदात के समय, अपराधियों के हुलिए और कार्यशैली को देखते हुए पुलिस एक ही गिरोह की संलिप्तता मानकर जांच कर रही है।

चौका थाना पुलिस ने उउळश फुटेज, अपराधियों की बाइक और उनके भागने के रास्तों का मिलान शुरू कर दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है और जल्द ही अपराधियों को चिन्हित कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

मांगों के समर्थन में छात्रों की भूख हड़ताल शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। दिल्ली और रांची के आंदोलनों की तर्ज पर अब बिहार के समस्तीपुर में भी छात्रों ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का बिगुल फूंक दिया है।

सरायरंजन स्थित केएसआर कॉलेज को प्रस्तावित पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे के रूट से बचाने और जिले में कोचिंग एक्ट लागू करने की मांग को लेकर एनएसयूआई ने गुरुवार से शिक्षा बचाओ सत्याग्रह शुरू किया।

कलेक्ट्रेट परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद छात्र नेता नारेबाजी करते हुए डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष पहुंचे और वहीं धरने पर बैठ गए।

इस अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजन कुमार वर्मा, जिला उपाध्यक्ष ललन यादव, विवेक विराट और छात्र नेता गोलू यादव बैठे हैं।

छात्र नेताओं ने दो टूक कहा कि दोनों मांगें सीधे तौर पर विद्यार्थियों और आम जनता के भविष्य से जुड़ी हैं, जिन पर ठोस निर्णय होने तक प्रदर्शन जारी रहेगा।

प्रदेश उपाध्यक्ष अभिनव अंशु ने स्पष्ट किया कि संगठन विकास के खिलाफ नहीं है, लेकिन शिक्षण संस्थानों और छात्रों की शिक्षा की कीमत पर कोई प्रोजेक्ट स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जिलाध्यक्ष राजन कुमार वर्मा ने कहा कि सरायरंजन का केएसआर कॉलेज इलाके में उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र है और एक्सप्रेसवे का रूट बदलकर इसे सुरक्षित किया जाना चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने जिले भर में कोचिंग एक्ट को पूरी सख्ती से लागू करने की मांग उठाई ताकि निजी शिक्षण केंद्रों में पारदर्शिता लाई जा सके।

संगठन ने जिला प्रशासन से दोनों प्रमुख मांगों पर बिना किसी देरी के त्वरित और ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की है।

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास की जन्मतिथि पर विवाद

जम्मू कोर्ट ने पुलिस को जांच के आदेश दिए, 3 सितंबर तक रिपोर्ट मांगी

श्रीनगर (एजेंसी)। बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास की जन्मतिथि को लेकर विवाद सामने आया है। जम्मू की स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट कोर्ट ने उनकी जन्मतिथि में कथित हेरफेर के आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने नवाबाद पुलिस को मामले की जांच कर 3 सितंबर 2026 या उससे पहले रिपोर्ट पेश करने को कहा है। मिथुन मन्हास जम्मू-कश्मीर से बीसीसीआई अध्यक्ष बनने वाले पहले व्यक्ति हैं। उन्हें सितंबर 2025 में इस पद के लिए चुना गया था। पूर्व भारतीय फर्स्ट-क्लास क्रिकेटर मन्हास ने अपने क्रिकेट करियर में जम्मू-कश्मीर और दिल्ली को रिप्रेजेंट किया है।

दो रिकॉर्ड में अलग जन्मतिथि – शिकायत में बताया गया है कि मन्हास की जन्मतिथि अलग-अलग रिकॉर्ड में अलग है। महाराजा हरि सिंह एग्रीकल्चर कॉलेजिएट स्कूल (एमएचएसी),नागबनी के रिकॉर्ड के मुताबिक उनकी जन्मतिथि 9 दिसंबर 1977 है। वहीं, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) वेबसाइट पर यह तारीख 12 अक्टूबर 1979 दर्ज होने का दावा किया गया है। यानी दोनों रिकॉर्ड में करीब दो साल का अंतर है। शिकायतकर्ता ने इसी अंतर को जन्मतिथि में कथित गड़बड़ी का आधार बनाया है। मेहता की शिकायत में आईपीसी की धारा 415, 420 और 462 का भी जिक्र है।

दिल्ली को कप्तानी में रणजी ट्रॉफी जिताई

दिल्ली के लिए खेलते हुए मन्हास ने मिडिल ऑर्डर में अपनी जगह मजबूत की। 2001-02 सीजन में उन्होंने पहली बार रणजी ट्रॉफी में 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में जगह बनाई।इसके बाद वे 2006 से 2008 तक दिल्ली रणजी टीम के कप्तान रहे। उनकी कप्तानी में दिल्ली ने 2007-08 रणजी ट्रॉफी जीती। यह दिल्ली का उस समय 16वां रणजी खिताब था। मन्हास बाद में बीसीसीआई अध्यक्ष बनने वाले जम्मू-कश्मीर के पहले व्यक्ति बने। सितंबर 2025 में उन्हें इस पद के लिए चुना गया था।

● पूर्व डिप्टी एसपी ने शिकायत की

मामला पूर्व डिप्टी एसपी और जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व संयुक्त मानद सचिव सुदर्शन मेहता की शिकायत के बाद सामने आया। मेहता का आरोप है कि मन्हास ने जूनियर क्रिकेट में राष्ट्रीय स्तर पर खेलने की पात्रता का फायदा लेने के लिए अलग-अलग जगहों पर अलग जन्मतिथि दर्ज कराई। मेहता ने इसी आधार पर धोखाधड़ी, चीटिंग और जालसाजी से जुड़े मामलों में एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। हालांकि कोर्ट ने अभी एपआईआर का आदेश नहीं दिया है।

● दिल्ली डेयरडेविल्स से आईपीएल डेब्यू हुआ

रणजी में अच्छा परफॉरमेंस देने के चलते मन्हास का सिलेक्शन आईपीएल के पहले सीजन में हो गया। उन्होंने 2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स से आईपीएल डेब्यू किया। फिर साल 2011 में आईपीएल में पुणे वॉरियर्स इंडिया से जुड़े। 2015 में चेन्नई सुपर किंग्स टीम का हिस्सा बने।

अभिषेक बनर्जी की टीम डायमंड हार्बर आईएसएल से बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। इस सीजन में देश की टॉप लीग इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में बंगाल की एक नई टीम देखने की उम्मीद पूरी नहीं हो होगी. क्योंकि डायमंड हार्बर लीग के नियमों के अनुसार हिस्सा लेने की फीस की दूसरी किस्त जमा नहीं कर पाई. इसीलिए ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) ने डायमंड हार्बर के बिना आईएसएल 2026-27 के सीजन का ऐलान कर दिया। बता दें कि टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी की टीम डायमंड हार्बर एफसी ने पिछले सीजन में इंडियन फुटबॉल लीग जीतकर 2026-27 सीजन में आईएसएल में हिस्सा लेने के लिए क्वालीफाई किया था. लेकिन अब उनकी टीम इस लीग में नजर नहीं आएगी। डायमंड हार्बर ने इस सीजन में कोलकाता फुटबॉल लीग और डूरंड कप से अपनी टीम पहले ही हटा ली थी. तब से ही एक डर बना हुआ था. बुधवार को उस डर पर मुहर लग गई। फेडरेशन ने डायमंड हार्बर को दूसरी किस्त जमा करने के लिए बुधवार दोपहर तक का समय दिया था. लेकिन डेडलाइन खत्म होने के बाद फेडरेशन ने डायमंड हार्बर को छोड़कर ढ्रुस्रुका आधिकारिक ऐलान कर दिया. इसकी वजह से अब लीग में कुल 13 टीमें भाग लेंगी। फेडरेशन ने एक बयान में लिखा, आईएसएल का 2026-27 सीजन 13 भाग लेने वाले क्लबों के साथ आयोजित किया जाएगा. जिसे होम-अवे आधार पर डबल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेला जाएगा. आईएसएल की शुरुआत की तारीख का ऐलान बहुत जल्द किया जाएगा।' खबरों के मुताबिक, देश की टॉप लीग सितंबर-अक्टूबर में एफआईएफए विंडो के बाद शुरू होगी. फीफा विंडो 21 सितंबर से 6 अक्टूबर तक चलेगी. उसके बाद आईएसएल का 13वां सीजन शुरू होगा।

आईएसएल में हिस्सा लेने वाले 13 क्लब

ईस्ट बंगाल, मोहन बागान, एफसी गोवा, बेंगलुरु स्त्रष्ट, चेन्नईयन एफसी , एससी दिल्ली, ओडिशा स्त्रष्ट, पंजाब स्त्रष्ट, चर्चिल ब्रदर्स, मुंबई सिटी एफसी, केरला ब्लास्टर्स, इंटर काशी और नॉर्थ-ईस्ट यूनाइटेड।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप

लक्ष्य सेन दूसरे राउंड में हारकर टूर्नामेंट से हुए बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के लक्ष्य सेन बुधवार को बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के पुरुष एकल वर्ग में अमेरिका के 18 वर्षीय गैरेट टैन के हाथों दूसरे राउंड में उलटफेर का शिकार होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। 2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले लक्ष्य सेन ने पहला गेम तो जीता, लेकिन अपनी लय बरकरार नहीं रख सके और वर्ल्ड नंबर 92 रैंक के टैन ने वापसी करते हुए 19-21, 21-19, 21-17 से जीत हासिल की. वर्ल्ड चैंपियनशिप में यह टैन का पहला मुकाबला था और मैच 73 मिनट तक चला। इस हार के साथ ही लक्ष्य का अभियान शुरुआती दौर में ही खत्म हो गया और अब पुरुष सिंगल्स ड्रॉ में भारत की उम्मीदें सिर्फ आयुष शेट्टी पर टिकी हैं। लक्ष्य सेन ने इस हार पर निराशा जताते हुए कहा, 'यह एक अच्छा मैच था, मैं अपने प्रतिद्वंद्वी को पूरा श्रेय देता हूं. उन्होंने बहुत मजबूत खेल दिखाया. तीसरे सेट के आखिर तक हम दोनों पूरी तरह थक चुके थे. मुझे लगता है कि मैंने अपना सब कुछ झोंक दिया. आखिर में, यह मैच जीतने के लिए काफी नहीं था, जिससे मैं थोड़ा निराश हूं।' वहीं दूसरी तरफ सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की पुरुष युगल जोड़ी वॉकओवर मिलने के बाद प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है. वर्ल्ड चैंपियनशिप की दो बार की कांस्य पदक विजेता भारत की इस जोड़ी को पहले दौर में बाई मिली थी और दूसरे दौर में उसका सामना स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डुन और एडम प्रिंगल से होना था। हालांकि बुधवार को ही मिश्रित युगल मुकाबले के दौरान डुन के दाहिने टखने में चोट लगने के बाद स्कॉटलैंड की जोड़ी ने अंतिम समय में नाम वापस ले लिया.

हॉकी वर्ल्ड कप

पाकिस्तान पर जीत दर्ज करने के बावजूद कप्तान हरमनप्रीत नाखुश

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत ने बुधवार (19 अगस्त) को पूल डी के अपने आखिरी मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 5-3 से जीत दर्ज की. इस जीत के साथ भारत वर्ल्ड कप के अगले राउंड में पहुंच गया जबकि पाकिस्तान का सफर यहीं पर खत्म हो गया. इसके अलावा भारत ने इस जीत के साथ पाकिस्तान के खिलाफ पिछले एक दशक से चले आ रहे अपने जीत के सिलसिले को भी जारी रखा।

गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय टीम की तारीफ की – केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप मैच में पाकिस्तान को हराने पर भारतीय पुरुष हॉकी टीम को बधाई दी है. उन्होंने एक्स पर लिखा, 'हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में आज के मैच में पाकिस्तान को हराने के लिए टीम इंडिया को बधाई. खेल पर शानदार पकड़ और बेहतरीन खेल कौशल के साथ, आपने भारत के दशकों पुराने दबदबे को कायम रखा है.

● **टीम के प्रदर्शन से मैं खुश हूं –** मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन भी दबाव भरे मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन से संतुष्ट दिखे. उन्होंने कहा कि खिलाड़ी पूरे मैच में टीम की रणनीति पर कायम रहे. फुल्टोन ने कहा, 'यह बड़ा मुकाबला था और बड़ा मौका भी. हर कोई अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहा था. मुझे खुशी है कि हम अपनी योजना पर कायम रहे. टीम के प्रदर्शन से मैं खुश हूं।'

● **टीम की गलतियां भारी पड़ीं –** वही दूसरी तरफ पाकिस्तान के सूफियान खान ने माना कि उनकी टीम की गलतियां भारत के खिलाफ भारी पड़ीं. उन्होंने कहा, 'हमने कई गलतियां कीं और हमें कड़ी मेहनत करनी होगी. भारत बहुत अच्छी टीम है. उम्मीद है कि हम इससे सीखेंगे और अगले महीने एशियाई खेलों में ज्यादा मजबूत होकर वापसी करेंगे।'

भारतीय हॉकी खिलाड़ियों ने पाकिस्तान से हाई-फाइव किया

क्रिकेटर्स ने हाथ नहीं मिलाया था

भारतीय हॉकी टीम ने मेंस वर्ल्ड कप में बुधवार को पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया, लेकिन खेल भावना दिखाते हुए हाई-फाइव किया।इससे पहले 23 जून 2026 को लंदन में हुए मुकाबले में भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाई-फाइव हुआ था।दरअसल 22 अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारतीय खिलाड़ियों और पाकिस्तानी खिलाड़ियों के बीच हैंडशेक नहीं करने की नीति देखी जा रही है।भारतीय खिलाड़ियों ने 23 जून 2026 को लंदन में प्रो-लीग मैच में पाकिस्तानियों से हाथ मिला था।

हाथ मिलाने पर हॉकी इंडिया की रोक नहीं

हॉकी इंडिया ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाने पर भारतीय टीम पर कोई रोक नहीं लगाई है। उसने कहा था कि इस मामले पर वे एफआईएच और ओलिंपिक चार्टर के नियमों का पालन करेंगे।

महिला क्रिकेट टीम ने हाथ नहीं मिलाया था

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 12 जून से 5 जुलाई 2026 तक आयोजित विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिला था।

डिफेंस की कमजोरियों को सुधारना होगा

5-3 से शानदार जीत हासिल करने के बावजूद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने कुछ कमजोरियों को लेकर चिंता जताई. उनका मानना है कि वर्ल्ड कप के अहम दौर में पहुंचने से पहले टीम को डिफेंस की कमजोरियों को सुधारना होगा।

त्रिसा - गायत्री बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में

● जापान की सातवीं सीड जोड़ी को हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में विमेंस डबल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में गुरुवार को 39वीं सीड भारतीय जोड़ी ने प्री-क्वार्टर फाइनल में 7वीं सीड जापान की रिन इवानागा और की नाकानिशी को 21-16, 21-12 से हराया।

अमेरिकी जोड़ी को भी सीधे गेम में हराया था – इससे पहले राउंड ऑफ 32 में त्रिसा-गायत्री ने अमेरिका की 16वीं सीड लॉरेन लाम और एलीसन ली को 21-15, 21-12 से हराया था।

पीवी सिंधु की भिड़ंत चीन की वांग झी यी से – विमेंस सिंगल्स में आज पीवी सिंधु का मुकाबला होगा। वे राउंड ऑफ 16 में चीन की वांग झी यी से खेलेंगी। वहीं मेंस डबल्स में सात्विक-चिराग भी प्री-क्वार्टरफाइनल का मुकाबला खेलेंगे। भारत के और आज 4 मुकाबले होंगे। इनमें आयुष शेट्टी मेंस सिंगल्स में खेलेंगे। वहीं विमेंस डबल्स में त्रिसा जॉली-गायत्री गोपीचंद और मेंस डबल्स में ध्रुव कपिला-तनिषा क्रास्टो की जोड़ी उतरेगी।

सिंधु ने पिछला मैच 2 गेम में जीता

राउंड ऑफ 32 में सिंधु ने कनाडा की वेन यू झांग को 21-16, 21-17 से हराया था। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु को अगले राउंड में चीन की मजबूत खिलाड़ी की चुनौती मिलेगी। यह मैच शाम 5:10 बजे से शुरु होगा।

प्रज्ञानानंदा सिंकफील्ड कप में दूसरे नंबर पर रहे

वेस्ली सो ने खिताब जीता, तान झोंगयी ने दूसरा केर्न्स कप जीता

आर्मागडन भी ड्रॉ, काले मोहरों के कारण सो जीते

आर्मागडन में प्रज्ञानानंदा ने सफेद मोहरों से खेला, इसलिए उन्हें जीतना जरूरी था। सो के पास काले मोहरे थे और उनके लिए ड्रॉ पर्याप्त था। मुकाबला ड्रॉ रहा और टाईब्रेक के नियम के अनुसार काले मोहरों से खेलने वाले सो चैंपियन बन गए।

12 बाजियों में अजेय रहे सो

वेस्ली सो पूरे सिंकफील्ड कप में अजेय रहे। उन्होंने 12 बाजियों में 2 जीत दर्ज कीं और 10 मुकाबले ड्रॉ खेले। यह उनका सिंकफील्ड कप में तीसरा खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2016 और 2025 में यह ट्रॉफी जीती थी।

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के आर प्रज्ञानानंदा सिंकफील्ड कप चेस टूर्नामेंट में खिताब जीतने से चूक गए। क्लासिकल मुकाबलों के बाद प्रज्ञानानंदा और अमेरिका के वेस्ली सो 5.5-5.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर रहे। इसके बाद खिताब के लिए दो रैपिड प्लेऑफ खेली गईं, लेकिन दोनों ड्रॉ रहीं। फिर आर्मगडन में भी मुकाबला ड्रॉ रहा। काले मोहरों से खेलने के कारण सो को विजेता घोषित किया गया। यह वेस्ली सो का तीसरा सिंकफील्ड कप खिताब है। उन्होंने इससे पहले 2016 और 2025 में भी यह टूर्नामेंट जीता था। उन्हें 87,500 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली।

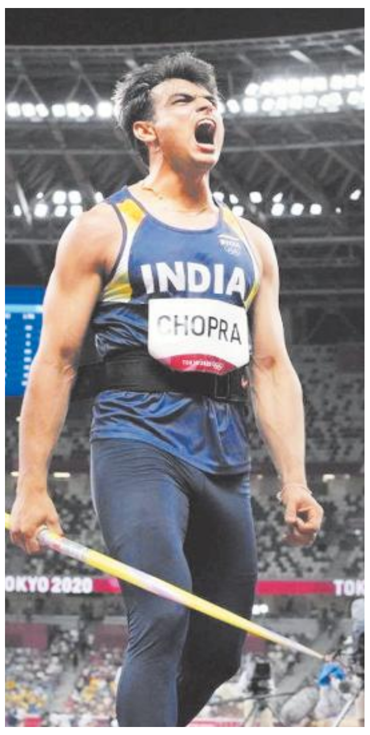

नीरज चोपड़ा और पथिरागे के बीच होगा रोमांचक मुकाबला

लुसाने डायमंड लीग में फिर दिखेंगे आमने-सामने

लुसाने (एजेंसी)। भारत के भाला फेंक के दिग्गज खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और श्रीलंका के उभरते सितारे रमेश पथिरागे शुक्रवार को लुसाने डायमंड लीग में फिर से आमने सामने होंगे, जिसमें भारतीय खिलाड़ी डायमंड लीग फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेगा। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में पथिरागे ने स्वर्ण और चोपड़ा ने रजत पदक जीता था। इसके तीन सप्ताह बाद ये दोनों खिलाड़ी फिर से एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में पथिरागे – 23 वर्षीय पथिरागे इस सत्र में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। उन्होंने दोहा और रोम डायमंड लीग में जीत हासिल करने के अलावा ग्लास्गो में 89.75 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक भी जीता है। जून में रोम में 92.62 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ उन्होंने 90 मीटर का प्रतिष्ठित आंकड़ा भी पार किया। श्रीलंकाई

खिलाड़ी ने इस सत्र में अब तक जिन 9 प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, उनमें से 8 में जीत हासिल की है। वह पहले ही डायमंड लीग फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं।

मौजूदा विश्व चैंपियन अरशद नदीम टूर्नामेंट से हटे – राष्ट्रमंडल खेलों के बाद चोपड़ा स्विट्जरलैंड के बील चले गए थे, जहां वह अपने बचपन के कोच जयवीर चौधरी और फिजियो ईशान मारवाह के साथ अभ्यास कर रहे थे। मौजूदा विश्व चैंपियन अरशद नदीम और जर्मनी के यूरोपीय चैंपियन जूलियन वेबर के हटने से लुसाने डायमंड लीग की चमक कुछ फीकी पड़ गई है।

वेबर ने यूरोपीय चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता

वेबर ने बर्मिंघम में यूरोपीय चैंपियनशिप में 90.40 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था। त्रिनिदाद और टोबैगो के मौजूदा विश्व चैंपियन केशोर्न वालकॉट और ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स की मौजूदगी के कारण अब भी मुकाबला कड़ा है। अमेरिका के विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता कर्टिस थॉम्पसन और चेक गणराज्य के ओलंपिक रजत पदक विजेता जैकब वाडलेज भी इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले नौ खिलाड़ियों में शामिल हैं। चोपड़ा के लिए सत्र के आखिर में होने वाले डायमंड लीग फाइनल की रैंकिंग में ऊपर पहुंचने के लिए लुसाने में होने वाली प्रतियोगिता महत्वपूर्ण है। वह फिलहाल छह अंकों के साथ सातवें स्थान पर हैं। रैंकिंग में शीर्ष छह खिलाड़ी चार और पांच सितंबर को ब्रुसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल में भाग लेंगे।

चोट से परेशान रहे चोपड़ा ने ग्लास्गो में जीता था रजत पदक

दूसरी तरफ चोपड़ा पिछले साल सितंबर से पीठ के निचले हिस्से की चोट से परेशान रहे हैं। इसके कारण उनकी वापसी दोहा में आयोजित डायमंड लीग तक टल गई थी। ग्लास्गो में वह पूरी तरह से फिट नहीं थे, लेकिन फिर भी 85.83 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक जीतने में सफल रहे। इस 28 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने राष्ट्रमंडल खेलों के बाद कहा था, 'मैं यह नहीं कह सकता कि मेरी फिटनेस पहले जैसी है।

छत पर सो रहे बड़े बेटे पर कुदाल से जानलेवा हमला

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। घरेलू विवाद में पिता और भाभी द्वारा छत पर सो रहे बेटे पर कुदाल से जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मसौढ़ी थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।आवेदन महुआ बिगहा निवासी पिंटु कुमार 43 वर्ष पिता केदार प्रसाद ने दिया है। उन्होंने बताया कि 30 जुलाई 2026 की रात करीब 4 बजे वे अपनी पत्नी और बच्चों के साथ छत पर सो रहे थे। इसी दौरान उनके पिता केदार प्रसाद 60 वर्ष और भाभी सुनीता देवी 28 वर्ष पति जीवन प्रसाद घर में घुस आए और कुदाल से उन पर जानलेवा हमला कर दिया।

पिंटु कुमार के अनुसार हमले में वे बेहोश होकर गिर गए। हमलावरों ने उनके चेहरे, सिर, आंख और दाढ़ी पर कुदाल से वार किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर सुनकर पत्नी और ग्रामीण जुटे तो दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

श्रद्धालुओं का एक जत्था बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर में पूजा-अर्चना के लिए रवाना हुआ

हुसैनाबाद,पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सावन की भक्ति और आस्था के बीच हुसैनाबाद से श्रद्धालुओं का एक जत्था गुरुवार को बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर में पूजा-अर्चना एवं दर्शन के लिए रवाना हुआ। हुसैनाबाद के बुलंदबीघा निवासी भाजपा नेता जयप्रकाश उपाध्याय के नेतृत्व में रवाना हुए श्रद्धालुओं ने यात्रा शुरू करने से पहले हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारे लगाए। जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा।

जत्थे में बड़ेपुर पंचायत के पूर्व मुखिया सुनील कुमार सिंह, ज्ञान प्रकाश उपाध्याय, मिंटू सिंह, पप्पू कुमार, रणधीर कुमार समेत बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल हैं। श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर जलाभिषेक और विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने की बात कही।

श्रद्धालुओं ने कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष महत्व रखता है। इस पवित्र माह में बाबा बैद्यनाथ के दरबार में पहुंचकर जलाभिषेक करने से मन को शांति और आध्यात्मिक संतोष की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि देवघर की यात्रा महज धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और शिवभक्ति से जुड़ी एक पवित्र यात्रा है।

प्राथमिक विद्यालय बेर्रा बिगहा के स्टोर रूम का ताला तोड़कर 4 बोरा एमडीएम चावल चोरी

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। चोरों ने प्राथमिक विद्यालय बेर्रा बिगहा के भंडार कक्ष का ताला तोड़कर मध्याह्न भोजन योजना का 4 बोरा चावल चोरी कर लिया। घटना को लेकर विद्यालय के प्रधान शिक्षक ने नदौल ओपी में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।प्रधान शिक्षक सौजन्य कुमार पिता विनोद कुमार, निवासी उसमान चक, ने बताया कि 17 अगस्त 2026 को विद्यालय बंद करने के बाद सभी कमरों और स्टोर रूम में ताला लगाकर वे घर चले गए थे। 18 अगस्त को सुबह विद्यालय पहुंचने पर प्रांगण में चावल बिखरा मिला। स्टोर रूम के पास पहुंचने पर देखा कि ताला गायब था और सिर्फ कुंडी लगी थी। ग्रामीणों के सामने स्टोर रूम खोलने पर पाया कि टउ्ट का 4 बोरा चावल गायब है। स्टोर रूम के बाहर सिगरेट और माचिस की जली तिल्लियां भी बिखरी पड़ी थीं।प्रधान शिक्षक ने आरोप लगाया कि विद्यालय परिसर में चारदीवारी नहीं होने के कारण असामाजिक तत्व रात में विद्यालय के पीछे वाले भवन में बैठते हैं।

भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती धूमधाम से मनायी गयी

हुसैनाबाद, पलामू, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की जयंती गुरुवार को मध्य विद्यालय परिसर में सद्भावना दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और आधुनिक भारत के निर्माण में उनके योगदान को याद किया।

प्रत्येक दिन की तरह विद्यालय में आयोजित मॉर्निंग असेम्बली की शुरूआत प्रार्थना, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रगान और संविधान की प्रस्तावना के वाचन से हुई। इसके बाद विद्यालय पट्ट पर अंकित सामान्य ज्ञान की पुनरावृत्ति कराई गई। तत्पश्चात जेसीईआरटी द्वारा प्रेषित न्यूज एवं क्विज कंटेंट का वाचन विद्वत भाषायी शिक्षिका सुषमा पांडेय ने किया।उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि राजीव गांधी देश के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बने और वर्ष 1984 से 1989 तक प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व किया। सूचना प्रौद्योगिकी एवं दूरसंचार क्रांति, पंचायतीराज, स्थानीय स्वशासन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, महिला सशक्तिकरण, नवोदय विद्यालयों के विस्तार तथा 18 वर्ष के युवाओं को मताधिकार जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों में उनके योगदान को रेखांकित किया गया। सुषमा पांडेय ने कहा कि राजीव गांधी का सपना आधुनिक, शिक्षित, प्रगतिशील और सशक्त भारत का निर्माण करना था।

उनकी जयंती को सद्भावना दिवस के रूप में मनाने का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, शांति, प्रेम और सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देना है।

उद्देरस्थान बैराज के 6 गेट खोलने से दनियावां के नदियों में बढ़ा जलप्रवाह

लोकाईन, महतमाईन, भुतही, धोबा में जलधारा, हजारों किसानों को मिली सिंचाई की राहत

दनियावां (पटना), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पिछले साल जुलाई 2025 में जहां नदियां लबालब भरी हुई थीं, वहीं इस बार 2026 में लगभग 1 महीने बाद जहानाबाद जिले के *उद्देरस्थान बैराज से 6 गेट खोले जाने के बाद क्षेत्र की नदियों में बुधवार की रात्रि से फिर से जलराशि की धारा बहने लगी है। बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद लोकाईन, महतमाईन, वाहा, भुतही और धोबा नदियों में पानी की आवक बढ़ गई है।

किनारे बसे गांवों को लाभ

महतमाईन नदी के किनारे बसे गांव ऐरई,जीवनचक, गुलारियाबीघा, किश्मिरिया, चक्रंज्जा, काजीबीघा जैसे गांव बसे हैं। वहीं भुतही नदी से खरभैया पंचायत के सरथुआ, तोप, खरभैया, नियामतपुर, शोहपर के किसानों को सिंचाई में सीधा फायदा मिलेगा। भूजलस्तर बढ़ने से ग्रामीणों काफी खुश दिखे। इसके अलावा सिंगरियावां, शाहजहांपुर, बांकीपुर-मछरियावां के खेतों में भी पटवन की सुविधा बढ़ गई है। धान की खेती में पर्याप्त पानी मिलने से किसानों के चेहरे पर खुशी है।

किसानों की प्रतिक्रिया

कृषि सुधार समिति, सरथुआ के कोषाध्यक्ष मुन्ना कुमार (वर्तमान खरभैया पैक्स अध्यक्ष), *सामाजिक कार्यकर्ता *मंटू कुमार चंद्रवंशी,नागेंद्र पटेल और तोप गांव के *रणधीर कुमार,राजकमल ने बताया कि बैराज से पानी आने के बाद किसानों को बड़ी राहत मिली है। अब भी परंपरागत जलस्रोत आहर,पईन,पोखर में पर्याप्त पानी न आने से किसान मघा नक्षत्र में अच्छी वर्षा और इंद्रदेव से मेघों की कामना कर रहे।

मछली पालन और खान-पान पर असर

स्थानीय लोगों ने बताया कि इन नदियों में अभी कई देशी मछलियों का प्रजनन का समय है। पानी बढ़ने से मछली व्यवसाय से जुड़े लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही सावन के बाद भादो में इसे "सी-फूड" के रूप में खाने वालों की जायका भी बदलेगी। इन नदियों की मिट्टी लाल और सोंधी खुशबू भरी होती है जिससे टेंगरा, चेलक्कर, पताशी, बोआरी, पोठिया, झींगा या इचना,भकुरा, चारनक्वा व अरगी में एक ताजी फ्लेवर रहती है जो इसके जायके के लिए खानेवालों को अतिस्वादिष्ट लगती है। किसानों ने प्रशासन और सिंचाई विभाग से मांग की है कि आगे भी नदियों में पानी की नियमित आपूर्ति बनी रहे ताकि रबी और खरीफ दोनों फसलों को लाभ मिल सके।उधर सरथुआ के ही एक अन्य सामाजिक कार्यकर्ता विमलेश कुमार उर्फ अखिलेश स ने सिंचाई अभियंता प्रमुख को पत्र लिखकर भुतही नदी में स्विस गेट और बेरमा व एरेई के बीच नदी में नए ऊंचे वराज निर्माण की मांग की है।

ससुराल वालों पर जहर देकर हत्या का आरोप

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। ससुराल पक्ष द्वारा बार-बार प्रताड़ित कर साजिश के तहत जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए एक व्यक्ति ने धनरूआ थाना बहरामपुर ओपी में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। आवेदन पथरहट गांव निवासी रमेश कुमार ने दिया है। उन्होंने बताया कि उनकी बुआ श्रीमती कुसुम देवी, 61 वर्ष, निवासी बांसबीघा, थाना बहरामपुर ओपी, पति की मृत्यु के बाद से विधवा जीवन जी रही थीं।

रमेश कुमार के अनुसार, ससुराल वाले आए दिन कुसुम देवी के साथ मारपीट करते थे और जमीन-मकान से बेदखल करने के उद्देश्य से आत्महत्या के लिए उकसाते थे। कई बार समझौते का प्रयास हुआ, लेकिन मामला न्यायालय तक पहुंचा। न्यायालय ने बंटवारा कर कुसुम देवी को उनका हिस्सा दिलाया था।

गांडेय में विकास योजनाओं में गड़बड़ी का आरोप, लाभुक को बिना बताए 49,990 रुपये की निकासी

गांडेय, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गांडेय प्रखंड में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में अनियमितता का आरोप लगाते हुए पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं फारवर्ड ब्लॉक के जिला संयोजक राजेश यादव ने जांच और कार्रवाई की मांग की है मामला रसनजोरी पंचायत के बोरोटांड़ गांव का है, जहां लाभुक भुनेश्वर दास के नाम से वर्ष 2023-24 में स्वीकृत बिरसा सिंचाई कूप योजना के तहत 49,990 रुपये की निकासी किए जाने की बात सामने आई है।

लाभुक का दावा है कि उसे इस निकासी की जानकारी नहीं है योजना संख्या 3419006024 आई एफ 7080903062857 के तहत राशि की निकासी का मामला सामने आने के बाद राजेश यादव ने गुरुवार को लाभुक से मुलाकात कर जानकारी ली उन्होंने बताया कि लाभुक ने इस संबंध में गांडेय बीडीओ के नाम लिखित शिकायत भी दी है राजेश यादव ने आरोप लगाया कि गांडेय प्रखंड में विकास योजनाओं के नाम पर इस तरह की अनियमितताओं की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं।

उन्होंने लाभुक को साथ लेकर बीडीओ निशांत अंजुम से मुलाकात कर मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की बीडीओ ने उचित कार्रवाई का भरोसा दिया राजेश यादव ने कहा कि यदि मामले में शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं हुई और ऐसी घटनाओं पर रोक नहीं लगी तो फारवर्ड ब्लॉक की ओर से आंदोलन किया जाएगा।

मौके पर लाभुक भुनेश्वर दास के अलावा फारवर्ड ब्लॉक के गांडेय प्रखंड अध्यक्ष मेहताब अली मिर्जा प्रखंड महासचिव मनोज यादव संजय यादवल्लअख्तर अंसारी दशरथ वर्मा सहित कई लोग मौजूद थे।

पालीगंज में शराब के खिलाफ छापेमारी, 30 लीटर विदेशी शराब बरामद

पालीगंज (पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पालीगंज थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 30 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शराब बिक्री में इस्तेमाल की जा रही एक स्कूटी भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त की रात सूचना मिली कि दरियापुर अनंत निवासी नवलेश कुमार विदेशी शराब की खरीद-बिक्री करता है और उसने शराब अपने घर में छिपाकर रखी है।

सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने उसके घर पर छापेमारी की, जहां से विदेशी शराब बरामद हुई। पूछताछ में नवलेश ने पुलिस को बताया कि बरामद शराब पालीगंज में सुधा डेयरी चलाने वाले अमित कुमार की है और वही उसे बिक्री के लिए शराब देता है।

विपरीत परिस्थितियों में भी सेवा का संकल्प आपदा मित्र लाइब्रेरी बनी जरूरतमंदों का सहारा

बिना किसी बड़े सहयोग के वर्षों से जारी है सामाजिक सेवा का अभियान

हजारीबाग, नवबिहार टाइम्स संवाददार्ता। तमाम विपरीत परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद आपदा मित्र लाइब्रेरी का सामाजिक सेवा अभियान लगातार चलायमान है।

बिना किसी बड़े आर्थिक या संस्थागत सहयोग के संस्था के संस्थापक शशि शेखर एवं उनकी समर्पित टीम वर्षों से समाज के गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की सेवा में दिन-रात जुटी हुई है।

कोरोना महामारी के कठिन दौर से लेकर आज तक आपदा मित्र ने हर विपरीत परिस्थिति में जरूरतमंदों की मदद का हाथ बढ़ाया है। संस्था द्वारा गरीब एवं असहाय लोगों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता रहा है। सेवा के इसी क्रम में आपदा मित्र द्वारा पिछले चार वर्षों से एंबुलेंस सेवा भी लगातार प्रदान की जा रही है, जिससे जरूरत के समय कई लोगों को राहत मिली है। संस्था की सेवा भावना का एक सराहनीय उदाहरण आदिम जनजाति समुदाय के एक जरूरतमंद परिवार के लिए सामने आया, जहां आर्थिक रूप से कमजोर परिवार का घर टूट जाने के बाद आपदा मित्र की टीम ने सहयोग और चंदा जुटाकर उनके लिए एक पक्का आशियाना उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपदा मित्र की कार्यशैली की सबसे खास बात यह है कि संस्था के सदस्य अपने जन्मदिन को केवल निजी उत्सव तक सीमित नहीं रखते। टीम में शामिल सदस्य अपना जन्मदिन आदिवासी, गरीब और जरूरतमंद परिवारों के बीच जाकर मिठाई बांटकर मनाते हैं और खुशियों को समाज के वंचित वर्गों के साथ साझा करते हैं। संस्थापक शशि शेखर एवं उनकी पूरी टीम का मानना है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक मदद पहुंचाना ही सच्ची सेवा है। विपरीत परिस्थितियों, संसाधनों की कमी और बिना किसी बड़े सहयोग के बावजूद आपदा मित्र लाइब्रेरी का सेवा अभियान लगातार जारी है। आपदा मित्र आज केवल एक संस्था नहीं, बल्कि मानवता, सेवा और जरूरतमंदों के प्रति समर्पण की एक मिसाल बनती जा रही है।

पुनपुन के पारथु पंचायत में पंचायत सरकार भवन तो बन गया लेकिन आज तक नहीं बन पाया रास्ता

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता।। सरकार की मंशा थी कि हर पंचायत में पंचायत सरकार भवन बनने से ग्रामीणों को जन्म प्रमाण पत्र, जमीन और अन्य जरूरी कामों के लिए प्रखंड का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। लेकिन पुनपुन प्रखंड के पारथु पंचायत में यह मंशा आज भी कागजों तक ही सीमित है। वजह साफ है भवन तो बन गया, लेकिन वहां तक जाने के लिए पक्का रास्ता आज तक नहीं बना। पारथु पंचायत में बने पंचायत सरकार भवन तक पहुंचने के लिए लगभग 1 किलोमीटर का कच्चा रास्ता है। बरसात में यह पूरा रास्ता कीचड़ से लथपथ हो जाता है। पैदल चलना मुश्किल हो जाता है, गाड़ी की तो बात ही छोड़िए। नतीजा यह है कि न ग्रामीण वहां पहुंच पा रहे हैं और न ही पंचायत सचिव और राजस्व कर्मी।पंचायत की मुखिया पिंकी देवी ने इस समस्या को कई बार प्रखंड विकास पदाधिकारी और वरीय अधिकारियों के सामने रखा है। सीएमओ कार्यालय को भी पत्र भेजकर रास्ता निर्माण की मांग की गई है। मुखिया पिंकी देवी ने बताया कि वर्ष 2025 में यह पंचायत सरकार भवन बनकर तैयार हो गया था, उसके बाद 01.10.2026 को मुख्यमंत्री द्वारा ऑनलाइन उद्घाटन किया गया लेकिन रास्ता आज तक नहीं बन पाया,ग्रामीण विकास विभाग में आवेदन देने के बाद सर्वे भी हो चुका है, लेकिन आज तक काम शुरू नहीं हुआ। मुखिया पिंकी देवी का कहना है कि भवन बनाने का उद्देश्य ही तब पूरा होगा जब लोग वहां तक पहुंच सकें। रास्ता नहीं होने के कारण आज भी पारथु पंचायत के लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए प्रखंड मुख्यालय की दौड़ लगानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने सरकार से मांग की है कि पंचायत सरकार भवन तक जल्द से जल्द सुदृढ़ रास्ता बनाया जाए, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंच सके।

धुर्वा डैम में विधानसभा कर्मी के डूबने की आशंका

रांची, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। धुर्वा डैम में एक व्यक्ति के डूबने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। विधानसभा कर्मी बुलंद अख्तर के डूबने की आशंका जताई जा रही है। डैम के पास से उनकी चप्पल समेत कुछ अन्य सामान बरामद हुए हैं। सूचना मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंचे और आत्महत्या की आशंका जताई। इधर, एनडीआरएफ की टीम डैम में उतरकर लापता व्यक्ति की तलाश में जुटी है। घटना को लेकर इलाके में चिंता का माहौल है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

मोतिहारी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आहुत की गयी। उक्त बैठक में निम्नलिखित बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए सड़क सुरक्षा के दृष्टिकोण से आवश्यक निदेश दिए गएः-

1. विगत बैठक की कार्यवाही की संपुष्टि करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए।
2. परियोजना निदेशक, ठलअक मोतिहारी को बैरिया देवी माई स्थान एवं देवराहां बाबा चौक से चंडी माई स्थान के पास गति सीमा 60 कि०मी० निर्धारित करने के साथ-साथ ब्लिंकर्स, एवं रोड साईनेज लगाने एवं उक्त स्थलों पर सहायक मार्गा पर स्पीड ब्रेकर लगाने का निर्देश दिया गया।
3. कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल, मोतिहारी एवं ढ़ाका एवं सभी कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य प्रमंडल, पूर्वी चम्पारण को नेश्नल हाईवे से मिलने वाले मार्ग पर स्पीड ब्रेकर लगाने हेतु निर्देश दिया गया।
4. जिलान्तर्गत घटित सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए तुरकौलिया थानान्तर्गत माधोपुर मठ / मुफसिल थानान्तर्गत मधुबनी घाट / डुमरियाघाट थानान्तर्गत हुसैनी बाजार, डुमरिया माई स्थान, पहल चौक / संग्रामपुर थानान्तर्गत भवानीपुर मठ, मंगलापुर / हरसिद्धि थानान्तर्गत मटियरिया कांटा/नगर थानान्तर्गत मरीन ड्राईव/कोटवा थानान्तर्गत बेलवा माधो, दीपऊ / बंजरिया थानान्तर्गत शंकर ढ़ाबा/ढ़ाका थानान्तर्गत करमावा / छौड़ादानों थानान्तर्गत चैनपुर / मधुबन थानार्नात जोगौलिया, तालिमपुर/ पिपराकोठी थानान्तर्गत बरकुरवा / पताही थानान्तर्गत भकुरहिया / मेहसी थानान्तर्गत दामोदरपुर कट, बथना कट / चिरैया थानान्तर्गत ललबेगिया इत्यादि स्थलों पर आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय करने हेतु सभी संबंधित सड़क विभाग को आवश्यक निर्देश दिया गया।
5. हिट एंड रन सड़क दुर्घटनाओं में मुआवजा भुगतान की समीक्षा करते हुए थाना एवं अंचल स्तर पर लंबित प्रतिवेदन यथाशीघ्र उपलब्ध कराने हेतु सभी संबंधित थानाध्यक्षों एवं अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया गया।
6. सड़क दुर्घटनाओं का -फ्अऊ्री-ऊ्अफ पोर्टल पर प्रविष्टि की समीक्षा करते हुए सभी थानाध्यक्ष को निर्धारित समय के अंदर शत प्रतिशत प्रविष्टि करने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त अवसर पर पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात / पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) / जिला परिवहन पदाधिकारी / परियोजना निदेशक, ठलअक मोतिहारी एवं मुजफ्फरपुर / कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, मोतिहारी एवं ढ़ाका/सभी कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य प्रमंडल/पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) / अपर जिला परिवहन पदाधिकारी / सभी थानाध्यक्ष एवं अंचलाधिकारी / सभी प्रवर्तन अवर निरीक्षक आदि उपस्थित रहें।

जिला मुख्यालय की दौड़ खत्म, हैदरनगर में पंचायत स्तर पर बनेगा ड्राइविंग लाइसेंस

हैदरनगर/पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। ग्रामीणों के लिए राहत की खबर है। अब ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए जिला मुख्यालय की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। परिवहन विभाग की ओर से हैदरनगर प्रखंड के पंचायत कलस्टर स्तर पर विशेष शिविर लगाकर लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की व्यवस्था की गई है।

परिवहन विभाग के संयुक्त सचिव द्वारा जारी पत्र के अनुसार 22 अगस्त को हैदरनगर पूर्वी पंचायत सचिवालय में शिविर लगाया जाएगा। इसमें चौकड़ी, बरेवा, बिलासपुर, कुकही समेत सात पंचायतों के ग्रामीणों को लाभ मिलेगा। वहीं 25 अगस्त को हैदरनगर पश्चिमी पंचायत सचिवालय में शिविर आयोजित होगा। इसमें परता, खरगड़ा, बभंडी और मोकहरकला समेत संबंधित पंचायतों के ग्रामीणों के लाइसेंस बनाए जाएंगे।

लाइसेंस बनवाने के लिए आवेदकों को आधार कार्ड, जन्मतिथि प्रमाण-पत्र, ब्लड ग्रुप रिपोर्ट सहित आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे। विभाग का उद्देश्य ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर सुविधा उपलब्ध कराने के साथ वैध ड्राइविंग लाइसेंस और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है।इस पहल से ग्रामीणों को जिला मुख्यालय आने-जाने की परेशानी और अतिरिक्त खर्च से राहत मिलेगी। विभाग ने लोगों से निर्धारित तिथि पर आवश्यक कागजात के साथ शिविर में पहुंचकर सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड ने एमएमडीआर संशोधन अधिनियम 2026 का स्वागत किया

कहाः खनिज सुरक्षा और घरेलू लौह अयस्क की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में बड़ा सुधार

नई दिल्ली/बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने केंद्र सरकार द्वारा 17 अगस्त 2026 को अधिसूचित खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2026 का स्वागत किया है। कंपनी ने इसे खनिज क्षेत्र में एक अनुमानित वित्तीय व्यवस्थाऔर दीर्घकालिक नीतिगत निश्चितता स्थापितकरने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया है। यह संशोधन खनिज कराधान और शुल्कों में अधिक स्पष्टता और एकरूपता लाता है। इसके अलावा, यह पहले से प्रभावी एवं लंबित कर मामलों का समाधान करता है, जिससे खनन उद्योग में और अधिक भरोसा एवं निश्चितता आएगी। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के पास लौह अयस्क और कोयले की बड़ी कैप्टिव खदानें हैं। इस सुधार से कंपनी के खनन कार्यों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, नए निवेश और खदानों के विकास में आसानी होगी और दीर्घकालिक कच्चे माल की सुरक्षा मजबूत होगी। एक स्थिर - कर व्यवस्था से कंपनी अपने खनिज संसाधनों का बेहतर उपयोग कर सकेगी और लौह अयस्क के खनन को बढ़ाने में मदद होगी। उल्लेखनीय है कि इस सुधार से घरेलू बाजार में लौह अयस्क की उपलब्धता बढ़ेगी। खदानों के बेहतर विकास के बाद सेल लागू नियमों के तहत अतिरिक्त लौह अयस्क को बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध करा सकेगी। इससे घरेलू सप्लाई चेन मजबूत होगी और भारतीय इस्पात (स्टील) उद्योग को स्थानीय लौह अयस्क आसानी से मिल सकेगा। इस कदम से क्षेत्र में निवेश और उत्पादन बढ़ने, आयात पर निर्भरता कम होने, खनिज व ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होने और खनिज आधारित उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ने की उम्मीद है। सेल 'आत्मनिर्भर' तथा 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने के लिए अपने खनिज संसाधनों के जिम्मेदार और टिकाऊ विकास, कच्चे माल की सुरक्षा और घरेलू बाजार में अधिक लौह अयस्क उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

बोकारो में ज्वेलरी दुकान से सवा किलो गहनों की चोरी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सेक्टर-4 थाना से महज करीब 300 मीटर की दूरी पर चोरों ने एक ज्वेलरी दुकान को निशाना बनाया है। चोर दुकान की सीलिंग तोड़कर करीब सवा किलो सोने-चांदी के आभूषण और 15 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। बोकारो के सेक्टर-4 थाना क्षेत्र में चोरों ने पुलिस की पेट्रोलिंग व्यवस्था को चुनौती देते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। थाना से करीब 300 मीटर की दूरी पर स्थित श्री हरि अलंकार ज्वेलरी दुकान में चोरों ने लाखों रुपये के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। दुकान के मालिक मुन्नालाल बर्मन के मुताबिक, वह बुधवार रात करीब 9 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे जब उन्होंने दुकान खोली तो अंदर का नजारा देखकर उनके होश

उड़ गए। दुकान की ऊपर की सीलिंग टूटी हुई थी और सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि चोर करीब सवा किलो ज्वेलरी और काउंटर में रखे करीब 15 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए हैं। घटना की सूचना सेक्टर-4 थाना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि चोरों की पहचान की जा सके। थाना से इतनी कम दूरी पर हुई इस चोरी ने पुलिस की रात्रि गश्ती और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और चोरों तक पहुंचने के लिए सुराग जुटाए जा रहे हैं।

सेक्टर 12 में जर्जर सड़क बनी परेशानी, जलजमाव और गड्ढों से बढ़ा हादसे का खतरा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सेक्टर 12 स्थित पेन्टिकॉस्टल असेंबली स्कूल के सामने सड़क की बदहाल स्थिति से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बने हैं और बारिश के बाद इसमें पानी भर गया है. जलजमाव के कारण सड़क की वास्तविक स्थिति दिखाई नहीं देती, जिससे वाहन चालकों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही है. गुरुवार को सड़क पर कई वाहन गड्ढों और पानी के बीच से गुजरते नजर आए. दोपहिया वाहन चालकों के लिए स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है. सड़क पर कीचड़ और पानी के कारण फिसलने का खतरा बना हुआ है. स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से सड़क

की स्थिति खराब है, लेकिन अब बारिश के कारण समस्या और गंभीर हो गई है. स्कूल के सामने होने के कारण इस सड़क पर विद्यार्थियों, अभिभावकों, ऑटो चालकों, दोपहिया और चारपहिया वाहनों की लगातार आवाजाही रहती है. सड़क पर जलजमाव के कारण वाहनों को काफी धीमी गति से गुजरना पड़ रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के दिनों में यह समस्या और गंभीर हो जाती है. पानी जमा रहने से सड़क के गड्ढे दिखाई नहीं देते और कभी भी दुर्घटना हो सकती है. स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क की मरम्मत नहीं होने के कारण गड्ढे लगातार बढ़ते जा रहे हैं. लोगों ने संबंधित विभाग से सड़क की स्थायी मरम्मत कराने और जलनिकासी की समुचित व्यवस्था करने की मांग की है. लोगों का कहना है कि स्कूल के सामने की सड़क होने के कारण यहां विशेष ध्यान देने की जरूरत है. समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो आने वाले दिनों में दुर्घटना का खतरा और बढ़ सकता है.

बोकारो में देश के दिग्गज तीरंदाजों का जमावड़ा

राष्ट्रीय रैंकिंग प्रतियोगिता में अर्जुन अवार्डी, वर्ल्ड चैंपियन और अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता दिखा रहे दम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम में चल रही एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में देशभर के दिग्गज तीरंदाजों का जमावड़ा लगा है। 27 अगस्त तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में अर्जुन अवार्डी, वर्ल्ड चैंपियन और अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी अपने निशाने का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता में देश के शीर्ष तीरंदाजों की मौजूदगी से बोकारो का खेल मैदान राष्ट्रीय स्तर पर आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रतियोगिता में अर्जुन अवार्डी और राजस्थान सरकार में डीएसपी रजत चौहान भी हिस्सा ले रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके रजत चौहान की नजरें आगामी बड़ी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन पर हैं। वहीं, दो बार के वर्ल्ड चैंपियन और अर्जुन अवार्डी अभिषेक वर्मा भी प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश कर रहे हैं। अभिषेक वर्मा एशियन गेम्स में देश के लिए पदक जीत चुके हैं और कंपाउंड आर्चरी के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं। 2025 के वर्ल्ड चैंपियन गोल्ड मेडलिस्ट ऋषभ यादव भी बोकारो पहुंचे हैं। कंपाउंड आर्चरी में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल ऋषभ यादव फिलहाल विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर हैं। ऐसे में राष्ट्रीय रैंकिंग प्रतियोगिता उनके लिए आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी का महत्वपूर्ण मंच है। देश के इन स्टार खिलाड़ियों का लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के साथ आगामी एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए पदक जीतना है। खिलाड़ियों का कहना है कि झारखंड में तीरंदाजी की प्रतिभाओं की कमी नहीं है। बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं मिलने पर यहां के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं। खिलाड़ियों ने खेलो इंडिया के बढ़ते बजट और खेल सुविधाओं में हो रहे सुधार को भी महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना है कि इससे जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिल रहा है। खेलों में बेहतर करियर और रोजगार की संभावनाएं भी युवाओं को आकर्षित कर रही हैं। बोकारो से देश के इन स्टार तीरंदाजों का संदेश है कि बड़े लक्ष्य के लिए लगातार मेहनत, अनुशासन और लगन जरूरी है। खिलाड़ियों का मानना है कि जुनून के साथ आगे बढ़ने वाला युवा खेल के जरिए देश का नाम रोशन करने के साथ अपने भविष्य को भी नई दिशा दे सकता है।

उपायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की विभिन्न योजनाओं एवं मामलों की समीक्षा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं, अभियानों एवं लंबित मामलों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को कार्यों में तेजी लाते हुए ससमय प्रतिवेदन उपलब्ध कराने तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतने का निर्देश दिया।

सुरक्षित कुआं-सुरक्षित वन्यजीव अभियान की समीक्षा

उपायुक्त ने सुरक्षित कुआंझ्रसुरक्षित वन्यजीव अभियान के तहत जिले में बिना मुंडेर वाले कुओं की प्रखंडवार समीक्षा की। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों से ऐसे कुओं की संख्या एवं स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने नोडल पदाधिकारी-सह-डीआरडीए निदेशक श्रीमती पूर्णिमा कुमारी को सभी प्रखंडों से प्राप्त जानकारी का समेकित प्रतिवेदन तैयार कर अगली बैठक में प्रस्ताव के साथ प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

शेष धान का 24 घंटे में उठाव पूरा करने का निर्देश

उपायुक्त ने धान अधिप्राप्ति के तहत धान उठाव कार्य की भी समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में जिले के आठ पैक्स में धान का उठाव अभी शेष पाए जाने पर उन्होंने संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को संबंधित पैक्स - मिलरों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए शेष धान का उठाव शीघ्र पूरा कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि उठाव कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा 24 घंटे के अंदर अनुपालन प्रतिवेदन समर्पित करें।

न्यायालयीन मामलों में ससमय तथ्य विवरणी समर्पित करने का निर्देश

उपायुक्त ने उच्च न्यायालय में लंबित मामलों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को न्यायालयीन मामलों में तथ्य विवरणी ससमय तैयार कर समर्पित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी वरीय पदाधिकारी लंबित न्यायालयीन मामलों की नियमित निगरानी एवं समीक्षा के लिए प्रत्येक सप्ताह एक दिन निर्धारित करें तथा इसकी समीक्षा सुनिश्चित करें।

एसआईआर-2026 के तहत मतदाताओं को नोटिस वितरण की समीक्षा

बैठक में उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी अजय नाथ झा ने एसआईआर - 2026 के तहत मतदाताओं को नोटिस निर्गत किए जाने की तैयारी की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ) एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (एईआरओ) को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने बीएलओ के साथ बैठक कर भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों से उन्हें अवगत कराएं। उन्होंने सभी संबंधित मतदाताओं को नोटिस का वितरण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए तथा नोटिस की (रिसीविंग) प्राप्ति को बीएलओ द्वारा अपने बीएलओ एप पर अनिवार्य रूप से अपलोड किया जाए। बैठक में अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, जिला योजना पदाधिकारी राज शर्मा, एडीडीएस सुचिता किरण, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं संबंधित पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

उपायुक्त ने होमगार्ड अभ्यर्थियों के डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन कार्य का किया औचक निरीक्षण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने होमगार्ड बहाली प्रक्रिया के तहत चयनित अभ्यर्थियों के चल रहे मेडिकल जांच एवं मूल प्रमाण पत्रों के सत्यापन कार्य का आज औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने का निर्देश दिया। सत्यापन कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा 4 टीमों का गठन किया गया है। इसके साथ ही अभ्यर्थियों की शारीरिक व चिकित्सकीय जांच के लिए एक मेडिकल टीम भी तैनात है। उपायुक्त ने कहा कि सभी चयनित अभ्यर्थियों को सत्यापन हेतु स्वयं उपस्थित होना अनिवार्य है। अभ्यर्थी अपने सभी शैक्षणिक, तकनीकी व आवासीय प्रमाण पत्रों की मूल प्रतियां एवं स्व-अभिप्रमाणित छायाप्रतियां साथ लेकर आएं। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत करने या अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर संबंधित अभ्यर्थी के विरुद्ध झारखण्ड प्रतियोगी परीक्षा अधिनियम, 2023 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 के सुसंगत प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने दोहराया कि जिला प्रशासन ने होमगार्ड भर्ती परीक्षा को पूरी पारदर्शिता और शुचिता के साथ संपन्न कराया है। ठीक उसी मानक के तहत मेडिकल और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को भी पूर्ण कराया जाएगा ताकि केवल योग्य अभ्यर्थियों का ही अंतिम चयन सुनिश्चित हो सके।

पंचायत में आयोजित महिला तथा बाल सभा में समस्याओं के समाधान पर हुई चर्चा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पंचायती राज विकास विभाग, झारखंड सरकार के निर्देश पर सबकी योजना, सबका विकास कार्यक्रम के तहत बच्चों एवं महिलाओं को अपनी बात रखने का मंच उपलब्ध कराने और उनके अधिकारों एवं समस्याओं को सामने लाने के उद्देश्य से कसमार के पोंडा, सोनपुरा, गरी, दुगार्पुर, चंद्रशेखर हेंब्रम ,गीता देवी ने गांव तथा पंचायत स्तर पर बच्चों के साथ होने वाले हिंसा को समाप्त करने पर विशेष चर्चा किया गया। इस दौरान बाल विवाह ,बाल यौन हिंसा तथा बाल तस्करी को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया गया ।कार्यक्रम के दौरान पंचायत स्तर पर चाइल्ड प्रोटेक्शन कमेटी के गठन तथा उसे सक्रिय करने पर

मंजूरा, बराईकला, टांगटोना, बगदा, मधुकरपुर पंचायत में बाल सभा एवं महिला सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शिक्षा, सुविधाओं तथा अपनी अन्य जरूरतों से जुड़ी समस्याओं और सुझावों को बेझिझक सभा के समक्ष रखा। इस दौरान आयोजित महिला सभा में महिला संबंधित विकास योजना तथा मुद्दों पर गहन चर्चा की गई तथा महिलाओं के हित में पंचायत स्तर पर योजना संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुखिया हारू रजवार ,अमरलाल महतो , सुमित्रा कुमारी,राजेंद्र महतो, विशेष रूप से ध्यान देने की बात कही गई। इस दौरान सहयोगिनी तथा जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन नेटवर्क से जुड़े हुए प्रकाश कुमार महतो,मंजू देवी,स्वाति कुमारी ,सूरजमनी देवी, संगीता देवी,विनीता देवी, रेखा देवी ने कहा कि पूरे देश में बाल विवाह को समाप्त करने के लिए सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। हमें गांव तथा पंचायत स्तर पर इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कार्यक्रम में रजनीकांत राकेश, गीता कुमारी, बीरेन्द्र करमाली, अनिल महतो इमरोज अहमद,बैजनाथ महतो, सहित बड़ी संख्या में महिलाओं तथा छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

राजीव गांधी जयंती के अवसर पर कांग्रेसियों ने अर्पित किए श्रद्धा सुमन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और संचार क्रांति के जनक स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती पर बोकारो जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। बोकारो हवाई अड्डे के पास स्थित राजीव गांधी की आदमकद प्रतिमा पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान नेताओं ने राजीव गांधी के व्यक्तित्व और देश के विकास में उनके योगदान को याद किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री के रूप में देश को आधुनिक तकनीक और नई सोच की दिशा में आगे बढ़ाने का काम किया। उन्हें भारत में संचार क्रांति और कंप्यूटर युग की शुरूआत का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने और युवाओं की लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण पहल की। 18 वर्ष की उम्र में मतदान का अधिकार देने का फैसला भी उनके कार्यकाल के प्रमुख निर्णयों में शामिल रहा। नेताओं ने कहा कि राजीव गांधी का सपना आधुनिक, मजबूत और विकसित भारत का था। उनके विचार आज भी देश की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी के दिखाए रास्ते पर चलते हुए उनके अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए पार्टी लगातार संघर्ष करती रहेगी। श्रद्धांजलि सभा के दौरान कांग्रेस नेताओं ने देश के विकास, तकनीकी प्रगति और लोकतंत्र को मजबूत करने में राजीव गांधी के योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। श्रद्धांजलि सभा में जवाहर लाल माहथा, कांग्रेस जिला अध्यक्ष, प्रेम राय, उपाध्यक्ष सह जिला कांग्रेस समिति एवं अशोक मिश्रा, कोषाध्यक्ष, बोकारो जिला कांग्रेस समिति सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल हुए।

आधुनिक भारत और संचार क्रांति के निर्माता थे भारत रत्न राजीव गांधीः कांग्रेस

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला कांग्रेस मुख्यालय भवन, हाउसिंग कॉलोनी, धनबाद में भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी की 82 वी जयंती 'सद्भावना दिवस' के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित हुए। सभी ने अपने प्रिय नेता एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी के चित्र पर पुष्प एवं माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी जी आधुनिक भारत के निर्माण के

दूरदर्शी नेताओं में से एक थे। उनका पूरा राजनीतिक जीवन देश को 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार करने और भारत को आधुनिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी रूप से सक्षम राष्ट्र बनाने के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी जी के योगदान को देश कभी भुला नहीं सकता। कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव अशोक कुमार सिंह, रमेश जिंदल, अवध नारायण प्रसाद, संतोष चौधरी, इरफान खान चौधरी, जोगिंदर सिंह जोगी, नवनीत नीरज, महेंद्र दुबे, दिनेश यादव, आदित्य आनंद, बिल्किस खानम, श्रीमती सीता राणा, खालिद हुसैन, गुड्डू खान, प्रवीण चौधरी, संजय कुमार, अनिल राय, मृत्युंजय सिंह, ऋषिकांत यादव, रंजन यादव, गंगा वाल्मीकि, हरेंद्र साईं, अशोक साहू, कुमुद कुमार, मनोहर कुमार दास, खैरुन्निसा, रूबी खातून, सफियारा खान, पूनम राय, कमला मंत्री, जायसवाल, सावन, सुमन, शुभम निषाद, मधुसूदन सिंह चौधरी सहित अनेक कांग्रेसजन प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

एसआईआर 2026 के तहत 22 एवं 23 अगस्त को सभी मतदान केंद्रों पर द्वितीय एवं अंतिम विशेष शिविर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार झारखंड विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत जिले के सभी मतदान केंद्रों पर 22 एवं 23 अगस्त 2026 को फॉर्म-6 एवं फॉर्म-8 भरने हेतु द्वितीय एवं अंतिम विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के सभी पात्र भारतीय नागरिकों से अपील की है कि वे इस विशेष शिविर का लाभ उठाते हुए मतदाता सूची में नाम जोड़ने अथवा आवश्यकतानुसार नाम स्थानांतरित करने की प्रक्रिया पूर्ण करें।

फॉर्म-6 से मतदाता सूची में नाम जोड़ने की सुविधा

ऐसे पात्र भारतीय नागरिक, जो 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं अथवा अर्हता तिथि 01 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले हैं और झारखंड के किसी मतदान केंद्र क्षेत्र के सामान्य निवासी हैं, वे मतदाता सूची में पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 एवं घोषणा पत्र भर सकते हैं। फॉर्म-8 से परिवार के सदस्यों का नाम एक ही मतदान केंद्र पर स्थानांतरित करें। यदि किसी मतदाता का वर्तमान मतदान केंद्र उसके घर से दूर स्थित है अथवा परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज हैं, तो परिवार के सभी सदस्यों का नाम अपने नजदीकी एवं एक ही मतदान केंद्र पर स्थानांतरित कराने के लिए फॉर्म-8 भरा जा सकता है।

ऑनलाइन भी भर सकते हैं फॉर्म

मतदाता ईसीआईनेट ऐप के माध्यम से अथवा voters.eci.gov.in पर ऑनलाइन फॉर्म-6 एवं फॉर्म-8 भर सकते हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि एसआईआर की प्रक्रिया केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है। कोई भी विदेशी नागरिक एसआईआर की प्रक्रिया में भाग नहीं लें। उन्होंने जिले के पात्र नागरिकों से अपील की कि वे 22 एवं 23 अगस्त को आयोजित द्वितीय एवं अंतिम विशेष शिविर में अपने संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदाता सूची में नाम जोड़ने अथवा परिवार के सदस्यों का नाम एक ही मतदान केंद्र पर स्थानांतरित कराने हेतु आवश्यक प्रपत्र भरें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

सैकड़ों छात्राओं के हाथों में पहुंची साइकिल, शिक्षा की राह हुई आसान

झरिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नूनूडीह बालिका मध्य विद्यालय, झरिया में आयोजित कार्यक्रम में झरिया की विधायक रागिनी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने झारखंड सरकार की साइकिल योजना के तहत सैकड़ों छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया। साइकिल पाकर छात्राओं के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि बेटियों की शिक्षा को सुगम बनाना और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। साइकिल मिलने से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, खासकर दूर-दराज से विद्यालय आने वाली छात्राओं को इसका विशेष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की साइकिल योजना बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और छात्राओं को नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा, हमारा संकल्प है कि हमारी बेटियां पढ़ें, आगे बढ़ें और अपने सपनों को साकार करें। शिक्षा ही वह माध्यम है, जिसके जरिए बेटियां अपने जीवन में नई ऊंचाइयां हासिल कर सकती हैं। उनके हर कदम पर हम उनके साथ खड़े हैं। विधायक ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे पूरी लगन और मेहनत के साथ पढ़ाई करें तथा अपने माता-पिता, विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि बेटियों को बेहतर शिक्षा और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रीना कुमारी एवं ब्लॉक प्रोग्रामिंग ऑफिसर सुजीत कुमार महतो की उपस्थिति विशेष रूप से रही। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार, छात्राओं एवं उपस्थित लोगों में उत्साह का माहौल रहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com